रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:45 | शनिवार, 18 अक्टूबर

ब्रीफ न्यूज

वीआईपी ने छह सीटों पर उतारे प्रत्याशी सहनी नहीं लड़ेंग

एजेंी

पटना :महागठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के छह प्रत्याशियों ने प्रथम चरण की सीटों पर नामांकन किया। उम्मीदवारों ने नामांकन भरने के बाद अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। हालांकि सीटों को लेकर नाराज चल रहे मुकेश सहनी ने साफ कर दिया है कि वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति के अनुसार औराई से भोगेन्द्र सहनी को पार्टी ने सिंबल दिया है। जिन्होंने आज अपना नामांकन कर दिया। बरुराज से राकेश कुमार और गौराबौराम से संतोष सहनी नेपर्चा दाखिल किया।

तेजस एमके 1ए विमान ने भरी पहली उड़ान

एजेंी

नई दिल्ली (एजेंसी) : अबदेश में वायुसेना की ताकत और भी तेजी से बढ़ने वाली है। भारत जिन लड़ाकू विमानों को अमेरिका फ्रांस और रूस से खरीदता था, अब इन लड़ाकू विमानों का निर्माण खुद ही करने लगा है। दरअसल, शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक में तेजस एमके 1ए लड़ाकू विमान ने पहली बार उड़ान भरी। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। इस लड़ाकू विमान का निर्माण हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने किया है। यह पहला जेट डिलीवर हुआ है। यह वही फाइटर जेट है, जिसका वायुसेना लंबे समय सेइंतजार कर रही थी।

सीएम हेमंत छह नवंबर को सहायक आचार्यों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री हेमंत

संवाददाता

रांची:सोरेन छह नवंबर को लगभग सात हजार सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह सरायकेला में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले नियुक्ति पत्र वितरण समारोह रांची के हरमू मैदान में प्रस्तावित था। बताते चलें कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चयनित इन अभ्यर्थियों में स्नातक प्रशिक्षित और इंटर प्रशिक्षित सहायक आचार्य दोनों वर्ग शामिल हैं। सामाजिक विज्ञान विषय के 2,748 पद सम्मिलित हैं, जिनका परिणाम सबसे अंत में घोषित किया गया था। यह परीक्षा कुल 26,001 पदों के विरुद्ध आयोजित की गई थी, लेकिन अभी तक 9,348 अभ्यर्थियों काही चयन हो सका है।बताते चलें कि झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चयनित ।

सीएम हेमंत सोरेन ने टाइगर सफारी प्रोजेक्ट की समीक्षा की, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

रांची, संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में लातेहार जिला में प्रस्तावित टाइगर सफारी प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन देखा। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के समक्ष अधिकारियों ने टाइगर सफारी प्रोजेक्ट से संबंधित विस्तृत जानकारी रखी। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि यह प्रोजेक्ट झारखंड का पहला टाइगर सफारी प्रोजेक्ट होगा। लातेहार जिला के पुटूवागढ़ क्षेत्र में इसका निर्माण किया जाना प्रस्तावित है जो पलामू टाइगर रिजर्व से बाहर का क्षेत्र है। इस निमित्त विभाग द्वारा भूमि चिन्हित कर ली गई है। टाइगर सफारी प्रोजेक्ट बेतला नेशनल पार्क के नजदीक क्षेत्र में बनाए जाने की योजना है। टाइगर सफारी प्रोजेक्ट बनने से डाल्टनगंज, बरवाडीह,

मंडल डैम क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीणों को आजीविका का बेहतर साधन मिलेगा। मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि इस प्रोजेक्ट के बनने से पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) क्षेत्र के इको टूरिज्म सर्किट, जो नेतरहाट- बेतला- केचकी से लेकर मंडल डैम तक विस्तारित है, इसके विकास में यह प्रोजेक्ट एक

महत्वपूर्ण कड़ी बनेगी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को अधिकारियों ने अवगत कराया कि टाइगर सफारी परियोजना की स्थापना निर्धारित सभी मानकों का अनुपालन करते हुए की जायेगी।टाइगर सफारी बनने से इस क्षेत्र के समुचित विकास की पूरी संभावना है। इस योजना के विस्तार से टूरिज्म क्षेत्र में पर्यटकों के लिए बाघों और अन्य वन्यजीवों को करीब से देखने का एक आकर्षक और नया मौका होगा। यह झारखंड का पहला टाइगर सफारी होगा, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने टाइगर सफारी प्रोजेक्ट से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी ली तथा अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वाइल्डलाइफ परितोष उपाध्याय, पलामू टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एस०आर० नाटेश, उप निदेशक पलामू टाइगर रिजर्व प्रजेश जेना, कंसल्टेंट अशफाक अहमद सहितअन्य मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव : नीतीश कुमार से मुलाकात के पहले गृह मंत्री अमित शाह बोले

बिहार में एनडीए की जीत के बाद तय होगा मुख्यमंत्री का नाम

20 सालों में सबसे बड़ी बहुमत वाली बनेगी एनडीए की सरकार : अमित शाह

एजेंसी

पटनाःशुक्रवार से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तीश दिनों के बिहार दौरे पर हैं। सबसे पहले उन्होंने पटना में सीएम नीतीश से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों के बीच लगभग 15 मिनट तक चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। मुलाकात से पहले शाह ने कहा- वर्तमान में नेशनल डेमोक्रेसी (एनडीए) नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है। उन पर न सिर्फ भाजपा, बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। एनडीए की जीत के बाद मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका फैसला विधायक दल करेगा। शाह के बयान पर जीतनराम मांझी ने कहा- चुनाव से पहले नेता यानी होने वाले मुख्यमंत्री का भी नाम तय हो जाना चाहिए था। सौभाग्यवश एनडीए में अब तक सब कुछ ठीक रहा है। कोई दुविधा नहीं होनी चाहिए। दूसरी ओर

महागठबंधन का हिस्सा विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) चीफ मुकेश सहनी ने शुक्रवार को चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने दरभंगा की गौराबौराम सीट से संतोष सहनी (भाई) को उम्मीदवार बनाया। सहनी ने कहा- मुझे राज्यसभा नहीं चाहिए, डिप्टी सीएम बनना है। अब मैं अपने प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार करूंगा। सहनी ने कांग्रेस के राज्यसभा सीट का ऑफर ठुकरादिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सारण जिले के तरैया विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जनक सिंह के पक्ष में चुनावी सभा की।

महागठबंधन का फार्मूला अब तक तय नहीं

चुनाव को लेकर महागठबंधन में सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला अभी तक तय नहीं हो पाया है। 6 नवंबर को होने वाले प्रथम चरण में 121 सीटों पर मतदान के लिए शुक्रवार को नामांकन की अंतिम तिथि समाप्त हो गई। बता दें कि कांग्रेस 48 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। राजद ने एक भी लिस्ट जारी नहीं की। कई उम्मीदवारों को बिना किसी औपचारिक घोषणा के ही चुनाव चिन्ह मिले हैं।

पहले यहां चलती थी फिरौती और अपहरण की इंडस्ट्री

शाह ने कहा कि पहले बिहार में अपहरण और फिरौती की इंडस्ट्री चलती थी। अब बिहार में सड़क और उद्योग लगाने का काम राजग की सरकार कर रही है। अमित शाह ने कहा कि 550 साल तक रामलला अपनी जन्मभूमि पर एक झोपड़ी में विराजमान थे। जब मंदिर बनाने की बात उठी, तो कांग्रेस और उनके साथी दलों ने विरोध किया। नरेन्द्र मोदी जी ने 2019 में राम मंदिर का भूमि पूजन किया ।

रैयत विस्थापित मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

8 सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

पिपरवार : रैयत विस्थापित मोर्चा (आरवीएम) के केंद्रीय उपाध्यक्ष इकबाल हुसैन के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को झारखंड के महामहिम राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम को शाल एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया तथा रैयत विस्थापितों की आठ सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल ने ज्ञापन पर सहानुभूति जताते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। ज्ञापन में कहा गया है कि पिपरवार, एनके, मगध, संघमित्रा, आम्रपाली-चंद्रगुप्त, राजहरा, बरका-सयाल, जारंगडीह, ढोरी तथा केरेडारी-बड़कागांव जैसे क्षेत्रों से राज्य और केंद्र सरकार को करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन इन क्षेत्रों के विस्थापित व प्रभावित परिवार मूलभूत जनसुविधाओं से अब भी वंचित हैं। खनन क्षेत्र के बीच रहने वाले ग्रामीणों को सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि विस्थापितों को पुनर्वास, मुआवजा, नौकरी तथा निजी कंपनियों में रोजगार दिया जाए। साथ ही विस्थापित युवाओं को एक करोड़ रुपये तक का ठेका-पट्टा कार्य उपलब्ध कराया जाए।

नया इंकलाब : छोड़ी बंदूकें और थामी किताब

छत्तीसगढ़ में 208 नक्सलियों ने एक साथ डाले हथियार

एजेंसी

छत्तीसगढ़ : शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अरुण देव गौतम के समक्ष 210 इनामी नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। मुख्यधारा में लौटकर नक्सलियों ने अपने 153 हथियार पुलिस को सौंपे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कैडरों में एक करोड़ से पांच लाख तक के इनामी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की व्यापक नक्सल उन्मूलन नीति तथा पुलिस, सुरक्षाबलों, स्थानीय प्रशासन और अन्य हितधारकों के प्रयासों की ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत अधिकारिक तौर पर दंडकारण्य क्षेत्र के 210 इनामी नक्सली कैडर, जिनमें एक सेंट्रल कमेटी सदस्य, 4 डीकेएसजेडसी सदस्य 21 डिविजनल कमेटी सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ नक्सली कैडर शामिल हैं। उन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामाजिक मुख्यधारा में वापसी की। शीर्ष नक्सली कैडर सीसीएम रूपेश उर्फ सतीश, डीकेएसजेडसी भास्कर उर्फ राजमन मांडवी, डीकेएसजेडस रनीता, डीकेएसजेडस राजू सलाम, डीकेएसजेडस धन्नू वेत्ती उर्फ संतू, आरसीएम रतन एलम समेत कुल 210 इनामी नक्सली कैडर मुख्यधारा में लौट आए हैं।

जस्टिस पर टिप्पणी मामले में हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

वकील महेश तिवारी पर आपराधिक अवमानना का केस, जवाब तलब

संवादाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट की फुल बेंच ने न्यायपालिका पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में अधिवक्ता महेश तिवारी के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए आपराधिक अवमानना का मामला दर्ज किया है। मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी। वहीं, अधिवक्ता महेश तिवारी को नोटिस जारी किया गया है और तीन हफ्ते में जवाब मांगा गया है। दरअसल, घरेलू बिजली कनेक्शन और बिल से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को जस्टिस राजेश कुमार की बेंच में महेश तिवारी

और जस्टिस के बीच तीखी बहस हुई। यह सुनवाई यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम की जा रही थी और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में महेश तिवारी कहते दिखे, 'मैं अपने तरीके से बहस करूंगा, न कि आपके तरीके से। कृपया ध्यान दें। किसी वकील को अपमानित करने की कोशिश मत कीजिए। देश न्यायपालिका को लेकर जल रहा है। मैं पिछले 40 साल से कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहा हूं।' यह बहस उस समय हुई जब याचिकाकर्ता पुष्पा कुमारी की ओर से दलीलें पेश करते हुए अधिवक्ता महेश तिवारी ने अदालत को बताया कि उनसे बिल और जुर्माने के तौर पर 1.30 लाख रुपए से अधिक राशि मांगी जा रही है। उन्होंने अनुरोध किया कि दीपावली के मद्देनजर केवल 10-15 हजार रुपए जमा करवाकर कनेक्शन बहाल किया जाए। जस्टिस कुमार ने कहा, 'हम यहां दया के आधार पर न्याय करने नहीं बैठे हैं।

सियासत | जेएमएम के सोमेश और भाजपा के बाबूलाल ने भरा नामांकन, दोनों धड़ों ने दिखाई सियासी ताकत

घाटशिला उपचुनाव में जुबानी गोलाबारी

एजेंसी

जमशेदपुर : झारखंड की घाटशिला विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के सोमेश सोरेन और भारतीय जनता पार्टी के बाबूलाल सोरेन ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इस दौरान झारखंड में एनडीए और इंडिया गठबंधन के कई बड़े चेहरे उपस्थित रहे। प्रत्याशियों के नामांकन के बाद घाटशिला में दोनों सियासी धड़ों की ओर से अलग-अलग स्थानों पर जनसभाओं का आयोजन किया गया। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट पर 2024 के चुनाव में झामुमो के रामदास सोरेन ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्हें हेमंत सोरेन ने अपने मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री के तौर पर जगह दी थी। तीन माह पहले उनके आकस्मिक निधन की वजह से यहां उपचुनाव कराया जा रहा है। हेमंत सोरेन सरकार (पार्ट-टू) के अब तक के करीब एक वर्ष के कार्यकाल में किसी सीट पर यह पहला उपचुनाव है, जिसमें पक्ष-विपक्ष की साख दांव पर है झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के नामांकन के बाद आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के दूसरे कार्यकाल में भी जनता लूट और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। मरांडी ने लोगों से ऐसी सरकार को सबकसिखाने की अपील की।

विपक्ष दर्जनों मुख्यमंत्रियों को उतार दे झारखंड का मुख्यमंत्री भारी पड़ेगा : हेमंत

जमशेदपुर :झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को घाटशिला में पार्टी प्रत्याशी सोमेश सोरेन के नामांकन के बाद सर्कस मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारे विपक्ष इस उपचुनाव में दर्जनों मुख्यमंत्रियों को प्रचार में लगाएगा, लेकिन मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि वे दो दर्जन मुख्यमंत्री भी उतार देंगे, तब भी झारखंड का मुख्यमंत्री उन पर भारी पड़ेगा।' हेमंत सोरेन ने आगे कहा, 'झारखंड का मुख्यमंत्री मैं नहीं, बल्कि झारखंड की जनता है। उसकी ताकत ही मेरी ताकत है। इसी ताकत और विश्वास की बदौलत मैं झामुमो प्रत्याशी की ऐतिहासिक जीत को लेकर आश्वस्त हूं।' सोरेन ने कहा कि विपक्षी नेता चुनाव प्रचार के दौरान जुबानी गोलाबारी करेंगे, लेकिन हम उन्हें ऐसा जवाब देंगे कि वे जहां से आए हैं, वहां से बहुत दूरचले जाएंगे।

पहले चरण का नामांकन पूरा, सीटों का सार्वजनिक तौर पर एलान नहीं

बिहार में महागठबंधन की 'गांठ' नहीं खुली

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है और लगभग 95 फीसदी प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। इसके विपरीत, विपक्षी महागठबंधन अब तक सीट बंटवारे के फार्मूले पर अंतिम सहमति नहीं बना सका है। कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में 48 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जबकि राजद ने भी अपने कुछ पुराने विधायकों और नए चेहरों को सिंबल दिया है। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि पार्टी कुल कितनी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है। वामदलों के

लगभग 80 फीसदी प्रत्याशियों ने नामांकन पर्चा भर दिया है, जिससे यह साफ है कि महागठबंधन के भीतर तालमेल की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। सूत्रों के अनुसार, कई सीटों पर कांग्रेस और राजद के बीच पेंच अब भी फंसा हुआ है। परिणामस्वरूप कांग्रेस ने पहले चरण के लिए कुछ सीटों पर 'अलग नीति' अपनाई है। जिन 121 सीटों पर पहले चरण में मतदान होना है, उनमें से छह सीटों पर कांग्रेस और राजद दोनों ने उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें वैशाली, बछवाड़ा, लालगंज, घोषी, झंझारपुर समेत कई सीटें शामिल हैं, जहां 'फ्रेंडली फाइट' की स्थिति बन गई है। भाजपा के प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'महागठबंधन की पोल खुल चुकी है। कहलगांव, बछवाड़ा, वैशाली, चनपटिया,

प्रोफेसरों की प्रोन्नति पर लगी जेपीएससी की मुहर, छह विवि के 488 शिक्षकों को दीवाली से पहले मिली बड़ी सौगात

रांची, संवाददाता

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने लंबे समय से लंबित 2008 बैच के असिस्टेंट प्रोफेसरों के पदोन्नति प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. आयोग ने दीपावली से ठीक पहले राज्य के छह विश्वविद्यालयों के कुल 488 शिक्षकों को स्टेज-1 से स्टेज-2 में प्रोन्नति की अनुशंसा कर दी है. यह प्रोन्नति विश्वविद्यालय प्रोन्नति नियमावली 2010 के तहत की गई है. गुरुवार को जेपीएससी अध्यक्ष एल. खियांग्ते की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदस्य डॉ. अजिता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा, डॉ. जमाल अहमद और सचिव संदीप सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने प्रोन्नति सूची पर मुहर लगाई. आयोग ने बताया कि कोल्हान विश्वविद्यालय और जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी से प्रस्ताव नहीं मिलने के कारण वहां के शिक्षकों की प्रोन्नति फिलहाल लंबित रखी गई है.

जेपीएससी सचिव संदीप सिंह ने कहा कि यह निर्णय राज्य के उच्च शिक्षा क्षेत्र को सशक्त बनाएगा. जिन मामलों में आवश्यक कागजात लंबित हैं, उन्हें नवंबर तक निपटाने का लक्ष्य रखा गया है ताकि कोई योग्य शिक्षक न छूटे. इस बैठक में आयोग ने बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी प्रोफेसर सह चीफ साइंटिस्ट पद के साक्षात्कार का परिणाम जारी करने का भी निर्णय लिया. आयोग ने बांग्ला विषय की शिक्षिका डॉ. मधुश्री सन्याल को स्टेज-4 से स्टेज-5 (रीडर से प्रोफेसर) में प्रोन्नति देकर प्रक्रिया की शुरूआत की. अब ये शिक्षक प्राध्यापक व प्रशासनिक अधिकारी बनने के पात्र होंगे. प्रोन्नति के बाद ये सभी शिक्षक अब विश्वविद्यालयों में प्राध्यापक तथा गैर-शैक्षणिक पदाधिकारी बनने की योग्यता प्राप्त कर चुके हैं.

किन-किन विषयों में हुई पदोन्नति

अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगर्भशास्त्र, गणित, समाजशास्त्र, इतिहास, मैथिली, म्यूजिक, परशियन, संताली, गृह विज्ञान, मानवशास्त्र, उर्दू, भूगोल, वाणिज्य, वनस्पतिशास्त्र, जंतु विज्ञान, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, भौतिकी, दर्शनशास्त्र और रसायनशास्त्र हैं. झारखंड प्रोफेसर एसोसिएशन ने जेपीएससी और राज्य सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह निर्णय शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने वाला है. एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार ने कहा कि भले ही देर से सही, पर यह फैसला उच्च शिक्षा में सकारात्मक ऊर्जा लेकर आएगा. आने वाले समय में इसका लाभ राज्य के विश्वविद्यालयों को मिलेगा.

विश्वविद्यालयवार पदोन्नति विवरण

रांची विश्वविद्यालय	177
डीएसपीएमयू	33
विनोबा भावे विश्वविद्यालय	66
नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय	23
सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय	120
विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय	69

5वीं इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में झारखंड के सदानंद व रोशन ने जीता रजत

रांची। तेलंगाना के वारंगल स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही 5वीं इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया.हजारीबाग के सदानंद कुमार ने 100 मीटर दौड़ में 10.56 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता. वहीं बोकारो भाटिया अकादमी के पूर्व प्रशिक्षु रौशन कुमार ने 20 किलोमीटर रेस वॉक में 1 घंटा 28 मिनट 13 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया. इस उपलब्धि पर झारखंड के खिलाड़ियों को राज्य के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक शेखर जमुआर, झारखंड एथलेटिक्स संघ के चेयरमैन डॉ. मधुकांत पाठक, अध्यक्ष सी.डी. सिंह, सचिव एस.के. पांडे सहित संघ के सभी पदाधिकारियों और कोचों ने बधाई दी.इन दो रजत पदकों के साथ झारखंड ने एक बार फिर एथलेटिक्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज की है।

रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने दिवाली, काली पूजा व छठ की तैयारी को लेकर की बैठक

रांची, संवाददाता

रांची में आने वाले दिवाली, काली पूजा और छठ पर्व की तैयारियों को लेकर आज उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में एक अहम बैठक हुई. बैठक में नगर निगम, पुलिस, बिजली, जलापूर्ति, स्वास्थ्य, परिवहन, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन समेत सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे. उपायुक्त ने कहा कि सभी पर्व शांति और सौहार्द के माहौल में मनाए जाएं. उन्होंने साफ कहा कि छठ घाटों की सुरक्षा, सफाई और रोशनी की व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी. उपायुक्त ने कहा कि छठ पूजा लोक आस्था का पर्व है. इसे शांति और आपसी सहयोग के साथ संपन्न कराना हमारी जिम्मेदारी है. उन्होंने ध्वनि प्रदूषण पर खास ध्यान देने को कहा और बताया कि हाईकोर्ट के निदेशों के मुताबिक सभी नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा.

उपायुक्त के मुख्य निर्देश

1. सुरक्षा व्यवस्थाः हर घाट पर पर्याप्त पुलिस बल और महिला पुलिस की तैनाती हो.
2. सफाईः नगर निगम समय पर सभी घाटों की सफाई, चूना छिड़काव और अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था करे.
3. स्वास्थ्य सुविधाः हर बड़े घाट पर हेल्थ कैंप और प्राथमिक उपचार केंद्र लगाया जाए.
4. बिजली-पानीः बिजली विभाग निर्बाध सप्लाई दे और जल विभाग घाटों पर पर्याप्त पानी की व्यवस्था रखे.
5. ट्रैफिकः ट्रैफिक पुलिस घाटों की ओर जाने वाले रास्तों पर खास यातायात योजना बनाए.
6. आपदा प्रबंधन : एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट मोड में रखा जाए.
7. सुरक्षा बैरिकेडिंगः सभी तालाबों और घाटों में सुरक्षित गहराई तक बैरिकेडिंग की जाए.
8. चेंजिंग रूमः घाटों पर अस्थायी चेंजिंग रूम बनाए जाएं.
9. वालंटियरः स्थानीय वालंटियर भी सक्रिय रूप से सहयोग करें.
10. फोन रिस्पॉन्सः बिजली विभाग के सभी अधिकारी अपने फोन समय पर उठाएं ताकि कोई दिक्कत न हो.
11. सीसीटीवीः सभी प्रमुख जगहों पर कैमरे लगाए जाएं.
12. पुलिस पेट्रोलिंगः असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए लगातार पेट्रोलिंग की जाए.
13. साफ-सफाईः सभी काली पूजा पंडालों और छठ घाटों की सफाई की जाए.
14. समिति समन्वयः छठ और काली पूजा समितियों के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए ताकि समन्वय बना रहे.

राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ पुष्पा की अध्यक्षता में परिवार नियोजन योजनाओं की प्रगति

रांची, संवाददाता

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तहत शुक्रवार को नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में परिवार नियोजन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता राज्य नोडल पदाधिकारी (परिवार नियोजन) डॉ पुष्पा ने की. इसमें विभिन्न जिलों के एसीएमओ, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी और जिला लेखा प्रबंधक शामिल हुए. बैठक में परिवार नियोजन से संबंधित जागरूकता अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई. डॉ पुष्पा ने कहा कि सारथी वैन और सास-बहू-पति सम्मेलनों जैसे स्थानीय माध्यमों का उपयोग कर परिवार नियोजन कार्यक्रमों में तेजी लाई जाएगी. उन्होंने ग्रामीण और वंचित समुदाय तक सभी परिवार नियोजन सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित करने पर जोर दिया. साथ ही अंतरा कार्यक्रम जैसी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि के भुगतान की स्थिति

पर चर्चा की गई. डॉ लाल मांझी ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मियों के प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि वे परिवार नियोजन की विभिन्न विधियों पर सटीक परामर्श दे सकें. उन्होंने FP-LIMS पोर्टल के माध्यम से सेवाओं की ऑनलाइन निगरानी की प्रगति की भी समीक्षा की. राज्य समन्वयक गुंजन खलखो ने कहा कि युवा और किशोर वर्ग में परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता बढ़ाने के विशेष प्रयास किए जाएंगे. समुदाय में परिवार नियोजन को अपनाने के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने पर बल दिया जाएगा. बैठक में सुचन्द्रा पांडा, नवल किशोर यादव, रोहित कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

रांची में धनतेरस को लेकर गुलजार हुआ बाजार, ग्राहकों के रूझान से व्यवसायी खुश

रांची, संवाददाता

धनतेरस को लेकर बाजार सज चुका है. एक से बढ़कर एक पारंपरिक सामान से लेकर अत्याधुनिक सामान, ग्राहकों को लुभा रहे हैं. ऑटोमोबाइल सेक्टर से लेकर सोना चांदी के आभूषण, ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं. इन सब के बीच कुछ ऐसे भी सामान हैं जो पारंपरिक रूप से धनतेरस के मौके पर खरीदे जाते हैं उसे भी व्यवसायी बाजार में लेकर आए हैं.

बाजार में हर तरह का सामान उपलब्ध

एक तरफ महंगी गाड़ियों को खरीदने के लिए लोग पहले से ही बुकिंग करा चुके थे, दूसरी ओर नारियल, झाड़ू को भी बाजार में बड़ी संख्या में केरल और पश्चिम बंगाल से लाया गया है. गौरतलब है कि धनतेरस के दिन झाड़ू खरीदने की परंपरा रही है, जिसे

लोग लक्ष्मी का रूप में मानते हैं. इस साल नारियल झाड़ू की कीमत 50 रुपये से 70 रुपये तक है. फूल झाड़ू की कीमत 80 से 100 रुपये है. धनतेरस पर राज्य भर में ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए इस साल बाजार में रौनक दिख रही है. जीएसटी में कमी की वजह से ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी छूट का फायदा ग्राहक उठाने में रुचि दिखा रहे हैं. इस मौके पर सोने चांदी से बने आभूषण और पीतल के बर्तन की मांग भी महंगाई के बावजूद काफी दिख रही है.

व्यवसायी और झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व उपाध्यक्ष दीनदयाल वर्णवाल कहते हैं कि जिस तरह से मार्केट में रुझान है, उससे लगता है कि इस साल झारखंड में 25 हजार करोड़ का कारोबार धनतेरस के मौके पर होगा. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जीएसटी के दरों में आई कमी की वजह से सामानों के दाम में आई कमी से अप्रत्याशित रूप से बिक्री बढ़ने की संभावना है. उन्होंने आगे बताया कि यह पहला मौका है जब सोना और सेंसेक्स में एक साथ उताव चढ़ाव देखा जा रहा है, जो हमारे देश की मजबूत अर्थव्यवस्था का द्योतक है.

रिम्स निदेशक का सख्त निर्देश, कर्मियों की अवधि विस्तार में देरी पर होगी कार्रवाई

रांची। रिम्स निदेशक प्रो डॉ राज कुमार ने संस्थान के अनुबंध और दैनिक मजदूरी पर कार्यरत कर्मियों की अवधि विस्तार में हो रही देरी पर चिंता जताई है. कई कर्मियों की अवधि विस्तार समय पर नहीं हो पा रही है, जिसके कारण उनका मानदेय और पारिश्रमिक लंबित हो रहा है. निदेशक ने यह भी उल्लेख किया कि अवधि विस्तार नहीं होने के बावजूद कुछ कर्मियों से कार्य लिया जा रहा है, जो Natural Justice के सिद्धांतों के प्रतिकूल है. उन्होंने सभी नियंत्रकों और प्रशासनिक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने स्तर से ऐसी सभी संचिकाओं का निष्पादन निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी कार्यरत कर्मचारी का वेतन या मानदेय लंबित न रहे. प्रो राज कुमार ने स्पष्ट कहा है कि यदि भविष्य में किसी कर्मचारी का मानदेय या वेतन केवल अवधि विस्तार में लापरवाही के कारण लंबित पाया जाता है।

विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने किया न्यू फ्रेंड्स हीरो शोरूम का उद्घाटन

रांची, संवाददाता

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने आज रांची में नवनिर्मित न्यू फ्रेंड्स हीरो टू-व्हीलर शोरूम का उद्घाटन किया. इस अवसर पर शोरूम के प्रोप्राइटर दिनेश अग्रवाल ने ग्राहकों के लिए उपलब्ध विभिन्न स्कीमों, विशेष छूटों एवं आसान फाइनेंस विकल्पों की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि धनतेरस के शुभ अवसर पर दोपहिया वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को कई आकर्षक ऑफर मिलेंगे. रविंद्र नाथ महतो ने उद्घाटन समारोह के दौरान रांची के बढ़ते बाजार और टरटए (माइक्रो, स्मॉल और मीडियम इंटरप्राइजेज) सेक्टर की संभावनाओं पर बात की. उन्होंने कहा जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ रही है वैसे-वैसे मांग भी बढ़ेगी. इससे बड़ी-बड़ी कंपनियां और उद्योगपति यहां निवेश के लिए आकर्षित होंगे. झारखंड की धरती

व्यापार के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाएगी. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड कोई नया औद्योगिक क्षेत्र नहीं है. टाटा जैसे देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह की उपस्थिति पहले से ही राज्य में है और अब रांची भी व्यापार और निवेश के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा. महतो ने छोटे व्यापारियों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा आज एक छोटा प्रोपराइटरशिप व्यवसाय शुरू हुआ है लेकिन यही छोटे व्यापारी भविष्य में बड़े उद्योगों का रास्ता तैयार करेंगे. कई बड़ी कंपनियों ने राज्य सरकार से भूमि मिलने की स्थिति में निवेश की इच्छा भी जताई है।

रांची में कारोबारी पर फायरिंग मामला, छह लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

रांची, संवाददाता

जिले में सीमेंट-छड़ कारोबारी राधेश्याम साहू पर हुई गोलीबारी मामले में रांची पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है. कांड के उद्भेदन के लिए रांची पुलिस की कई टीमें एक साथ काम कर रही हैं.

नेम्ड एफआईआर वाले रडार पर

कारोबारी राधेश्याम साहू पर हुई गोलीबारी मामले में पुलिस की जांच तेज हो गई है. इस मामले में पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है. हिरासत में लिए गए लोगों में जमीन कारोबारी और बिल्डर शामिल हैं. जबकि पकड़े गए लोगों में दो रांची के पुंदाग के बिल्डर-जमीन कारोबारी शामिल हैं. पुलिस की टीम हिरासत में लिए लोगों से लगातार पूछताछ कर रही है. हालांकि. अब तक पुलिस को कोई खास जानकारी नहीं मिली है.

वहीं पुलिस की एक टीम आसपास के जिलों में शूटरों की तलाश के लिए गई है. रांची ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने बताया कि गोलीबारी मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है. मामले के खुलासे के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं. सभी जांच कर रही हैं.

पुरुषोत्तम समेत दो पर बेटे ने दर्ज कराया केस

वहीं, दूसरी तरफ जमीन कारोबारी पर हुए हमले को लेकर उनके बेटे सज्जन कुमार ने नगड़ी थाना में जमीन कारोबारी पुरुषोत्तम कुमार, शशि शेखर समेत अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है. सज्जन की ओर से पुलिस को दिए बयान में कहा गया कि उनके पिता राधेश्याम साहू का जमीन को लेकर पुरुषोत्तम और शशि के साथ विवाद चल रहा था. पुरुषोत्तम के साथ ढाई एकड़ जमीन को लेकर विवाद है. यह मामला न्यायालय में लंबित है. वहीं, दो माह पूर्व पटना निवासी शशि शेखर उनके पिता को फोन पर धमकी भी दी थी और कहा था कि मामले को क्लियर नहीं किया तो जान से मार देंगे. सज्जन ने पुलिस को बताया कि जिस वक्त अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया था, उस वक्त उनके स्टॉफ संजय सिन्हा, नागेन्द्र दुबे और सोमरा उरांव मौके पर मौजूद थे.

बड़ा तालाब लेक रोड का निर्माण चार दिन में ही फेल

रांची, संवाददाता

छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने बीते 4 दिन पहले बड़ा तालाब के पास स्थित लेक रोड का नवनिर्माण कार्य करवाया था. हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु बड़ी तालाब में छठ पूजा करने पहुंचते हैं, इसी को देखते हुए इस सड़क को जल्दबाजी में बनाया गया. लेकिन अब निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं. स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क का निर्माण रातों-रात किया गया और मात्र 4 दिन के भीतर ही सड़क की परतें उखड़ने लगी हैं. सड़क पर इस्तेमाल की गई गिट्टी और अलकतरा अब टिक नहीं पा रहे हैं. कई जगहों पर सड़क इतनी कमजोर है कि लोग उसे हाथों और पैरों से आसानी से उखाड़ दे रहे हैं. स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि ये केवल दिखावे के लिए किया

गया काम है. सड़क पर भारी वाहनों की आवाजाही होती है और अगर इस तरह से सड़क बनाई गई तो ये ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाएगी. रांची की भारी बारिश के बाद यह पूरी तरह बिखर जाएगी. विरोध स्वरूप कुछ लोगों ने खुद अपने हाथों और पैरों से सड़क की परतें उखाड़ कर यह दिखा दिया कि निर्माण कार्य में किस हद तक लापरवाही बरती गई है. उनका आरोप है कि सड़क निर्माण में सही अनुपात में गिट्टी और अलकतरा का इस्तेमाल नहीं किया गया और यह जनता के टैक्स का दुरुपयोग है।

मारवाड़ी कॉलेज बी.एससी के छात्र पवन का चयन एसएपी में 15 लाख रुपये के पैकेज पर

रांची, संवाददाता

मारवाड़ी कॉलेज के बी.एससी के छात्र पवन प्रसाद साहू का चयन विश्वप्रसिद्ध मल्टीनेशनल कंपनी एसएपी (Systems, Applications & Products in Data Processing) में सॉफ्टवेयर डेवलपर की भूमिका के लिए हुआ है. एसएपी अपने उच्च स्तरीय Enterprise Resource Management Tools के लिए जानी जाती है. पवन को कंपनी द्वारा 4.2 लाख रुपये वार्षिक का प्रारंभिक स्टाइपेंड प्रदान किया गया है. इसके साथ ही उन्हें BITS Pilani से M.Tech की पढ़ाई का अवसर भी प्रदान किया गया है, जिसकी व्यवस्था SAP कंपनी स्वयं करेगी. M.Tech पूरा होने के बाद कंपनी में 15 लाख रुपये वार्षिक पैकेज की पेशकश की जाएगी.

चयन प्रक्रिया में कुल चार राउंड शामिल थे

पहला राउंड ऑनलाइन असेसमेंट टेस्ट था, जो 25 सितंबर को आयोजित किया गया था. इसमें लगभग 400 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 11 छात्रों ने यह राउंड क्वालिफाई किया. इसके बाद 10

अक्टूबर को टेक्निकल इंटरव्यू हुआ, जिसमें से 3 छात्रों ने क्वालिफाई किया.अंतिम चरण एच.आर. इंटरव्यू का था, जिसमें से केवल एक छात्र पवन प्रसाद साहू का चयन हुआ. इसका अंतिम परिणाम 16 अक्टूबर को घोषित किया गया. इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार, प्लेसमेंट सेल के कन्वेनर शुभंकर आईएच, डीएसडब्ल्यू डॉ तरुण चक्रवर्ती, कोऑर्डिनेटर डॉ संतोष राजवार, असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर अनुभव चक्रवर्ती, डॉ राजू मांझी एवं अन्य शिक्षकों ने पवन को हार्दिक बधाई दी और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं. प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने कहा कि पवन प्रसाद साहू की यह सफलता न केवल उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि यदि किसी छात्र के प्रोजेक्ट में नवाचार और समर्पण हो तो वह निश्चित रूप से बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकता है. कॉलेज ने हमेशा विद्यार्थियों के नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट्स को प्रोत्साहित किया है और पवन की यह उपलब्धि अन्य छात्रों को भी अपने विचारों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगी. बीएससी (कंप्यूटर साइंस) के कोऑर्डिनेटर डॉ संतोष राजवार ने कहा कि पवन की सफलता कॉलेज के लिए गर्व की बात है. उन्होंने यह साबित किया है कि यदि छात्र कॉलेज द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का सही उपयोग करें, तो वे देश की शीर्ष कंपनियों तक पहुंच सकते हैं. यह उपलब्धि बाकी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है और यह दशार्ती है कि कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास से कोई भी ऊंचाई हासिल की जा सकती है।

सतरंगी लाइट से जगमगाया श्री श्याम मंदिर

रांची, संवाददाता

हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज कार्तिक कृष्ण पक्ष की रंभा एकादशी के अवसर पर मंदिर में भक्तों की लंबी लाइन देखने को मिली।5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों के अलावा ग्यारस में आने वाले श्याम भक्तों की भी काफी संख्या में उपस्थित थी। आरती के बाद मंड के पर्दे लगाकर बाबा श्याम का अनुपम दिव्य श्रृंगार किया गया। अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा को कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए तुलसीदल लाल मुरुगन फूल व्हाइट क्रिस्टनम येलो

क्रिस्टनम की मोटी मोटी मालाओं से सजाया । ग्यारस का दिन श्याम भक्तों के लिए विशेष दिन होता है और हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में दिन प्रतिदिन भक्तों की आस्था और मान्यता बढ़ती जा रही है। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भक्त अपनी अर्जी लेकर अपने आराध्य देव से अपनी अरदास लगाते हैं । जहां एक और भक्त अपनी अर्जी लेकर आए हुए थे और बाबा के चरणों में उसे समर्पित कर रहे थे। एकादशी संकीर्तन का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ । पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू श्रीमती कल्पना मारू ने अपने परिवार के साथ बाबा श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित की । अखंड ज्योति में केसरिया पेडा पंचमेवा फल गिरीगोला रबड़ी एवं मगही पान का भोग लगाकर परिवार ने अपनी खुशहाली की प्रार्थना की। संकीर्तन कार्यक्रम गणेश वंदना से प्रारंभ हुआ । मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया ने गणेश वंदना श्याम सुंदर शर्मा ने गुरु वंदना राजेश चौधरी ने हनुमान जी की वंदना प्रवीण अग्रवाल ने भोलेनाथ जी की वंदना सलज अग्रवाल ने रानी सती दादी जी की वंदना एवं बाबा श्याम की वंदना महामंत्री गौरव अग्रवाल ने कि । इसके बाद मंदिर के अन्य श्याम भक्तों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। मंडल के मंत्री विष्णु चौधरी एवं उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया ने ग्यारस पूजन एवं ज्योत की सभी तैयारियां पूरी करवाई। मारू परिवार एवं आए हुए श्याम भक्तों को ज्योत दिलाने का कार्य भी करवाया । अखंड ज्योत प्रज्वलित होने के बाद आए हुए भक्तों के बीच प्रसाद वितरण निरंतर रात्रि आरती के बाद तक किया जा रहा था। मंडल के उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां महामंत्री गौरव अग्रवाल एवं मंत्री पंकज गाड़ोदिया ने प्रसाद वितरण का कार्य अन्य सहयोगियों के साथ सम्पन्न किया। विशेष श्रृंगार की मुकेश सिंघानिया के परिवार ने रबड़ी प्रसाद सेवा अन्नपूर्णा सरावगी केसरिया पेडा सचिदानंद लाल कुमुद अग्रवाल खुशबू गर्ग पंचमेवा भोग सेवा एक श्याम भक्त मगही पान सेवा सुभाष रौनक पोद्दार मुकेश बरनवाल फल प्रसाद एक श्याम भक्त गिरीगोला सेवा मुकेश मित्तल नवीन पोशाक सेवा मुकेश सिंघानिया द्वारा निवेदित की गई थी।

20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2025 के समापन समारोह में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन

चुनौती के इस दौर में पुलिस को दक्ष होना जरूरी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में आयोजित पुलिस के तकनीकी अनुसंधान तथा क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न पुलिस स्पधाओं में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया

संवाददाता । रांची

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज जैप-1 ग्राउंड डोरंडा रांची में आयोजित 20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट- 2025 के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस विभाग किसी भी राज्य की रीढ़ होती है। पुलिस विभाग की जिम्मेवारी वर्तमान समय में चुनौतियों से भरा है। राज्य में जैसे-जैसे विकास के आयाम आगे बढ़ते हैं पुलिस की चुनौतियां भी बढ़ती चली जाती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तकनीकी युग में हमारे पुलिस के जवान किस प्रकार अधिक से अधिक दक्षता हासिल करें यह अत्यंत जरूरी है। आज हमारी सरकार राज्य के पुलिस महकमें को ज्यादा से ज्यादा दक्ष बनाने की जिम्मेदारी को पूरा करने का हरसंभव प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि मैं उन सभी प्रतिभागियों एवं टीमों को बधाई देता हूं जिन्होंने इस प्रतियोगिता में अपने-अपने क्षेत्र में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए हैं। साथ ही उन्हें भी मेरी हार्दिक बधाई जिन्होंने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेकर ईमानदारी पूर्वक प्रयास करना सबसे बड़ी बात है, इसके अतिरिक्त तीन उत्कृष्ट अनुसंधानकताओं को भी पुरस्कृत किया गया है उन्हें भी मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि 20वीं झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट-2025 के प्रतिभागियों से अपेक्षा है कि प्रतियोगिता में भाग लेकर आपने जो भी ज्ञानार्जन किया है, उसका प्रयोग अपने-अपने कार्यक्षेत्र में जाकर करेंगे। साथ ही मुझे उन चयनित प्रतिभागियों से पूर्ण आशा है कि वे अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट-2025 में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड प्रदेश को गौरवान्वित करेंगे।इस अवसर पर डीजीपी श्री अनुराग गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक ए०सी०बी० श्रीमती प्रिया दूबे, पुलिस महानिरीक्षक अपराध अनुसंधान श्री मनोज कौशिक, पुलिस विभाग के वरीय एवं कनीय पदाधिकारीगण सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

ब्रीफ न्यूज

जयपुर रत्न भंडार प्राइवेट लिमिटेड का विधिवत उदघाटन

संवाददाता । रांची

रांची : जयपुर रत्न भंडार प्राइवेट लिमिटेड,रांची महिला कॉलेज आर्ट्स ब्लॉक के सामने, सर्कुलर रोड लालपुर रांची का विधिवत उद्घाटन झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने फीता काट कर किया. इस मौके पर बोलते हुए मुख्य अतिथि अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि जयपुर रत्न जेम्स एंड ज्वेलरी खुलने से ग्राहकों को यहां आधुनिक और अच्छी किस्म के ज्वैलरी आसानी से उपलब्ध होंगे,उन्होंने संचालक दीपक कुमार गुप्ता को शुभकामनाएं दी.इस मौके पर संचालक दीपक कुमार गुप्ता नें कहा की हमारे यहाँ पुराने सोने के गहने भी खरीदे जाते है,नवीनतम आभूषण संग्रह,ग्रहरत्नों का हॉलसेल रेट में खुदरा बिक्री की जाती है. हमारे यहाँ डायमंड,पन्ना,पीला नीलम, रूबी, पन्ना मोती,नीलमणि,बिल्ली की आँख हेसोनाइट जेम्स और ज्वेलरी में सबसे सस्ता और अच्छी क्वालिटी का उपलब्ध है. हमारी विशेषताएं 100% प्रमाणित रत्न,मूल बिल,80% से 90% कैश बैक (शुद्ध रत्नों में),शुद्ध रत्नों की गारंटी,पुराने रत्नों की खरीद की जाती है. हमारे यहां उच्च गुणवत्ता वाले ज्योतिषीय परामर्श ज्योतिष एवं तांत्रिक : जयन्त जी ज्योतिषाचार्य पाराशर योगेश (योगी जी) उपलब्ध है. 100% हॉलमार्क सोने की विशाल रेंज और सोने के गहनों पर 0 से 50% मेकिंग चार्ज चांदी के गहनों पर मेकिंग चार्ज फ्री है. रांची में स्थित जयपुर रत्न मंदिर, प्रीमियम ब्राइडल ज्वेलरी के लिए एक विश्वसनीय नाम है, जो हस्तनिर्मित सोने, हीरे और ग्राहकों के लिए का एक असाधारण संग्रह प्रस्तुत करता है।जटिल ब्राइडल सेट से लेकर आपकी शादी की पोशाक से मेल खाते गहनों तक, वे सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक आभूषण एक पौष्टिक विरासत बन जाए।वे शाही विवाह स्थलों सहित पूरे भारत में ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करते हैं. इस मौके पर नीलम सरावगी समेत कई लोग मौजूद थे.

घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री बाबूलाल सोरेन ने नामांकन दाखिल किया।

संवाददाता । रांची

रांची : इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री चंपई सोरेन, आजसू अध्यक्ष श्री सुदेश महतो, भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री आदित्य साहू, विधायक श्री सरयू राय समेत भाजपा परिवार के कई साथी मौजूद रहे।

घाटशिला में नामांकन करते इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी

5वीं इंडियन ओपन अंडर 23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सदानंद एवं रोशन को रजत पदक

संवाददाता । रांची

एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली एवं तेलंगाना एथलेटिक्स संघ द्वारा आगामी 15 से 18 अक्टूबर तक जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम,हनुमकोंडा , वारंगल ,तेलंगाना में हो रही 5वीं इंडियन ओपन अंडर 23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में (हजारीबाग)के सदानंद कुमार ने 100 मीटर रेस में 10.56 सेकेण्ड एवं 20 किलो मीटर रेस वॉक में (बोकारो भाटिया अकादमी के पूर्व प्रशिक्षु) रौशन कुमार ने 1:28.13 का समय के साथ रजत पदक जीता।

इस उपलब्धि पर राज्य के एथलीटों को खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, सचिव श्री मनोज कुमार,खेल निदेशक श्री शेखर जमुआर, झारखंड एथलेटिक्स संघ प्लानिंग कमिटी के चेयरमेन डॉ मधुकांत पाठक, जे.ए.ए.अध्यक्ष सी डी सिंह, सचिव एस के पांडे, प्रभाकर वर्मा, अजीत साहू, कोच विनोद सिंह,आशु भाटिया, अरबिंद कुमार, बिनोद कुमार,योगेश यादव, प्रभात तिवारी,समेत संघ के पदाधिकारियों ने राज्य के एथलीटों को बधाई दी ।

मांडर में नए थाना प्रभारी मनोज करमाली का स्वागत, लोगों ने जताया सहयोग का भरोसा

संवाददाता । रांची

मांडर : मांडर थाना के नए थाना प्रभारी मनोज करमाली का स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्य मंडली मुर्शीद अमीरी, बुढमू प्रखण्ड के मीडिया प्रभारी शाहबाज खान, मांडर प्रखंड के कांग्रेस (अध्यक्ष पद के प्रत्याशी) मांडर व पूर्व उपाअध्यक्ष आजाद अंसारी, इरफान अंसारी, रफीक अंसारी,सुहैल , मांडर कॉलेज के अध्यक्ष हमजा और माज अंसारी अतीक ने थाना प्रभारी को बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया।इस मौके पर सभी ने मांडर क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में नए थाना प्रभारी के साथ सहयोग का भरोसा दिलाया।थाना प्रभारी मनोज करमाली ने भी कहा कि क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी और जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

झारखंड ने किया 43ँ साउथ एशियन एथलेटिक्स सीनियर चैंपियनशिप 2025 का लोगो , मैस्कॉट और एंथम लॉन्च

संवाददाता । रांची

रांचीः रांची । 24 से 26 अक्टूबर 2025 तक होने वाली चौथी साउथ एशियन एथलेटिक्स (रअअऋ) सीनियर चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। इस अवसर पर आज राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत प्राकृतिक विविधता और खेल जगत में बढ़ती पहचान का उत्सव मनाते हुए, प्रतियोगिता का आधिकारिक लोगो, मैस्कॉट और एंथम समारोह में अनावरण किया गया।लोगो की प्रेरणा रअअऋका लोगो झारखंड की आत्मा और खेल भावना का संगम है 'दी लैंड ऑफ स्पोर्ट्स, कल्चर, और नेचर । इसमें राज्य की पारंपरिक जनजातीय कला, प्रतीक चिन्हों और प्राकृतिक धरोहर जैसे राज्य पक्षी, पेड, पुष्प, पशु एवं भौगोलिक स्वरूप की झलक दिखाई देती है। हरे रंग की आभा कुमारखंड के घने वनों और पारिस्थितिक समृ ?द्धि का प्रतीक है । जो जंगल की आत्मा को दशार्ती है । वह आत्मा जी यहाँ के लोगों में जीवित है। यह लोगी एथलेटिक ऊर्जा और सांस्कृतिक अस्मिता का अद् ?भुत मिश्रण है,

रामरेखा महोत्सव में शामिल होने के लिए सिमडेगा डीसी कंचन सिंह ने मुख्यमंत्री को दिया निमंत्रण

संवाददाता । रांची

रांची : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर आगामी 4, 5 और 6 नवंबर को आयोजित होने वाले रामरेखा महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर इसका शुभारंभ करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री से हुई भेंट के दौरान उपायुक्त ने बताया कि रामरेखा धाम, सिमडेगा जिले का एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाला स्थल है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस महोत्सव को राज्य स्तर पर विशेष पहचान दिलाई जाए और उनकी उपस्थिति से आयोजन को नई ऊंचाई मिले। महोत्सव के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी और आमजन की भागीदारी से जुड़े विविध आयोजन प्रस्तावित हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस पहल की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

रॉची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम द्वारा चडरी तालाब के बाउंड्री वॉल एवं आसपास के क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान तालाब के बाउंड्री वॉल में किए गए सभी अस्थायी निर्माण एवं अतिक्रमण को तोड़कर हटाया गया। साथ ही संबंधित अतिक्रमणकारियों को भविष्य में पुनः अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी भी दी गई।

रांची//कारोबारी राधेश्याम साहू पर फायरिंग मामले में आधा दर्जन संदिग्ध हिरासत में, पुलिस की जांच जारी

संवाददाता । रांची

रांची:सीमेंट और छड़ व्यवसाय से जुड़े राधेश्याम साहू पर हुई फायरिंग की घटना को लेकर रांची पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस मामले में पुलिस ने करीब आधा दर्जन लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है, जिनमें दो बिल्डर और जमीन कारोबारी भी शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक हिरासत में लिए गए संदिग्धों में रांची के पुंदाग क्षेत्र से जुड़े दो बिल्डर और जमीन कारोबारी शामिल हैं। पुलिस की कई टीमें इस मामले के उद्भेदन में जुटी हुई हैं और हिरासत में लिए गए लोगों से लगातार पूछताछ की जा रही है। हालांकि, फिलहाल पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है।

इस बीच, पुलिस की एक टीम आसपास के जिलों में शूटरों की तलाश में भी भेजी गई है, ताकि हमले में शामिल अपराधियों तक पहुंचा जा सके।

परिवार की ओर से एफआईआर दर्ज, जमीन विवाद को बताया कारण

वहीं, घटना के बाद पीड़ित कारोबारी राधेश्याम साहू के बेटे सज्जन कुमार ने नगड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एफआईआर में सज्जन ने पुरुषोत्तम कुमार और शशि शेखर समेत कुछ अज्ञात व्यक्तियों पर उनके पिता पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है। सज्जन कुमार के अनुसार, उनके पिता का पुरुषोत्तम कुमार के साथ ढाई एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है, जो

चान्हो में नए थाना प्रभारी टिंकू रजक ने पदभार ग्रहण किया

रमीज राजा झारखंड मुक्ति मोर्चा चान्हो प्रखण्ड के उपाध्यक्ष) ने किया स्वागत

चान्हो : चान्हो थाना के नए थाना प्रभारी टिंकू रजक ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद स्थानीय लोगों और प्रतिनिधियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा चान्हो प्रखंड के उपाध्यक्ष रमीज राजा ने थाना प्रभारी टिंकू रजक का बुके देकर स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने आशा जताई कि नए थाना प्रभारी के नेतृत्व में क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी ।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मिला

संवाददाता । रांची

- सम्मान पेंशन देने के लिए गंभीर के लिए सरकार गंभीर : किशोर
- 6 नवंबर को आंदोलनकारियों का सम्मेलन नेतरहाट में,मंत्री आमंत्रित

रांची :रांचीः झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर के अशोक नगर स्थित उनके आवास में मिले. प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर उन्हें राज्य सरकार के द्वारा झारखंड आंदोलनकारियों के आश्रितों को 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किए जाने के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिए. साथ ही 6 नवंबर 2025 को नेतरहाट में आयोजित झारखंड आंदोलनकारियों , किसानों व विस्थापितों के सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेने हेतु आमंत्रण पत्र सौंपे.प्रतिनिधि मंडल में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ,संरक्षक शशि भूषण राय, दक्षिणी छोटा नागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की, प्रभारी अनथन लकड़ा, रांची जिला अध्यक्ष सुबोध लकड़ा,शैलेंद्र शर्मा , प्रकाश एक्का, प्रमुख थे.मौके पर प्रतिनिधि मंडल के साथ बातचीत करते हुए वित मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड आंदोलनकारी को राजकीय मान सम्मान, रोजी - रोजगार, नियोजन तथा सम्मान पेंशन देने के लिए गंभीर है. वर्तमान में जो 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया गया है यह सरकार की प्रतिबद्धता है. कैबिनेट के माध्यम से मेरे संज्ञान में झारखंड आंदोलनकारियों के पुत्र पुत्री आश्रितों को तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के नौकरियों में नियुक्ति के लिए 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का मामला आया तो मैं फौरन ही अपनी ओर से कैबिनेट मंत्री की हैसियत से मंजूरी देने का काम किया. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा आंदोलनकारियों के लिए अलग से एक कॉलम की भी व्यवस्था की गई है. यह व्यवस्था झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा प्रत्येक नियुक्ति में होगी. उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलनकारी को सम्मान पर पेंशन की राशि भी देने का काम सरकार करेगी इसकी भी तैयारी चल रही है.

सर सैयद अहमद खान: आधुनिक मुस्लिम पहचान के निमार्ता और दूरदर्शी नेता

संवाददाता । रांची

सर सैयद अहमद खान (1817झ1898) भारत के इतिहास के सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक थे। वे सुधार के पहले समर्थकों में से थे जिन्होंने मुसलमानों के सामाजिक, शैक्षिक और बौद्धिक उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित किया। वे एक न्यायाधीश, शिक्षक, लेखक और दार्शनिक थे। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद, जब भारतीय मुसलमान बुरी तरह से पिछड़ गए और अंग्रेजी हुकूमत के सामने असहाय हो गए, तब सर सैयद ने मुसलमानों को आधुनिक शिक्षा की ओर ले जाने का बीड़ा उठाया। उनका मानना था कि मुसलमान अगर आधुनिक विज्ञान और ज्ञान को अपनाएँ और अपने मजहबी मूल्यों के साथ तालमेल बनाए रखें, तो उनका भविष्य सुरक्षित रहेगा।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

सर सैयद का जन्म दिल्ली में एक ऐसे परिवार में हुआ जो मुगल दरबार से जुड़ा हुआ था। उन्होंने पारंपरिक इस्लामी शिक्षा के साथ-साथ अंग्रेजी शासन की बदलती परिस्थितियों को भी समझा। उन्होंने अपने करियर की शुरूआत ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के न्याय विभाग में की।

1857 की क्रांति ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। उन्होंने इस आंदोलन में अंग्रेजों का साथ दिया, लेकिन इस

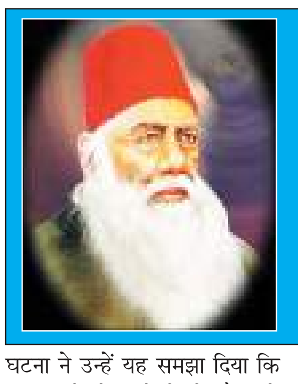

घटना ने उन्हें यह समझा दिया कि मुसलमानों को अपने सोचने और जीने के तरीके बदलने होंगे।

उन्होंने अपनी प्रसिद्ध किताब ₹असबाब-ए-बगावत-ए-हिंद₹ में यह लिखा कि 1857 की बगावत अंग्रेजों की गलत नीतियों का परिणाम थी, न कि किसी साज़िश का हिस्सा। इस किताब से उनकी हिम्मत और सोच दोनों का पता चलता है। उनका मानना था कि मुसलमानों की कमजोरी सिर्फ. अंग्रेजों की ताकत नहीं, बल्कि उनकी खुद की नालायकी और पुरानी सोच भी है।

शैक्षिक सुधार और अलीगढ़ आंदोलन

सर सैयद के सुधारों की बुनियाद शिक्षा थी। वे मानते थे कि इस्लाम और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे को पूरा करते हैं। उन्होंने मुसलमानों में आधुनिक शिक्षा के महत्व को समझाने के लिए 1858 में मुरादाबाद और 1863 में गाजीपुर में स्कूल खोले।

1863 में उन्होंने साइंटिफिक सोसाइटी बनाई, जिसका मकसद था अंग्रेजी किताबों और वैज्ञानिक ज्ञान को भारतीय भाषाओं में अनुवाद करके लोगों तक पहुँचाना।1869झ70 में इंग्लैंड की यात्रा के दौरान उन्होंने ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय देखे और निश्चय किया कि भारत में भी मुसलमानों के लिए एक ह्लमुस्लिम कैम्ब्रिजह्व बनाना चाहिए। 1875 में उन्होंने मुहम्मदन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज (टअड उङ्क' ी) की स्थापना की, जो आगे चलकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (अटव) बना। उन्होंने इसे एक ऐसा संस्थान बनाया जहाँ इस्लामी मूल्यों के साथ आधुनिक शिक्षा दी जाए।

1886 में उन्होंने ऑल इंडिया मुहम्मदन एजुकेशनल कॉन्फ्रेंस की स्थापना की, जिससे मुसलमानों में शिक्षा का माहौल फैला।

जिला के पुलिस कर्मियों के कल्याण को लेकर पुलिस सभा का आयोजन

पुलिस कप्तान ने पुलिस कर्मियों से कहा कि अपने ड्यूटी में मुस्तैद रहें, स्वस्थ पर ध्यान दें और पब्लिक के साथ अच्छा व्यवहार करें समस्या हो तो मेरे पास आने का काम करें

रामगढ़, संवाददाता

शुक्रवार को श्री अजय कुमार (भा०पु०से०) पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा पुलिस पदाधिकारी / कर्मियों के कल्याण कार्य हेतु पुलिस केन्द्र, रामगढ़ में पुलिस सभा का आयोजन किया गया। पुलिस समा का संचालन परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, रामगढ़ के द्वारा पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ की अध्यक्षता में किया गया। पुलिस सभा में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पतरातू / रामगढ़, पुलिस उपाधीक्षक (मु०), रामगढ़, परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक, सभी पुलिस निरीक्षक, सभी थाना/ओ०पी० प्रभारी, पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, हवलदार, आरक्षी एवं चतुर्थवर्गीय कर्मी तथा पुलिस एसोसिएशन शाखा रामगढ़/पुलिस मेन्स एसोसिएशन शाखा रामगढ़ के पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। पुलिस सभा में उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों एवं एसोसिएशन के द्वारा अपने/पुलिस कर्मियों से संबंधित समस्याओं को एक-एक कर पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के समक्ष रखा गया, जिसमें 1. सी०एन०ओ० में प्रतिनियुक्त स०अ०नि० सुखलाल राम, महिला थाना जिनका सेवाअवधि 06 माह शेष है को सी०एन०ओ० से किसी अन्य स्थान पर प्रतिनियुक्त करने हेतु अनुरोध किया गया 2. बाहर से आने वाले पदाधिकारी के ठहरने के लिए अलग से कमरे की व्यवस्था की जाय, 3. महिला थाना प्रभारी के द्वारा महिला के काउन्सलिंग हेतु एक सेड का निर्माण, 5. बरलंगा थाना प्रभारी के द्वारा बरलंगा थाना का रंगाई-पोताई और छत की मरम्मती हेतु, 6. वे०बो० ओ०पी० प्रभारी के द्वारा एक कम्प्यूटर ऑपरेटर का मांग किया गया 7. गोला थाना प्रभारी के द्वारा सी०सी०टी०एन०एस० का कम्प्यूटर नया उपलब्ध कराने और गोला थाना का बाउंड्रीवाल मरम्मती कराने हेतु, ४. गोला थाना प्रभारी के द्वारा डी०भी०सी० चौक पर ट्राफिक के सुचारू रूप से चलाने हेतु ट्रॉपिक पुलिस की आवश्यकता बताया गया, 9. पी०सी० सेक्शन के द्वारा बताया गया कि पी०सी० सेक्शन में गोदरेज, कम्प्यूटर की आवश्यकता है. 10. पुलिस लाईन में बाथरूम की मरम्मती एवं फॉगिंग की व्यवस्था करने हेतु, 11. मेस में 01 अतिरिक्त सेनटैक्स की आवश्यकता है, जैसी समस्याओं को रखा गया। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा सर्वप्रथम रामगढ़ जिले के सभी पुलिस पदाधिकारी/पुलिस कर्मियों को दुगार्पूजा शांतिपूर्ण सम्पन्न होने को लेकर बधाई दिया और सभी को एक-एक सुसेवांक से पुरस्कृत करने हेतु गोपनीय प्रयाचक को निर्देशित किया गया। तदोपरांत पुलिस सभा में उठाये गये समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा पुलिस सभा के दौरान हीं समस्याओं के निदान हेतु परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, रामगढ़ पु०नि०-सह-थाना प्रभारी, यातायात थाना एवं गोपनीय प्रवाचक को निर्देशित किया गया है, साथ ही निम्नांकित निर्देश दिये गये 1. परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, रामगढ़ एवं सभी थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि थाना में आने वाले आमजनता के बैठने एवं पिने के पानी की व्यवस्था करने, आमजनता के द्वारा किसी भी तरह का आवेदन देने पर उसकी जाँच करते हुए प्राथमिकी दर्ज करने/आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। 2. पुलिस कर्मियों में किसी भी तरह का मतभेदन होने पर पुलिस अधीक्षक, रामगढ़, पुलिस उपाधीक्षकों, परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, रामगढ़ को बताये। 3. प्रत्येक सोमवार को थाना/प्रतिष्ठानों में परेड का आयोजन कर फोटो को ग्रुप में भजना सुनिश्चित करेंगे। इससे पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों का डिसपिलीन एवं ट्रन आउट अच्छा होगा। 4. एसोसिएशन के समक्ष अनियमितता से संबंधित किसी भी तरह का मामला आने पर पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ को बताये। 5. किसी भी तरह की समस्या व्यक्तिगत हो या सामुहिक अपने नियंत्री पदाधिकारी या पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ को अवगत करायें 6. अपने कर्तव्य का निर्वाहन पूरे मनोयोग से करें। 7. सभी थाना/ओ०पी० प्रभारी रात्रि में किसी व्यक्ति, महिला, बुजुर्ग, बच्ची को अकेले देखने उपर उनको उनके गंतव्य स्थल तक सुरक्षित पहुँचाना सुनिश्चित करें। गश्ती के दौरान वाहन का हुटर बजाते रहे और भ्रमणशील रहे, अलर्ट रहकर गश्ती करें। 8. सभी थाना/ओ०पी० प्रभारी एवं पुलिस केन्द्र, रामगढ़ अपने-अपने थाना / प्रतिष्ठान में फटीक करवायें और साफ-सुथरा रखें। 9. सभी पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस निरीक्षक, थाना / ओ०पी० अपने नीचे के पुलिस पदाधिकारी/कर्मियों के द्वारा कोई समस्या बताते है तो उसका निराकरण करें। 10. अगामी दिपावली और छठ पर्व को लेकर शुभकामनाएँ दिया गया और अच्छे से डियूटी करने का निर्देश दिया गया। अंत में पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों को मुस्तैदी से डियूटी करने, पब्लिक के साथ अच्छा व्यवहार करने, अपने स्वास्थ का ध्यान रखने तथा किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर मिलकर अवगत कराने हेतु कहा गया ताकि ससमय समस्याओं का निराकरण किया जा सकें। सदर हॉस्पीटल, रामगढ़ के द्वारा से मेडिकल कैम्प सह रक्तदान जीवनदान शिविर पुलिस केन्द्र, रामगढ़ में लगाया गया। जिसमें रामगढ़ जिला के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए रक्तदान शिविर को सफल बनाने हेतु सहयोग किये। मेडिकल कैम्प सह रक्तदान जीवनदान शिविर में डॉ उदय श्रीवास्तव, डॉ निशात अहमद, डॉ डोली, डॉ राजेश एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे। सदर हॉस्पीटल, रामगढ़ के द्वारा मेडिकल कैम्प सह रक्तदान जीवनदान शिविर में कुल 22 पुलिस कर्मियों के द्वारा रक्तदान किय गया जिसके माध्यम से कुल 22 यूनिट रक्त इक्ट्ठा किया गया, जिसका उपयोग थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और गंभीर एनीमिया जैसे बीमारियों एवं अन्य वैसे मरीज जिनको रक्त की आवश्यक के लिये किया जाता है। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ एवं सदर हॉस्पीटल चिकित्सक के द्वारा सभी रक्तदान करने पदाधिकारियों/कर्मियों को प्रमाण पत्र, कलम एवं चाबी रिंग दिया गया तथा पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के करने वाले पुलिस पदाधिकारियों / कर्मियों का मनोबल बढ़ाये रखने हेतु सभी को एक-एक सुसेवांक से गया।

व्हाट्सऐप पर मां दुर्गा के खिलाफ अभद्र पोस्ट, अधिवक्ता ने प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की

बोकारो, संवाददाता

शहर में एक गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ एक व्हाट्सऐप ग्रुप में हिन्दू देवी माँ दुर्गा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी किए जाने से धार्मिक भावना भड़क गई। बोकारो सिविल कोर्ट के अधिवक्ता मृत्युंजय मल्लिक ने सिटी थाना में लिखित आवेदन देकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मल्लिक ने शिकायत में बताया कि अम्बेडकर वादी अधिवक्ता संघ नामक व्हाट्सऐप ग्रुप का संचालन अशोक महतो (मोबाइल नंबर 9142600652) और एक अज्ञात व्यक्ति (मोबाइल नंबर 7209735337) द्वारा किया जाता है।

3 अक्टूबर 2025 की रात 8:03 बजे, अशोक महतो ने ग्रुप में ऐसा आपत्तिजनक पोस्ट साझा किया जिसमें माँ दुर्गा का अपमान करते हुए उनका तुलनात्मक रूप से अभद्र और अमर्यादित वर्णन किया गया। शिकायतकर्ता ने कहा कि यह कृत्य जानबूझकर हिन्दू धर्म की भावना को ठेस पहुँचाने, धार्मिक उन्माद फैलाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने अशोक महतो द्वारा किए गए पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी साक्ष्य के रूप में संलग्न किया। अधिवक्ता मल्लिक ने पुलिस से अनुरोध किया है कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 196 और 299 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए। इस घटना के बाद शहर के बुद्धिजीवी वर्ग, अधिवक्ता संघ और धार्मिक संगठनों में तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी।

चिन्मय विद्यालय में ज्ञान-विज्ञान मेला 2025 का भव्य आयोजन

बोकारो : चिन्मय विद्यालय, बोकारो में ज्ञान–विज्ञान मेला 2025 का शानदार आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्री–नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के 400 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी कला–कौशल और इनोवेशन आइडिया से सभी को प्रेरित किया। मेले की शुरूआत गणमान्य अतिथियों द्वारा मंत्रोच्चारण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चिन्मय मिशन, बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती उपस्थित रहीं। साथ ही विद्यालय के अध्यक्ष बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी और हेडमास्टर गोपाल चंद्र मुंशी भी मौजूद थे। स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ‟समावेशी विकास चिन्मय विद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता है।” उन्होंने कहा कि शिक्षक जो ज्ञान देते हैं, वही बुद्धि का आधार बनता है और विज्ञान के साथ मिलकर जीवन को दिशा देता है। मेले में कुल 26 स्टॉल लगाए गए, जिनमें विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्पोट्र्स विभाग और एआई विभाग के मॉडल्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यालय के सचिव श्री महेश त्रिपाठी ने कहा कि ‟ज्ञान–विज्ञान मेला विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच का उत्सव है।” उन्होंने सभी प्रतिभागियों और शिक्षकों को बधाई दी तथा अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यालय परिसर पूरे दिन उत्साह, नवाचार और रचनात्मक ऊर्जा से भरा रहा।

भूषण +2 उच्च विद्यालय नावाडीह में कौशल प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी का आयोजन

बेरमो, संवाददाता

भूषण +2 उच्च विद्यालय नावाडीह में कौशल प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, नवाचार और तकनीकी कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम विद्यालय के व्यावसायिक शिक्षक गौरव कुमार रायचंद (आईटी/आईटीईएस विभाग), विजय कुमार (मीडिया एंड एंटरटेनमेंट) तथा महेश कुमार (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर) के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यावहारिक शिक्षा एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित करना था। आईटी विभाग में 200 से अधिक विद्यार्थियों के नामांकन में से कई विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में कक्षा नवम के खुशी एवं टीम, (विजेता) दशम के मानसी एवं टीम ,11वीं के पल्लवी एवं टीम ,12वीं के सजदा एवं टीम विजेता रहें सभी विजेता टीमों को जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता के लिए नामांकित किया गया है । सजदा एवं टीम (कक्षा 12वीं) को प्रोजेक्ट ऑल इन वन अटेंडेंस सिस्टम विशेष रूप से सराहा गया। यह प्रणाली फेशियल रिकग्निशन (चेहरा पहचान) तकनीक पर आधारित है, जिसके माध्यम से छात्र के विद्यालय में प्रवेश करते ही उपस्थिति स्वतः दर्ज हो जाती है और अभिभावक के मोबाइल पर सूचना भेजी जाती है। यह आधुनिक तकनीक का उत्कृष्ट उदाहरण है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नावाडीह प्रखंड के बीआरपी चमन लाल जोशी एवं सीआरपी उपेंद्र पंडित रहे , जिन्होंने विद्यार्थियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे नवाचारी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाचार्य सुनील सुमन के नेतृत्व में हुआ, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से यह आयोजन सफल हुआ। विशेष आभार वरिष्ठ शिक्षक अखिलेश सिंह का रहा जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।साथ ही अभिषेक सिंह (आईसीटी प्रशिक्षक) का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने तकनीकी और संगठनात्मक सहयोग देकर पूरे कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सहायता की। मौके पर शिक्षक ललन झा, सुकुमार, अभिलाषा, छत्रबली पंडित,भोला कुमार, अरविंद महतो, राजेश यादव, भागीरथ महतो, टंकेश्वर कुम्हार, रामवृक्ष कुमार आदि मौजूद थे।

बिस्टुपुर डीसी लाउंच में तोड़फोड़ का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

जमशेदपुर, संवाददाता

13 अक्टूबर की संध्या बिस्टुपुर थाना अंतर्गत रामदाम भट्टा स्थित डीसी लाउंज में हुए तोड़फोड़ मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान रामदास भट्टा ग्वाला बस्ती रोड नंबर 5 निवासी मो. मुस्ताक गद्दी के रुप में हुई है। साथ ही पुलिस ने उसकी निशानदेही पर तोड़फोड़ में प्रयुक्त लोहे का रड भी बरामद किया है। मामले का खुलासा शुक्रवार पुलिस ऑफिस में एसपी सिटी कुमार शिवाशीष ने प्रेसवार्ता में किया।

मौके पर डीएसपी सीसीआर मनोज ठाकुर और थाना प्रभारी आलोक दुबे समेत अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। वार्ता में एसपी ने बताया कि मामले में कार्रवाई के लिए एसएसपी के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया गया था। जिसका नेतृत्व डीएसपी सीसीआर रह रहे थे। वहीं अनुसंधान के क्रम में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आगे उन्होंने मामले में बताया कि मो. मुस्ताक के भतीजे के साथ कुछ लोगों ने साकची में मारपीट की थी। जिसमें एक युवक डीसी लाउंज के संचालक का रिश्तेदार था। इसी आक्रोश में आकर उसने बिस्टुपुर स्थित डीसी लाउंज को टारगेट करते हुए तोड़फोड़ की। इस घटना में बिस्टुपुर और साकची थाने में दो अन्य मामले भी दर्ज किया गया है। जिसका अनुसंधान किया जा रहा है। फिलहाल आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

नकली शराब फैक्ट्री में उत्पाद विभाग ने की छापेमारी, 800 लीटर स्प्रिट और 50 पेटी शराब जब्त

कतरास, संवाददाता

तेतुलमारी थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलाटाँड़ में चल रहे मिनी शराब फैक्ट्री में शुक्रवार को उत्पाद विभाग ने छापेमारी कर नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। दीपावली से ठीक पहले उत्पाद विभाग को न केवल एक बड़ी सफलता मिली है बल्कि अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप भी मचा है। विभाग की टीम ने तेतुलमारी थाना क्षेत्र के तिलाटाँड़ से दिनेश टुडू के घर से करीब 800 लीटर कच्चा स्प्रिट, पंचिंग मशीन, नकली रैपर, खाली बोतल, ढक्कन, टंकी सहित कई अन्य सामग्री जब्त की है। वहीं सोनारडीह स्थित सुरज महतो के आवास से करीब 50 पेटी नकली शराब जब्त की गई है।

उत्पाद विभाग के अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तिलाटांड और सोनारडीह इलाके में बड़े पैमाने पर अवैध शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर दोनों जगह छापामारी की गई। छापेमारी के दौरान तीलाटांड स्थित दिनेश टुडू के घर पर संचालित मिनी फैक्ट्री से करीब 800 लीटर कच्चा स्प्रिट, पंचिंग मशीन, नकली रैपर, खाली बोतल, ढक्कन, टंकी सहित कई अन्य सामग्री जब्त की गई। अवैध फैक्ट्री में रॉयल स्टैग, ब्लेंडर्स प्राइड, सिग्नेचर और मैकडॉनल्ड जैसे नामी ब्रांड की नकली शराब तैयार की जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि यह शराब धनबाद के विभिन्न इलाकों में खपाने की योजना थी। जब्त की गई नकली शराब और कच्चे माल का बाजार मूल्य करीब 25 लाख रुपये आंका गया है। उत्पाद विभाग ने बताया कि दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए शराब माफियाओं के खिलाफ अभियान तेज किया गया है।

कुटुम्बश्री संस्थान के सी. ओ. ओ. ने उपायुक्त से की मुलाकात

धनबाद, संवाददाता

अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित लोगों के लिए रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करने हेतु स्वयं सहायता समूह के सशक्तिकरण पर हुई विस्तृत चर्चा। कुटुम्बश्री संस्थान के सी. ओ. ओ. प्रशांत एम० पी० एवं उनके दो सहयोगियों ने आज समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन से मुलाकात की। इससे पूर्व कुटुम्बश्री संस्थान के उडड प्रशांत एम० पी० एवं उनके दो सहयोगियों द्वारा धनबाद के विभिन्न जगहों का भ्रमण किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित लोगों के लिए रोजगार की संभावनाओं को अन्वेषण करना था। भ्रमण के दौरान अग्नि प्रभावित क्षेत्र एवं बेलगड़िया विस्थापन कोलोनी का दौरा, दोनों जगहों पर रह रहे लोगों से वातार्लाप, स्वयं सहायता समूह के साथ FGD, कौशल विकास केंद्र में पढ़ रहे बच्चों के साथ FGD एवं बलिआपुर में कृषक उत्पादक संगठन (FPO) का दौरा शामिल था। प्रशांत के नेतृत्व में उपायुक्त, धनबाद, आदित्य रंजन, को अंतर विश्लेषण (Gap Analysis) पर चर्चा की गई। रोजगार के अवसरों को सुदृढ़ करने हेतु स्वयं सहायता समूह के सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा हुई। इस चर्चा में DPM, JSLPS, शैलेश रंजन, DMFT टीम एवं JRDA से जीतेन्द्र मलिक शामिल थे।

टुण्डी पशुपालन विभाग में अनियमितताएं उजागर मीना हेंब्रम ने विभाग को खरी खोटी सुनाई

धनबाद, संवाददाता

टुण्डी पशुपालन विभाग में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं तब उजागर हुई जब विभाग द्वारा समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी की कक्ष एवं अध्यक्षता में हो ही रहा था कि जिला परिषद सदस्या मीना हेंब्रम ने आगामी वित्तीय वर्ष की पशुधन वितरण की संचिका मांगी पर विभाग उपलब्ध कराने में असफल रही तभी मीना हेंब्रम ने प्रभारी प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को भरपूर खरी खोटी सुनाई और चेतावनी लहजे में बोली कि अगले वित्तीय वर्ष की सभी संचिकाएं एवं लाभूकों की सूची एवं वितरण किए गए घरों को डोर टू डोर निरीक्षण के बाद ही अगली बैठक आयोजित की जायेगी जब तक जनप्रतिनिधियों को संतोषजनक एवं सही सूची उपलब्ध नहीं करा दी जाती बैठकें स्थगित ही रहेंगी। वहीं टुण्डी प्रमुख मालती मरांडी ने बैठकों एवं वितरण कार्य से वंचित किए जाने पर विभाग को घेरते हुए सभी कार्य फिलहाल अगले आदेश तक स्थगित रखने की बातें कही। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय ने प्रभारी प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को रतनपुर पंचायत में विभाग द्वारा किए गए पशुधन वितरण कार्यक्रम की? जांच का आदेश दिया है एवं जब-तक जांच रिपोर्ट नहीं आ जाता उक्त पंचायत में पशुधन वितरण पर रोक लगाने की बातें कही। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय, जिला परिषद सदस्या मीना हेंब्रम, प्रमुख मालती मरांडी, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरूचरण बास्की, झामुमो नेता फूलचंद किस्कू आदि मौजूद थे।

तीन सौ केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन झरिया विधायक रागिनी सिंह ने किया

धनबाद, संवाददाता

झरिया विधानसभा क्षेत्र के गोपालीचक मोड़, 8 नंबर क्षेत्र में बी.सी.सी.एल. प्रबंधन के सहयोग से 300 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। जहा झरिया विधायक रागिनी सिंह के द्वारा फीता काटकर व नारियल फोड़ कर विधिवत नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया।लंबे समय से इस क्षेत्र में बिजली की अनियमित आपूर्ति और वोल्टेज की समस्या बनी हुई थी। झरिया विधायक रागिनी सिंह के निरंतर प्रयास एवं बी.सी.सी.एल. प्रबंधन से हुई सकारात्मक वार्ता के फलस्वरूप नया ट्रांसफार्मर लगाया गया, जिससे स्थानीय नागरिकों को स्थायी रूप से सुचारु एवं बेहतर विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर पूर्व पार्षद शैलेन्द्र सिंह, नन्हे सिंह, अनूप सिंह, समता सिंह, सरवन चौहान, भीम चौहान, दीपक भुइया, शिवधरी धिकार, अर्जुन भुइया, हरेराम राम सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

जलवायु परिवर्तन और आजीविका के नवाचार पर गोष्ठी का आयोजन

बोकारो, संवाददाता

जलवायु परिवर्तन और आजीविका के नवाचार विषय पर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन सारथी नेटवर्क बोकारो और प्रदान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जैनमोड़ स्थित आर्यन होटल में किया गया। इस गोष्ठी में वक्ताओं ने झारखंड में कोयला आधारित आजीविका से जस्ट ट्रांजिशन न्यायसंगत परिवर्तन की दिशा में पहल और पारंपरिक कृषि में नवाचार के महत्व पर अपने विचार रखे। जस्ट ट्रांजिशन पर सार्थक चर्चा कार्यक्रम में दामोदर बचाओ आंदोलन के गुलाब चंद्र ने बोकारो सहित पूरे झारखंड में कोयला आधारित आजीविका से उत्पन्न सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने जस्ट ट्रांजिशन (न्यायसंगत परिवर्तन) की अवधारणा को समझाते हुए बताया कि यह परिवर्तन केवल ऊर्जा के क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समुदाय, आजीविका और पारिस्थितिकी के संतुलन की प्रक्रिया है। अंजनी कुमार सिन्हा ने पारंपरिक खेती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खेती में नवाचार और पोषण-संतुलित भोजन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृषि में नवाचार जलवायु परिवर्तन के दौर में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त कर सकता है। जस्ट ट्रांजिशन जागरूकता यात्रा की जानकारी देते हुए सहयोगिनी संस्था के गौतम सागर ने बताया कि झारखंड में जस्ट ट्रांजिशन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए आगामी 5 से 12 नवंबर तक एक जागरूकता यात्रा आयोजित की जाएगी। यह यात्रा सिद्धू-कान्हू के जन्मस्थल भोगनाडीह (साहेबगंज) से शुरू होकर भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थल उलिहातु (खूंटी) तक जाएगी। प्रदान संस्था की नवाचारी पहलें प्रदान संस्था के पीयूषमय और जुबा ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए आजीविका के क्षेत्र में संस्था द्वारा की जा रही नवाचारी पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मिश्रित खेती और पुनजीर्वी खेती को बोकारो जिले के नावाडीह, गोमिया, कसमार, पेटरवार, बेरमो और चास प्रखंडों में जस्ट ट्रांजिशन की दिशा में एक विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। गोष्ठी में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि सारथी नेटवर्क और साझेदार संस्थाएं मिलकर नियमित रूप से वर्कशॉप और बैठकें आयोजित करेंगी, ताकि कृषि, जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ आजीविका के वैकल्पिक मॉडल को और मजबूत किया जा सके। कार्यक्रम को कृषि विशेषज्ञ अंजनी कुमार सिंह तथा चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे बदलाव तथा कोयला क्षेत्र में आजीविका को लेकर सभी स्टेकहोल्डर को एक साथ मिलकर काम किए जाने की जरूरतहै। कार्यक्रम में विनोद कुमार यादव, रुही प्रवीण, रीना कुमारी, तारकेश्वर कुमार, विजय कुमार ठाकुर, ज्योत्सना जायसवाल, चंदन शर्मा, सुदीप्ता हाजरा, संजय कुमार सिंह, समीना खातून, अपर्णा रॉय, पुष्पा देवी, बिंदिया सिंह, और नरेंद्र कुमार महतो सहित अनेक प्रतिभागी उपस्थित थे।

बिहार में घूसखोर दारोगा गिरफ्तार, केस मैनेज करने के लिए रखी थी डिमांड, निगरानी ने रंगे हाथ दबोचा

खगड़िया, एजेंसी। बिहार में एक तरफ जहां चुनाव को लेकर हलचल तेज है. वहीं दूसरी तरफ घूसखोरों पर भी शिकंजा कसना जारी है. इसी क्रम में खगड़िया जिले में एक्शन देखने को मिला, जब एक दारोगा को गिरफ्तार किया गया. घूसखोर दारोगा गिरफ्तार : जिले के मानसी थाना में पदस्थापित दारोगा रोशन कुमार को निगरानी विभाग ने घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया. दरअसल ट्रैक्टर चालक ऋषि कुमार ने निगरानी विभाग से इस बात की शिकायत की थी. कहा था कि उनसे मानसी थाना के दारोगा रोशन कुमार ने 12000 घूस की मांग की है. शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने जाल बिछाया और दारोगा रोशन कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. मंगलवार को हुई इस कार्रवाई के बाद सभी हैरान रह गए. निगरानी की टीम आरोपी दारोगा को अपने साथ पटना लेकर चली गई. पूरा मामला क्या था ? : 25 सितंबर को मानसी थाना क्षेत्र के अभिषेक कुमार के ट्रैक्टर की बैटरी चोरी हो गई थी. जिसको लेकर अभिषेक कुमार ने मानसी थाने में आवेदन दिया था और उसने आरोपी का नाम ऋषि कुमार बताया था. उन्होंने बताया था ऋषि कुमार ने ही मेरे ट्रैक्टर की बैटरी चोरी की है. आरोप है कि इस पर एसआई रोशन कुमार ने कांड दर्ज नहीं करते हुए ऋषि कुमार को मुकदमे की धमकी दी. उससे केस मैनेज करने के लिए ?12000 का घूस मांगा. ऋषि कुमार ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग में की. पहले भी हो चुकी है गिरफ्तारी : वैसे निगरानी की टीम का राज्य के विभिन्न जिलों में एक्शन जारी है. इससे पहले भी खगड़िया के नगर थाना से महिला दारोगा को घूस लेते निगरानी विभाग द्वारा गिरफ्तार किया गया था.

बिहार में लालू से फोन पर बात करने वाले विधायक का कटा टिकट, दिया इस्तीफा

भागलपुर, एजेंसी। टिकट घोषणा होने के बाद लगातार बगावत के सुर बुलंद हो रहे हैं. इसी बीच पीरपैंती के विधायक ललन पासवान ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया है. पीरपैंती से भाजपा ने इस बार मुरारी पासवान को टिकट दे दिया है. टिकट की घोषणा होते ही देर रात ललन पासवान ने अपना त्याग पत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को भेज दिया है. पीरपैंती से मुरारी पासवान को मिला टिकट: भागलपुर जिले में एनडीए ने सभी सातों विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रत्याशी की घोषणा कर दी है. जिसमें से तीन सिटिंग एमएलए का टिकट काटकर नए चेहरों पर भरोसा जताया गया है. सबसे पहले अगर हम बात करें भाजपा की तो भाजपा ने पीरपैंती जो सुरक्षित सीट है, वहां से हर बार अपना चेहरा बदला है. इस बार फिर भाजपा ने वर्तमान विधायक ललन पासवान का टिकट काटते हुए आरएसएस से जुड़े स्वयंसेवक मुरारी पासवान पर भरोसा जताते हुए उन्हें टिकट दिया है. सोशल मीडिया पर नेता निकाल रहे भड़ास: भागलपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए जैसे ही प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हुई. वैसे ही टिकट की लाइन में खड़े कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जमकर भड़ास निकालना शुरू कर दिया. फिर एनआर रवींद्र भी कटा लिया और अब निर्दलीय चुनाव लड़ने के मूड में हैं. पार्टी नेतृत्व पर खड़े हो रहे सवाल: भड़ास निकालने वाले नेताओं में भाजपा सोशियलिस्ट प्रीति शेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के बेटे अर्जित शाश्वत शामिल हैं. दोनों नेता बीजेपी के खिलाफ पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े कर रहे हैं. कहलगांव से पवन यादव का कटा टिकट: कहलगांव जहां पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने परचम लहराया था, वहां भी सिटिंग एमएलए पवन यादव का टिकट काटकर जेडीयू से शोभानंद मुकेश को टिकट दिया गया है, जबकि गोपालपुर विधानसभा से विवादित विधायक गोपाल मंडल का टिकट काटते हुए राजद से जदयू में शामिल हुए शैलेश मंडल उर्फ बुलो मंडल पर भरोसा जताया गया है. बूलो मंडल राजद से भागलपुर के एक बार सांसद रहे हैं. एक वर्ष पहले ही जदयू में शामिल हुए हैं. बिहपुर से इंजीनियर शैलेंद्र को टिकट: बिहपुर सीट भाजपा के लिए परंपरागत सीट रही है. जहां पुराने चेहरे इंजीनियर शैलेंद्र पर ही पार्टी ने भरोसा किया है और फिर से उन्हें टिकट सौंपा है. सुल्तानगंज में जेडीयू ने प्रोफेसर ललित नारायण मंडल को टिकट देकर फिर उन्हें चुनावी मैदान में उतारा है. वहीं, नाथनगर जहां जदयू हमेशा चुनाव लड़ती रही थी, इस बार यह सीट अपने गठबंधन के साथी लोजपा(आर) के लिए छोड़ी गई है. लोजपा(आर)ने यहां जिला परिषद अध्यक्ष मिथुन यादव पर भरोसा जताया है. भागलपुर से चुनावी मैदान में रोहित पांडे: भागलपुर में भाजपा ने पिछली बार के उम्मीदवार रोहित पांडे पर ही भरोसा जताते हुए टिकट दिया है. रोहित पांडे पिछली बार के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा से महज 946 वोट से पराजित हो गए थे. ऐसे में कह सकते हैं कि पूरे भागलपुर में जातिगत समीकरण के साथ-साथ चौंकाने वाला फैसला भी एनडीए ने लिया है. अब सभी नामांकन की तैयारी में हैं. महागठबंधन ने यहां नहीं उतारा उम्मीदवार: वहीं, महागठबंधन से अब तक पीरपैंती, कहलगांव,नाथनगर, गोपालपुर, बिहपुर और भागलपुर सीट का ऐलान ऑफिशियल तौर पर नहीं किया है. हालांकि भागलपुर सीट अजीत शर्मा के खाते में है. उन्होंने नामांकन की तैयारी शुरू कर दी है. सुल्तानगंज से कांग्रेस ने पुराने चेहरे ललन यादव पर भरोसा जताते हुए ऑफिशियल अनाउंस करते हुए टिकट दिया है.

चिराग के सिपाही ने दी चुनौती डेहरी की परंपरा को, क्या टूटेगा क्षत्रिय उम्मीदवारों का मिथ

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में जाति हमेशा से एक बड़ा फैक्टर रही है, जिसे दरकिनार करने का जोखिम कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं उठा सकती। एनडीए, महागठबंधन समेत जन सुराज और अन्य पार्टियों ने भी इन्हीं जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए कुछेक सीटों को छोड़कर लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। अब मतदाताओं को लामबंद करने के लिए अन्य राज्यों से भी कई बड़े चेहरे चुनावी सभाओं में जुटने लगे हैं। हालांकि, कुछ सीटों पर जातीय समीकरण फेल भी होते रहे हैं, जिनमें से एक रोहतास जिले का डेहरी विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है। क्षत्रिय उम्मीदवार को कभी रास नहीं आई डेहरी विधानसभा बिहार की राजनीति में क्षत्रिय समाज का योगदान हमेशा से प्रभावशाली रहा है। राजनीतिक वर्चस्व और जातीय समीकरण को देखते हुए सभी पार्टियां इन पर दांव आजमाती रही हैं। लेकिन इसी कड़ी में रोहतास जिले के डेहरी विधानसभा सीट पर क्षत्रिय समाज का चुनावी इतिहास थोड़ा अलग है। यहां वर्ष 1990 से लेकर अब तक चार बार क्षत्रिय उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन हर बार उन्हें करारी शिकस्त मिली। डेहरी विधानसभा सीट क्षत्रिय उम्मीदवारों को कभी रास नहीं आई। निर्णायक भूमिका में क्षत्रिय समाज डेहरी विधानसभा सीट में क्षत्रिय मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वैश्य और यादव वोटरों के बाद क्षत्रिय मतदाता तीसरे नंबर पर आते हैं। बावजूद इसके हर बार क्षत्रिय उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा है। बता दें कि डेहरी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 44 हजार वैश्य, लगभग 40 हजार यादव और लगभग 37 हजार क्षत्रिय मतदाता हैं। इनके बाद दलित और मुसलमानों की आबादी आती है। एलजेपी (रामविलास) प्रत्याशी परंपरा को दे रहे चुनौती अब एक बार फिर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने क्षत्रिय समाज से आने वाले सोनू कुमार सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। इनके समक्ष इस परंपरा को तोड़ने की चुनौती है।

सिकटा विधानसभा में हलचल, समृद्ध वर्मा भाजपा छोड़ जेडीयू में शामिल, चुनावी समीकरण बदले

सिकटा, एजेंसी। पश्चिम चंपारण की सिकटा विधानसभा सीट पर इस बार का चुनाव बेहद दिलचस्प होने जा रहा है। बीजेपी के युवा और लोकप्रिय नेता समृद्ध वर्मा ने अचानक पार्टी बदलकर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) का दामन थाम लिया। यह कदम न केवल सिकटा बल्कि पूरे पश्चिम चंपारण जिले की राजनीति में नई हलचल पैदा कर गया है।

दरअसल, एनडीए के सीट बंटवारे में सिकटा विधानसभा सीट जेडीयू के खाते में चली गई थी। समृद्ध वर्मा इस सीट से भाजपा की ओर से टिकट की दावेदारी कर रहे थे और लगातार इलाके में सक्रिय भी थे। लेकिन सीट जेडीयू को मिलने के बाद उन्होंने रणनीतिक रूप से भाजपा छोड़कर जेडीयू का रुख कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, समृद्ध वर्मा को जेडीयू से टिकट और सिंबल मिल चुका है, हालांकि पार्टी की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में होने वाली है।

समृद्ध वर्मा के जेडीयू में शामिल होने के बाद स्थानीय जेडीयू संगठन में मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ पुराने कार्यकर्ता नाराज हैं और इसे 'पैराशूट टिकट' बता रहे हैं। उनका कहना है कि पार्टी ने वर्षों से मेहनत करने वाले स्थानीय नेताओं की अनदेखी की है। एक वरिष्ठ जेडीयू कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "हमने गांव-गांव में पार्टी का संगठन खड़ा किया, लेकिन टिकट एक बाहरी चेहरे को दे दिया गया। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित होगा।"

हालांकि, एनडीए के अन्य घटक दलों भाजपा और हम के नेताओं में इस घटनाक्रम से खुशी और राहत का माहौल है। उनका कहना है कि समृद्ध वर्मा के आने से एनडीए की स्थिति मजबूत होगी क्योंकि वे युवा, पढ़े-लिखे और लोकप्रिय चेहरा हैं।

समृद्ध वर्मा राजनीतिक रूप से नया चेहरा नहीं हैं। वे सिकटा विधानसभा के पांच बार के पूर्व विधायक दिलीप वर्मा के पुत्र हैं,

जिन्होंने क्षेत्र में विकास और सामाजिक कार्यों से गहरी छाप छोड़ी थी। समृद्ध वर्मा का बचपन पश्चिम चंपारण के शिकारपुर गांव में बीता, लेकिन शिक्षा और करियर की शुरुआत उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से की। उन्होंने पटना और ग्वालियर के सिंधिया स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त की, मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन किया और फिर अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजेलिस से इंटरनेशनल बिजनेस में पोस्ट ग्रेजुएशन किया।

अमेरिका में शानदार करियर के अवसरों के बावजूद समृद्ध वर्मा ने भारत लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और टाटा पावर लिमिटेड में बाहिंग और बाहरी संचार विभाग में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता पाने के बाद उन्होंने राजनीति की राह चुनी। भाजपा ने उन्हें राज्य स्तरीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी थी, जहां उनके वक्तृत्व कौशल और युवाओं से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें तेजी से लोकप्रिय बनाया।

समृद्ध वर्मा ने क्षेत्र में गरीबों और किसानों के बीच लगातार संपर्क बनाए रखा और कई सामाजिक अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। यही कारण है कि आज उन्हें 'गरीबों का मसीहा' कहा जाता है। अब समृद्ध वर्मा के जेडीयू प्रत्याशी बनने से सिकटा विधानसभा सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय या बहुकोणीय होता दिख रहा है।

यहां जेडीयू के समृद्ध वर्मा के सामने, राजद-कांग्रेस गठबंधन वामपंथी दल सीपीआई के विरेंद्र गुप्ता, जन सुराज के संभावित उम्मीदवार, और निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व मंत्री खुर्शीद आलम भी ताल ठोंक सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, समृद्ध वर्मा के आने से सिकटा में एनडीए का वोट बैंक एकजुट हो सकता है।

क्षेत्र में वर्मा परिवार का प्रभाव पहले से है, जबकि युवाओं और शहरी मतदाताओं में उनकी छवि साफ-सुथरी और आधुनिक नेता की है। हालांकि, जेडीयू के अंदर नाराजगी अगर बढ़ी तो यह चुनाव में चुनौती भी बन सकती है। सिकटा विधानसभा क्षेत्र की राजनीति जातीय समीकरणों पर आधारित मानी जाती है। यहां भूमिहार, यादव, मुसलमान, ठाकुर और ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या प्रभावशाली है।

दिलीप वर्मा के समय से वर्मा परिवार को भूमिहार और पिछड़ा वर्ग दोनों में अच्छी स्वीकार्यता रही है। यदि समृद्ध वर्मा इस समर्थन को बनाए रखने में सफल रहते हैं, तो एनडीए के लिए यह सीट जीतना आसान हो सकता है।

समृद्ध वर्मा के जेडीयू में आने से एनडीए के अंदर संतुलन और रणनीति दोनों में बदलाव आया है। पहले जहां भाजपा के कार्यकर्ता सीट जेडीयू को देने से नाराज थे, अब वही कार्यकर्ता एनडीए के एकजुट अभियान की बात कर रहे हैं। सिकटा में यह चुनाव केवल उम्मीदवारों का नहीं, बल्कि एनडीए की एकता और विपक्षी एकजुटता की भी परीक्षा साबित होगा।

संदेश विधानसभा में एनडीए ने जदयू एमएलसी राधा चरण साह को दिया टिकट, 17 अक्टूबर को करेंगे नामांकन

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर जिले की संदेश विधानसभा सीट पर उम्मीदवारों को लेकर चल रही अटकलों का अंत हो गया है। एनडीए ने इस सीट से जदयू के एमएलसी राधा चरण साह को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। घोषणा के बाद राधा चरण साह चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं और वे 17 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

टिकट मिलने के बाद राधा चरण साह ने आरा स्थित आरण्य देवी मंदिर और महावीर मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की और जनता की सेवा तथा क्षेत्र के विकास के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव जनता के विश्वास और विकास के मुद्दे

पर लड़ा जाएगा। राधा चरण साह ने अपने बयान में पूर्व विधायक अरुण यादव और वर्तमान विधायक किरण देवी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में संदेश की जनता विकास से वंचित रही है, लेकिन अब क्षेत्र की तस्वीर बदलना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने दावा किया कि जनता अब बदलाव के मूड में है और एनडीए को भारी समर्थन मिल रहा है। जदयू प्रत्याशी के मैदान में उतरने के साथ ही संदेश विधानसभा में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। अब यहां राधा चरण साह और आरजेडी उम्मीदवार दीपू राणावत के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है। दोनों ही उम्मीदवारों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं।

जनसुराज प्रत्याशी जयंती पटेल ने खगड़िया में किया नामांकन

बोलीं- राजनीति सेवा और जिम्मेदारी का माध्यम है

खगड़िया, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के तहत खगड़िया विधानसभा से जनसुराज पार्टी की उम्मीदवार जयंती पटेल ने बुधवार को शाम तीन बजे तक अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन प्रक्रिया उन्होंने सादगी और अनुशासन के साथ पूरी की। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और क्षेत्र के सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में जयंती पटेल ने कहा, "मेरे लिए राजनीति दिखावे का नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का माध्यम है। मैं सादगी और पारदर्शिता के साथ राजनीति में विश्वास रखती हूं। जनता का भरोसा मेरी सबसे बड़ी ताकत है और मैं उसी भरोसे के साथ चुनाव लड़ रही हूं।" उन्होंने आगे कहा कि जनसुराज पार्टी का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव लाना है। जयंती पटेल ने स्पष्ट किया कि यदि उन्हें जनता का समर्थन मिला, तो वे ईमानदारी, जवाबदेही और जनभागीदारी के साथ अपने क्षेत्र की सेवा करेंगी।

जनसुराज पार्टी के स्थानीय नेतृत्व और समर्थकों ने श्रीमती पटेल के साथ खड़े होकर उनके अभियान को "स्वराज और सुशासन की ओर एक निर्णायक कदम" बताया। नामांकन प्रक्रिया के बाद क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया। उनका कहना है कि इस चुनाव में जनता के भरोसे और समर्थन के जरिए सकारात्मक बदलाव लाया जा सकेगा।

बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने किया बड़ा दावा- एनडीए गठबंधन 7 में से 7 सीटें जीतने के लिए तैयार

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन में सत्तापक्ष की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। बेगूसराय में एनडीए के भीतर भाजपा तीन सीटों, जदयू दो सीटों और लोजपा (रामविलास) दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने में मात्र दो दिन बचे हैं और इसी बीच स्थानीय सांसद और भाजपा के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह बेगूसराय पहुंच चुके हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "बेगूसराय में पिछली बार हम मात्र तीन सीट जीत पाए थे। यह दुख की बात है, लेकिन अब गठबंधन ने जो तय किया है, उसी पर भरोसा है। इस बार हम सभी 7 सीट जीतेंगे।"

गिरिराज सिंह ने महागठबंधन पर भी निशाना साधा और कहा कि अभी महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है, क्योंकि

तेजस्वी यादव का केस में नाम है और यह देखना बाकी है कि कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री घोषित करती है या नहीं। उन्होंने कहा, "महागठबंधन में ना नीति है, ना नेतृत्व है और ना ही नीयत है। एनडीए में नेता, नेतृत्व और नियति सब चीजें हैं।"

गिरिराज सिंह ने विकास की तुलना अतीत से करते हुए कहा, "आज से 20 साल पहले शाम ढलते ही लोग घर आ जाते थे, बहन-बेटियां भी घर पर रहती थीं, सड़कें नहीं थीं, बिजली नहीं थी।

मंत्री ओपी राजभर ने बिहार में 47 उम्मीदवार उतारे

दावा- लालू की पार्टी से 5 सीटों का ऑफर मिला; मंत्री दयाशंकर बोले- बात करेंगे

बलिया, एजेंसी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने भाजपा से बगावत कर दी है। उन्होंने बिहार में एनडीए से अलग होकर अकेले 153 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया। बुधवार को 47 सीटों पर उम्मीदवार भी उतार दिए। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव और मंत्री के बेटे अरविंद राजभर ने पटना में प्रेसवार्ता की। उन्होंने दावा किया कि लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी ने उन्हें 5 सीटें ऑफर की थीं। लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। अरविंद ने बिहार में अकेले विधानसभा चुनाव लड़ने का कारण बताया। कहा- पार्टी 19 साल से बिहार में अपने संगठन को बढ़ा रही है। कार्यक्रम, रैली और जनसभा कर अपना शक्ति प्रदर्शन करती रही है। हमारा प्रयास था कि हम यूपी में एनडीए के साथ हैं। संगठन को बढ़ा रहे हैं।

वैसे ही हमारा प्रयास था कि अगर हमारा दमखम बिहार में भी है तो हम बिहार में भी बीजेपी और एनडीए को मजबूत करें, लेकिन स्थानीय संगठन ने जो निगेटिव रिपोर्ट सुभासपा की शक्ति के विपरीत जाकर दी, इसका हमने विरोध किया। हमें बिहार में एनडीए की तरफ से एक भी सीट नहीं दी गई है।

1. गृह मंत्री और बीजेपी अध्यक्ष को बता दिया था इरादा हमने 1 मई को गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात कर उन्हें अपना इरादा बता दिया था। 5 मई को सुभासपा की बैठक की और बीजेपी

के बड़े नेताओं से बताया था कि अगर आगे एनडीए से हमारा गठबंधन हो जाता है तो हम साथ चुनाव लड़ेंगे, नहीं तो हम अकेले चुनाव लड़ेंगे। हमारी कोशिश थी कि बात हमारी बन जाए। हमने इंतजार किया। परसों भी पटना में था।

2. बीजेपी से रिस्पांस न आने पर कैंडिडेट का किया ऐलान प्रत्याशी की घोषणा करनी थी, लेकिन हमने जानबूझकर नहीं किया, पर ये बता दिया था कि इतने प्रत्याशियों की लिस्ट जारी करूंगा। पहले अपनी तरफ से कोई गलती नहीं चाहता था, इसलिए हमने एनडीए के शीर्ष नेतृत्व का इंतजार किया, लेकिन जब कोई रिस्पांस नहीं मिला तो हमने तय किया कि सुभासपा बिहार में 153 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

3. आरजेडी ने दिया था 5 सीट का ऑफर, हमने ठुकरा दिया आरजेडी के लोगों ने भी संपर्क किया था कि आप 5 सीटें ले लीजिए और हमसे मिलकर चुनाव लड़िए, लेकिन हमने उनका ऑफर ठुकरा दिया। इसके अलावा जेएमएम के अध्यक्ष और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन जी से भी कल बात हुई थी। तेज प्रताप जी से भी बात हुई है। जल्द उनसे अपडेट ले लेंगे।

जन सुराज प्रत्याशी लता सिंह 4.57 करोड़ रुपए की मालकिन

न एक रुपए का कर्ज, न एक भी केस; राइफल की शौकीन हैं आरसीपी सिंह की बेटी

नालंदा, एजेंसी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की बेटी और सुप्रीम कोर्ट की वकील लता सिंह ने बुधवार को अस्थावां विधानसभा क्षेत्र से बुधवार को नामांकन दाखिल किया। लता सिंह को जन सुराज पार्टी ने अपना प्रत्याशी बनाया है। 36 साल की लता सिंह ने नामांकन के दौरान दिए गए हलफनामे में बताया है कि वे 4.57 करोड़ रुपए से ज्यादा की मालकिन हैं। लता ने अपने ऊपर एक भी रुपए का कर्ज नहीं बताया है।

बिहारशरीफ सब डिवीजन ऑफिस में दाखिल किए गए नामांकन पत्र में लता सिंह ने संपत्ति का ब्योरा दिया है। लता सिंह के पास 1.90 करोड़ रुपए की अचल, जबकि 2.66 करोड़ रुपए की चल संपत्ति है। उन्होंने बताया है कि ये संपत्ति उन्होंने विरासत में मिली हिस्सेदारी और निवेश से जुटाई है।

लता 1.40 करोड़ रुपए की किसानी वाली जमीन की मालकिन

जन सुराज प्रत्याशी लता सिंह के पास नालंदा जिले के अस्थावां, हिलसा और इस्लामपुर में 1.40 करोड़ रुपए की किसानी वाली जमीन है। हलफनामे के अनुसार, इनमें से अधिकांश भूमि विरासत में मिली है, लेकिन 2013 से 2021 के बीच उन्होंने खुद भी लगभग 29.15 लाख रुपए की जमीनें खरीदी हैं। इसके अलावा, अस्थावां के मालती गांव में

एक आवासीय मकान में उनकी 50 फीसदी हिस्सेदारी है। मकान की अनुमानित कीमत 35 लाख रुपए है। इसी गांव में 10 डिसमिल गैर-कृषि भूमि भी है, जिसका मूल्य 15 लाख रुपए है।

39.56 लाख रुपए की कीमत की गोल्ड, डायमंड ज्वेलरी

लता सिंह के पास 430 ग्राम सोने के सिक्के और सोने-हीरे के आभूषण हैं, जिनकी कुल कीमत 39.56 लाख रुपए है। इसके अलावा, 2 किलो 750 ग्राम चांदी के गहने, बर्तन और सिक्के हैं, जिनका मूल्य 4.12 लाख रुपए है।

25 हजार रुपए की एनपी बोर राइफल की भी हैं मालकिन

लता सिंह ने म्यूचुअल फंड और लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में 9.77 लाख रुपए और नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में 7.15 लाख रुपए का इन्वेस्ट किया हुआ है। उन्होंने ग्रीन गैलोर प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी को 25 लाख रुपए का निजी कर्ज दिया है। उनके पास 25,000 रुपए की एन.पी. बोर राइफल भी है।

वकालत और खेती-किसानी है आय का मुख्य सोर्स

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज से समाजशास्त्र में ऑनर्स और बाद में फैकल्टी ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल करने वाली लता सिंह सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करती हैं। हलफनामे के अनुसार, फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में उनकी कुल एनुअल इनकम 18.90 लाख रुपए रही। उन्होंने बताया है कि उनकी इनकम का मुख्य सोर्स वकालत और खेती-किसानी है।

लता सिंह छवि बेदाग, एक भी आपराधिक मामला नहीं

लता सिंह के चुनावी हलफनामे में बताया गया है कि उन पर किसी भी प्रकार का आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। न कोई पुलिस केस, न कोई अदालती मुकदमा। इसके अलावा, 36 साल की उम्र में साढ़े चार करोड़ की संपत्ति के बावजूद उन पर एक रुपए का भी कर्ज या देनदारी नहीं है।

पिता की विरासत, प्रशांत किशोर का दांव पूर्व केंद्रीय इस्पात मंत्री और जदयू के पूर्व सीनियर नेता रहे आरसीपी सिंह की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए लता सिंह ने राजनीति में कदम रखा है। प्रशांत किशोर की नवगठित जन सुराज पार्टी ने उन्हें अस्थावां विधानसभा क्षेत्र (संख्या-171) से मैदान में उतारा है। यह सीट नालंदा जिले के राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से अहम मानी जाती है।

पिता आरसीपी सिंह का राजनीतिक प्रभाव और जन सुराज पार्टी की रणनीति इस चुनाव को त्रिकोणीय बना सकती है। लता सिंह का मुकाबला जदयू के जितेंद्र कुमार से है। फिलहाल, इस सीट पर महागठबंधन की ओर से प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया गया है।

वारी एनर्जीज का मुनाफा दोगुना से भी ज्यादा

शेयरधारकों को मिलेगा पहला डिविडेंड

मुंबई

सोलर इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज ने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जो बेहद प्रभावित करने वाले हैं। इस तिमाही में कंपनी ने 843 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 362 करोड़ रुपये से 133 प्रतिशत अधिक है। कुल कमाई भी 6,066 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 69.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। कंपनी का ऑपरेटिंग इनकम (ऐ बिटिडा) भी दोगुना से अधिक बढ़कर 1,406 करोड़ रुपये हो गया है। ऐ बिटिडा मार्जिन 14.7 फीसदी से बढ़कर 23.2 फीसदी हो गया, जो कंपनी की बेहतर प्रबंधन क्षमता और मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

वारी एनर्जीज ने अपने लिस्टिंग के बाद पहली बार शेयरधारकों को डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने हर 10 रुपये के शेयर पर 2 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा उपहार माना जा रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत है और उत्पादन क्षमता भारत में 16.1 गीगावाट तथा अमेरिका में 2.6 गीगावाट हो गई है।

अमेरिका में मेयेर बर्गर एसेट्स खरीदने के बाद कंपनी का विस्तार हुआ है।

वारी एनर्जीज बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम, ग्रीन हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर, इन्वर्टर, ट्रांसफॉर्मर और स्मार्ट मीटर जैसे क्षेत्रों में लगभग 8,175 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

वारी एनर्जीज के शेयर गुरुवार को 3.17 फीसदी बढ़कर 3,630 रुपये पर बंद हुए। पिछले छह महीनों में शेयरों ने 62.81 फीसदी और पिछले एक साल में 55.20 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 1.04 लाख करोड़ रुपये है, जो उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। वास्तव में, वारी एनर्जीज ने सोलर इंडस्ट्री में अपनी मजबूत पकड़ और भविष्य के लिए ठोस योजनाओं के साथ निवेशकों का विश्वास जीत लिया है।

100के एच-1बी वीजा फीस 'गैरकानूनी'!

अमेरिकी कंपनियों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ किया केस

नई दिल्ली

अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से नए एच-1बी वीजा आवेदकों पर 100,000 डॉलर (करीब 83 लाख रुपए) की फीस लगाने के फैसले के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। चैंबर ने इस कदम को अनुचित और कानूनी बताया है। एक रिपोर्ट के अनुसार चैंबर ने वाशिंगटन की एक संघीय अदालत में मामला दर्ज किया, जिसमें अदालत से इस आदेश को रोकने और यह घोषित करने की मांग की गई कि ट्रंप ने अपने कार्यकारी अधिकारों का अतिक्रमण किया है। यह शुल्क एक महीने पहले घोषित किया गया था और व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी वर्कर्स के स्थान पर सस्ते विदेशी टैलेंट को भर्ती करने वाली कंपनियों के खिलाफ कदम बताया था। बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होगा, मौजूदा वीजाधारकों पर नहीं, और छूट के लिए आवेदन फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया है। ह मुकदमा ट्रंप प्रशासन के खिलाफ चैंबर की पहली कानूनी कार्रवाई है। 30,000 से ज्यादा बिजनेस का प्रतिनिधित्व करने वाला चैंबर कहता है कि यह शुल्क अमेरिकी इमीग्रेशन कानूनों का उल्लंघन करता है, जिनमें वीजा फीस को केवल वास्तविक प्रोसेसिंग लागत के आधार पर तय करने का प्रावधान है। मुकदमे में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और विदेश मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति के पास अमेरिका में गैर-नागरिकों के प्रवेश को नियंत्रित करने का व्यापक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार कानूनों से सीमित है और कांग्रेस द्वारा पारित कानूनों का विरोध नहीं कर सकता।

पहले एच-1बी वीजा आवेदन की लागत लगभग 3,600 डॉलर तक थी। चैंबर का कहना है कि इतनी भारी फीस से कंपनियों को स्किल्ड वर्कर्स की भर्ती खासकर टेक और कंसल्टिंग क्षेत्रों में घटानी पड़ सकती है।

जीएसटी सुधार से नगालैंड के हैंडलूम, कॉफी और पर्यटन उद्योग को मिलेगा लाभ

कोहिमा

केंद्र सरकार द्वारा घोषित नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों से नगालैंड की स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। हैंडलूम, बांस-बेंत उत्पाद, कॉफी और पर्यटन क्षेत्र पर कर दरों में कमी से न केवल उत्पाद सस्ते होंगे, बल्कि हजारों लोगों की आय और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। सरकार ने इन क्षेत्रों पर जीएसटी दरें 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी हैं। इससे लगभग 44,000 महिला बुनकरों, 13,000 बांस एवं बेंत कारीगरों, 2,200 कॉफी उत्पादकों और सैकड़ों होटल कारोबारियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। नगालैंड के पारंपरिक हैंडलूम उत्पादों में चकेसांग शॉल को जीआई टैग प्राप्त है, जो कोहिमा, फेक और दीमापुर क्षेत्रों में प्रमुखता से बनाया जाता है। इस क्षेत्र में लगभग 44,000 लोग कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। अब जीएसटी घटने से 2,500 रुपये तक के वस्त्र लगभग 6.25प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। इससे नगालैंड के हैंडलूम उत्पादों की देश और विदेश में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इन वस्त्रों का निर्यात अमेरिका, यूरोप, यूएई, स्वीडन और कनाडा जैसे देशों में होता है। पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा नगालैंड का पर्यटन उद्योग कोहिमा, दीमापुर और किफायरा जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है, जहां प्रसिद्ध हॉर्नबिल फेस्टिवल हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। अब होटल सेवाओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से 7,500 रुपये तक के कमरे लगभग 6.25प्रतिशत सस्ते होंगे। इससे राज्य में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नया प्रोत्साहन मिलेगा। बांस और बेंत उद्योग में बढ़ेगा व्यापार नगालैंड का बांस एवं बेंत उद्योग सोवीमा (चुमौकेदिमा) और दीमापुर में केंद्रित है, जहां लगभग 13,000 लोग कार्यरत हैं। नगालैंड बांस विकास एजेंसी (एनबीडीए) इस क्षेत्र को 2004 से प्रोत्साहित कर रही है। अब फर्नीचर और हैंडीक्राफ्ट पर जीएसटी घटने से इन उत्पादों की कीमतों में लगभग 6 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे बाजार में मांग बढ़ेगी और कारीगरों की आमदनी में इजाफा होगा। कॉफी उद्योग को वैश्विक पहचान नगालैंड की कॉफी मुख्य रूप से मोकोकचुंग, वोखा, मोन, जुन्हेबोटो और तुएनसांग जिलों में उत्पादित होती है।

धनतेरस से पहले सोना 1.30 के लाख पार, चांदी भी नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली

सोने-चांदी के वायदा कारोबार में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में लगातार पांचवें दिन शुक्रवार को सोने के वायदा भाव ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। चांदी ने भी सर्वोच्च स्तर छू लिया। इस समय घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,31,600 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,69,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड तेजी पर कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 1,174 रुपये की तेजी के साथ 1,31,026 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,29,852 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,778 रुपये की तेजी के साथ 1,31,630 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,31,699 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,31,026 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने आज 1,31,699 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 437 रुपये की तेजी के साथ 1,68,100 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,67,663 रुपये था। इस समय यह 1,434 रुपये की तेजी के साथ 1,69,097 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,69,200 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,67,006 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने 1,69,200 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही और दोनों के भाव ऑल टाइम पर पहुंच गए। कॉमेक्स पर सोना 4,348.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,304.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 52.60 डॉलर की तेजी के साथ 4,357.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने 4,392 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 53.42 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 53.29 डॉलर था। इस समय यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 53.34 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव 53.76 डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गए।

अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने की भारत की योजना

लंबी शिपमेंट अवधि और लागत चुनौती, एलएनजी व एलपीजी में संभावनाएं अधिक

नई दिल्ली

भारत की अमेरिका से कच्चे तेल और ऊर्जा आयात बढ़ाने की महत्वाकांक्षा मुख्यतः आर्थिक और रणनीतिक कारणों पर आधारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका से कच्चे तेल का आयात लॉजिस्टिक दृष्टि से महंगा है क्योंकि वहां से तेल पहुंचने में 45-50 दिन लगते हैं, जबकि पश्चिम एशिया से यह केवल 7-8 दिन में और रूस से 30-45 दिन में पहुंचता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच वर्तमान में 12-13 अरब डॉलर का ऊर्जा व्यापार होता है और इसे समान स्तर तक और बढ़ाया जा सकता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के अनुसार वह अपने कुल तेल आयात का 10-15 फीसदी अमेरिका से करता है, जिसे कीमतें अनुकूल होने पर बढ़ाया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एलएनजी और एलपीजी के आयात से भारत को ज्यादा लाभ हो सकता है।

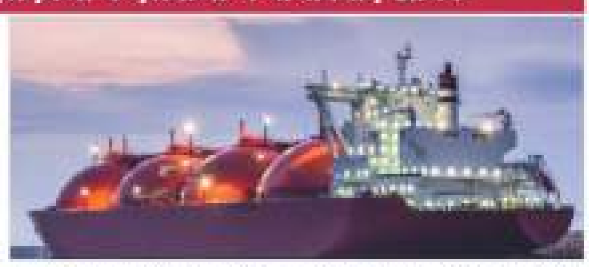

केप्लर के एक विश्लेषक के अनुसार, अमेरिका से कच्चे तेल की तुलना में एलएनजी या एलपीजी का आयात अधिक फायदेमंद रहेगा। भारतीय रिफाइनरियों ने उच्च सल्फर वाले अमेरिकी कच्चे तेल को प्रोसेस करने की क्षमता विकसित की है, लेकिन अमेरिका से आयात की सीमा 400-500 हजार बैरल प्रतिदिन तक ही सीमित है। फिलहाल भारत 40 देशों से तेल आयात करता है और वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका से केवल 4 फीसदी आयात हुआ।

इस रणनीति से भारत न केवल ऊर्जा स्रोतों में विविधता ला सकता है, बल्कि व्यापार घाटा भी कम कर सकता है।

सेबी जिंस बाजारों में बढ़ाएगा संस्थागत भागीदारी

नई दिल्ली सेबी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि बाजार नियामक कृषि और गैर-कृषि जिंस बाजारों में संस्थागत भागीदारी बढ़ाने पर विचार कर रहा है ताकि उन्हें जोखिम प्रबंधन उपायों के लिए और अधिक आकर्षक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत के कृषि और गैर-कृषि जिंस बाजारों को मजबूत करना सेबी के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम इस बाजार को हेजिंग (जोखिम प्रबंधन उपाय) के लिए और अधिक आकर्षक बनाने को लेकर संस्थागत भागीदारी बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख अधिकारी ने यह भी कहा कि हमारे नकद इक्विटी बाजार को व्यापक बनाने और वायदा बाजार में सुधार करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि सेबी बैंकों, बीमा कंपनियों और पेंशन कोषों को गैर-कृषि जिंस वायदा बाजारों में निवेश करने की अनुमति देने के लिए सरकार के साथ बातचीत करेगा। उन्होंने कहा था कि पूंजी बाजार नियामक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को गैर-नकद निपटान वाले, गैर-कृषि जिंस वायदा एवं विकल्प अनुबंधों में व्यापार करने की अनुमति देने के प्रस्ताव पर भी विचार कर रहा है।

भारतीय डाक 24 घंटे, 48 घंटे में 'डिलीवरी' की नई सेवाएं करेगा पेश

नई दिल्ली केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि हम डाक और पार्सल की डिलीवरी की गारंटी के साथ नई सेवाएं पेश करने जा रहे हैं। 24 घंटे की स्पीड पोस्ट सेवा होगी जो 24 घंटे के भीतर डाक की डिलीवरी सुनिश्चित करेगी। इसी तरह 48 घंटे के भीतर डिलीवरी के लिए 48 घंटे की स्पीड पोस्ट सेवा होगी। उन्होंने कहा कि ये सेवाएं जनवरी में शुरू की जाएंगी। मंत्री ने कहा कि पार्सल की अगले दिन डिलीवरी के लिए भी ऐसी ही सेवाएं होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पार्सल अगले दिन डिलीवर हो जाए, जबकि अभी इसमें तीन से पांच दिन लगते हैं। सिंधिया ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक भारतीय डाक को लागत केंद्र से लाभ केंद्र में तब्दील करना है।

एमईआईएल को कुवैत से मिली 22.5 करोड़ डॉलर की परियोजना

हैदराबाद मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) ने कुवैत ऑयल कंपनी (केओसी) से पश्चिमी कुवैत में नई गैस स्वीटनिंग और सल्फर रिकवरी सुविधा का डिजाइन, निर्माण, संचालन एवं रखरखाव करने का ठेका जीता है। इस परियोजना की कुल लागत 22.55 करोड़ अमेरिकी डॉलर है। एमईआईएल के निदेशक पी. दोराया ने बताया कि यह परियोजना दो चरणों में पूरी होगी, कार्यान्वयन और संचालन एवं रखरखाव। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी कंपनी की विश्वस्तरीय ऊर्जा अवसंरचना प्रदान करने की प्रतिबद्धता और पर्यावरण सुरक्षा बढ़ाने के प्रयासों को दर्शाती है। यह परियोजना एमईआईएल के लिए रणनीतिक महत्व रखती है और कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इससे परिचालन दक्षता में भी वृद्धि होगी।

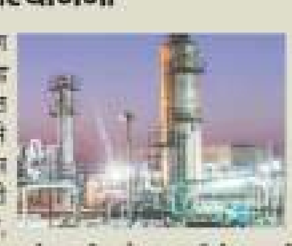

केनरा एचएसबीसी लाइफ का शेयर पांच फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 106 रुपये से करीब पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 106 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में बीएसई पर यह 4.62 प्रतिशत चढ़कर 110.90 रुपये पर और एनएसई पर 4.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 111 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,488 करोड़ रुपये था। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बुधवार को 2.29 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 2,517 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 100-106 रुपये प्रति शेयर था। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित एक संयुक्त उद्यम है। इसमें केनरा बैंक की 51 प्रतिशत और एचएसबीसी समूह की एचएसबीसी इंश्योरेंस (एशिया पैसिफिक) होल्डिंग्स की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

दिवाली से पहले शेयर बाजार में उछाल

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की संपत्ति में बंपर इजाफा

नई दिल्ली दिवाली से पहले शेयर बाजार में आई जबरदस्त तेजी ने अरबपतियों की संपत्ति में बंपर बढ़ोतरी की है। बीएसई सेंसेक्स में जोरदार तेजी के बीच कुछ चुनिंदा बिलिनेयर्स की नेटवर्थ में भारी बढ़त देखने को मिली। इस बीच मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की संपत्ति में अरबों डॉलर का इजाफा हुआ। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 1.69 प्रतिशत का उछाल आया, जिससे कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में करीब 1.81 अरब डॉलर यानी करीब 1,59,230 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति अब 99.6 अरब डॉलर हो गई है। इस साल उनकी संपत्ति में कुल 9.02 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है और वह दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में गुरुवार को 1.22 अरब डॉलर की बढ़त दर्ज हुई। उनकी कुल नेटवर्थ अब 92.3 अरब डॉलर है। वह दुनिया में 20वें और एशिया में दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी संपत्ति में कुल 13.6 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले इस साल के बिलिनेयर में ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन ने सबसे ऊपर का स्थान हासिल किया है। उनकी नेटवर्थ इस साल 180 अरब डॉलर बढ़ी है। दुनिया के टॉप 10 अमीर एलन मस्क की संपत्ति 448 अरब डॉलर, लैरी एलिसन की 372 अरब डॉलर, मार्क जुकरबर्ग की 251 अरब डॉलर, जेफ बेजोस की 238 अरब डॉलर, लैरी पेज की 220 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन की 206 अरब डॉलर, बर्नार्ड अर्नाल्ट की 194 अरब डॉलर, स्टीव बालमर की 176 अरब डॉलर, जेंसन हुआंग की 158 अरब डॉलर और माइकल डेल की संपत्ति बढ़कर 157 अरब डॉलर हो गई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 484 अंक, निफ्टी 124 बढ़ा

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 484.53 अंक बढ़कर 83,952.19 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.55 अंक ऊपर आकर 25,709.85 पर बंद हुआ।

कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 84,099.53 और निफ्टी 25,781.50 के स्तर पर पहुंचा। ये 52 सप्ताह के बाद का शीर्ष स्तर रहा। बाजार में एफएमसीजी शेयरों से निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.37 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी ऑटो 0.66 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.57 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.37 फीसदी ऊपर आया। वहीं निफ्टी आईटी 1.63 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.65 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.85 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, एमएंडएम, भारती एयरटेल, आईटीसी, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, मारुति सुजुकी, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और बीईएल के शेयर उछाल के साथ ही सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, एचसीएल टेक, इटरनल (जोमैटो), टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और एलएंडटी के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये।लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में गिरावट देखी गई। वहीं

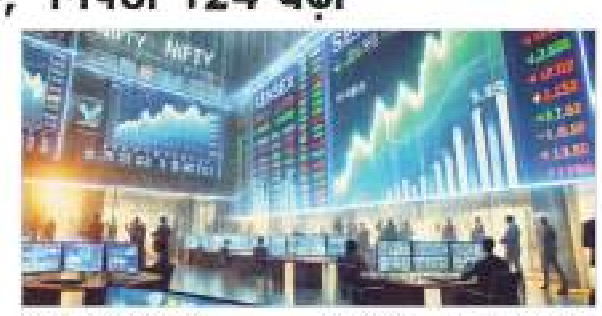

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक गिरकर 83,331 पर खुलने के बाद 65.32 अंक की गिरावट लेकर 83,402.34 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट लेकर 25,546 पर खुलकर 25,583 अंक पर लगभग सपाट कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखने को मिली। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1 फीसदी टूट गया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.60 प्रतिशत फिसल गया जबकि और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.47 फीसदी गिरा।

अमेरिका में भी वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए। क्षेत्रीय बैंकों में तनाव और अमेरिका-चीन व्यापार विवादों को लेकर चिंता के चलते निवेशकों ने मुनाफावसूली की। एसएंडपी 500 0.63 फीसदी टूटा, नेस्डेक 0.47 फीसदी नीचे बंद हुआ और डाउ जोंस 0.65 फीसदी गिरा।

विप्रो को दूसरी तिमाही में 3,246 करोड़ का मुनाफा

विप्रो ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही

मुंबई

देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में से एक विप्रो ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के रिजल्ट की घोषणा कर दी है। दूसरी तिमाही में कंपनी ने 3,246.2 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले एक फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 3,208.8 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वहीं, इस तिमाही कंपनी की परिचालन आय यानी ऑपरेशनल रेवेन्यू 2 फीसदी बढ़कर 22,697.3 करोड़ रुपये रही। हालांकि, खर्चों में भी 2 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई और यह 19,377.8 करोड़ रुपये रहा। विप्रो के आईटी सेगमेंट ने इस तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। आईटी कारोबार से रेवेन्यू 2 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 22,753 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल 22,262 करोड़ रुपये था।

आईटी सर्विसेज का रेवेन्यू भी 2 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 22,640 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, एक ग्राहक के दिवालिया होने की वजह से कंपनी को 116.5 करोड़ रुपये (13.1 मिलियन डॉलर) का नुकसान झेलना पड़ा, जिससे IT सर्विसेज का ऑपरेटिंग मार्जिन 16.7 फीसदी रहा। अगर इसे हटा दें तो मार्जिन 17.2 फीसदी था, जो सालाना आधार पर 0.4 फीसदी की बढ़त और तिमाही आधार पर 0.1 फीसदी की कमी को दर्शाता है।

कंपनी की प्रति शेयर आय 3.1 रुपये (0.03 डॉलर) रही, जो सालाना आधार पर 1 फीसदी ज्यादा है, लेकिन तिमाही आधार पर 2.5 फीसदी कम हुई। ऑपरेटिंग कैश फ्लो 3,390 करोड़ रुपये (381.5 मिलियन डॉलर) रहा, जो तिमाही आधार पर 17.6 फीसदी और सालाना आधार पर 20.7 फीसदी कम है। फिर भी, यह शुद्ध मुनाफे का 103.8 फीसदी रहा, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

अब ऑनलाइन सामान भी बेचेगा चेटजीपीटी

चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई और वालमार्ट के बीच हुआ सौदा

नई दिल्ली अभी तक तो चैटजीपीटी आपके सारे काम कर ही देता था। अब इस प्लेटफॉर्म पर एक और सुविधा मिलने वाली है। यह सुविधा ऑनलाइन शॉपिंग की है। दरअसल, चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई और फ्लिपकार्ट को चलाने वाली वालमार्ट के बीच डील हुई है। वॉलमार्ट, अपने संचालन को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश करते हुए, एजेंटिक एआई की दुनिया में कदम रख रहा है। ओपनएआई के साथ साझेदारी के जरिए, यह रिटेलर चैटजीपीटी का इस्तेमाल करके खरीदारों को स्टोर में खरीदारी करने में सक्षम बना रहा है। चैटजीपीटी के नए इंस्टेंट चेकआउट फीचर का इस्तेमाल करके, एआई-संचालित बॉट के साथ बातचीत करने वाले खरीदार वॉलमार्ट के उत्पादों को ब्राउज कर सकेंगे और ऐप के अंदर ही खरीदारी पूरी कर सकेंगे। वॉलमार्ट के सीईओ का कहना है कि कई वर्षों से ई-कॉमर्स खरीदारी का अनुभव केवल एक सर्च बार और आइटम प्रतिक्रियाओं की एक लंबी सूची तक सीमित रहा है। अब यह बदलने वाला है। हम स्वाकों और ओपनएआई के साथ इस महत्वपूर्ण कदम सहित साझेदारियों के माध्यम से उस अधिक सुखद और सुविधाजनक भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

गणेश इन्फ्रावर्ल्ड दिसंबर से जम्मू-कश्मीर में जल परियोजनाएं करेगा शुरू

नई दिल्ली बुनियादी ढांचा कंपनी गणेश इन्फ्रावर्ल्ड दिसंबर 2025 से जम्मू-कश्मीर में 105.77 करोड़ रुपये की दो जल एवं सीवेज शोधन परियोजनाओं पर काम शुरू करेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये परियोजनाएं केंद्र शासित प्रदेश में जल प्रबंधन एवं सीवेज अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए सरकार के प्रयास का हिस्सा हैं। विशेष रूप से श्रीनगर-बडगाम क्षेत्र में, जहां तेजी से शहरी विस्तार और स्थानीय जल निकायों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। अधिकारी ने कहा कि हम कुछ स्वीकृतियों का इंतजार कर रहे हैं जो किसी भी समय मिल सकती हैं। इस साल दिसंबर से दो जल और सीवेज शोधन परियोजनाओं पर काम शुरू करने की उम्मीद है। इन दो परियोजनाओं में बापी-मेहताब से अलोची बाग तक शोधन सुविधाओं का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 44.07 करोड़ रुपये है। इसके अलावा चड्डूरा और बापी-मेहताब के बीच 61.70 करोड़ रुपये की लागत से शोधन सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

हिन्दू धर्म में धन्वंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धन्वंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धन्वंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धन्वंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धन्वंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धन्वंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धन्वंतरी का अवतार लिया था। भगवान धन्वंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए। शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्राचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए। इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया। बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ्य अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि -

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ॐ नमः।

विधि - सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है- 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है

धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।

इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दु:ख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दु:ख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दु:खी हो गये। समय बिताता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के सामने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।

कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-

कुबेर देव का मंत्र-

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धान्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हो तो इन पंक्तियों का पाठ करें-

जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोविद कहि सके कहां ते।।

इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रूप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित है.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ी कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं, एक पौराणिक कथा के अनुसार रंति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे, जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढ़ते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता है. उन्हें सारा वृत्तान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्राह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं, तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इन कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुन: पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अत: तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

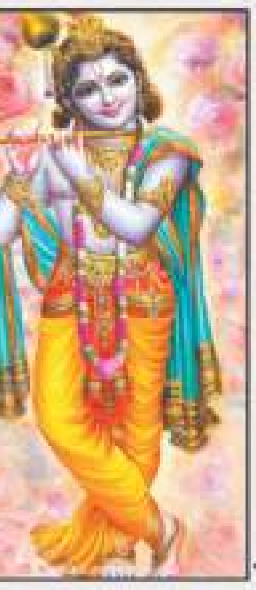

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विश्रवा के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिक्पाल का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।

आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गोरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगे, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ निधियों के खजाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।

समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा नवग्रह मंदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूज्य यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं-

-यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। -कर्ज से मुक्ति मिलती है। -गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। -व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। -आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। -किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

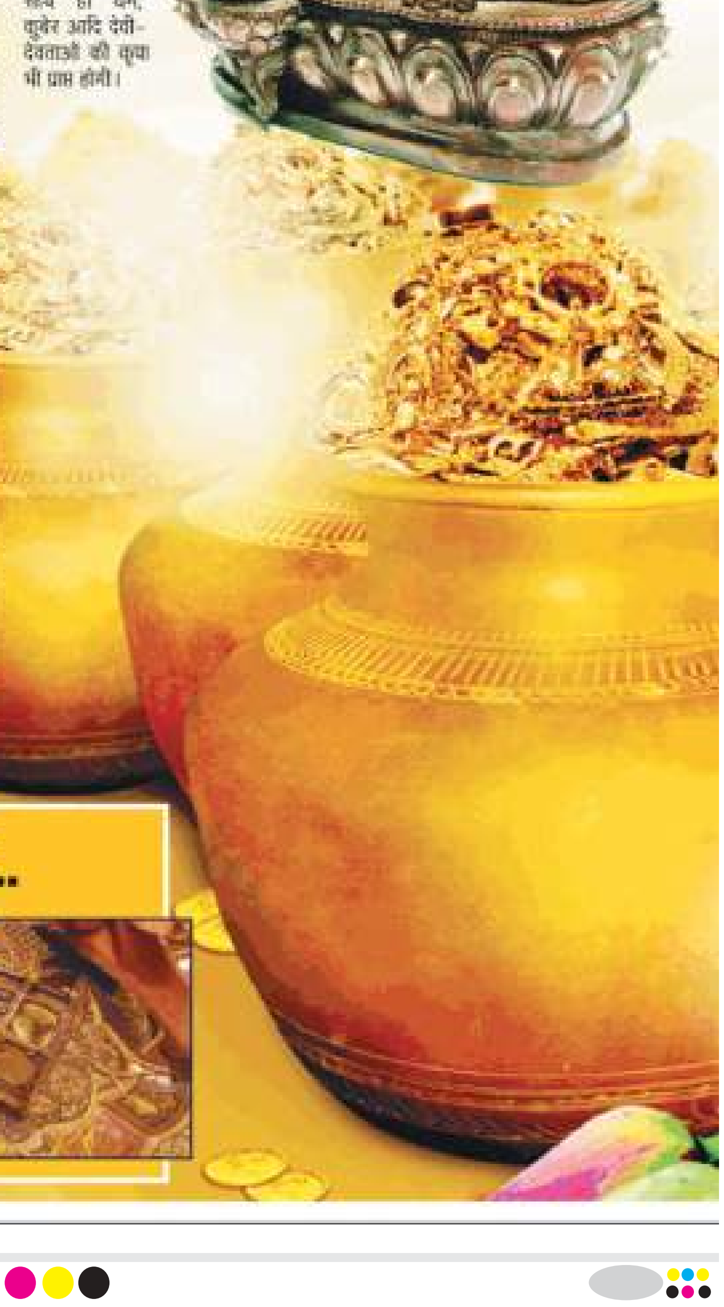

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-

कुबेर मंत्र -

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

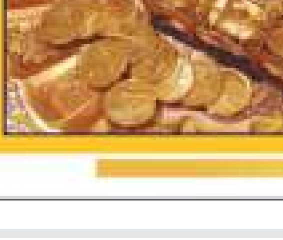

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सत्ता,रणनीति और जाति की नई बिसात

विनोद कुमार सिंह

दो दशक बाद बिहार में सत्ता समीकरणों की नई पटकथा 'छोटे दलों के सामने बड़े खिलाड़ी नतमस्तक,नीतीश की पकड़ ढीली,बीजेपी की चालें गहरी'

बिहार का यह पहला चुनाव होगा,जब लगातार बीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी बीजेपी और जेडीयू - दोनों ही अपने अब तक के सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। आप को बता दे कि सन 2003 में जदयू की स्थापना के बाद पार्टी ने 2005 में 138 सीटों पर,2010 में 141 सीटों पर,2015 में 101सीटों पर(राजद के साथ गठबंधन में),और 2020 में 115 सीटों पर बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था,लेकिन 2025 में यह संख्या घटकर करीब 84 सीटों तक सीमित रह गई है।यानी 20 वर्षों के शासन के बाद भी नीतीश कुमार की जदयू का सीट शेयरिंग अनुपात करीब 27% घट गया है।दूसरी ओर, बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी को भी अपने सहयोगी दलों के दबाव में सीटों का त्याग करना पड़ा है। 2005 में वह 101 सीटों, 2010 में 102, 2015 में जब नीतीश उनके साथ नहीं थे तो 157 सीटों पर उतरी,2020 में 110 सीटों पर और अब 2025 में फिर घटकर 101 सीटों पर आ गई है। ये आंकड़ा दिखाता है कि सत्ता में साझेदारी का अनुपात कम होने के बावजूद,बिहार की राजनीति में जाति और क्षेत्रीय समीकरण आज भी निर्णायक हैं। बिहार की राजनीति का यह दिलचस्प पहलू है कि यहाँ राष्ट्रीय पार्टियाँ जातीय समीकरणों के आगे झुकती रही हैं। बीजेपी और जेडीयू को इस बार भी चिराग पासवान (एलजेपीरामविलास),जीतन राम मांझी(हम),उपेंद्र कुशवाहा(आरएलएम)और मुकेश सहनी (वीआईपी)जैसे छोटे लेकिन जाति- आधारित दलों से समझौता करना पड़ा है।इन सभी दलों ने अपनी-अपनी जातियों को राजनीतिक रूप से संगठित कर,एक ऐसा वोट बैंक बना लिया है जिसमें राष्ट्रीय पार्टियाँ सेंध नहीं लगा पाई।यही कारण है कि बीजेपी और जेडीयू जैसी बड़ी पार्टियाँ इन्हें साथ रखे बिना सत्ता तक पहुँचने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं।1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव ने 'जाति ही पहचान है' का जो नारा दिया था,उसने बिहार की राजनीति की दिशा ही बदल दी थी।आज भी बिहार में वही जातीय गणित सत्ता की चाबी तय करता है।बस चेहरे बदल गए हैं, लेकिन जाति का समीकरण जस का तस कायम है।1995 के बाद से बिहार की राजनीति में जो स्थायी पैटर्न उभरकर आया है,वही मुकाबला दो दलों के बीच नहीं बल्कि दो गठबंधनों के बीच होता है।2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजे इसका प्रमाण हैं - राजद को मिले 23.1% वोट,भाजपा को 19.5%,जदयू को 15.4%, कांग्रेस को 9.5% वोट,जबकि छोटे दलों ने मिलकर 23.9% वोट बटोरे।यह आँकड़ा बताता है कि छोटे दल भले अकेले सत्ता में न आएं,लेकिन बड़े दलों का खेल जरूर बिगाड़ देते हैं।वे बिखरे हुए वोटों को जोड़कर किसी गठबंधन को बढ़त दिला सकते हैं।यही वजह है कि बिहार की राजनीति में छोटे क्षेत्रीय दल 'किंगमेकर' बन चुके हैं।छोटे दल,बड़ी भूमिका-जाति के गणित से सत्ता की रचना चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास)दलितों और विशेषकर पासवान समुदाय की राजनीतिक आवाज है।जीतन राम मांझी की 'हम'(हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा)मुसहर और अनुसूचित जातियों के बीच प्रभाव रखती है।उपेंद्र कुशवाहा की 'आरएलएम '(राष्ट्रीय लोक जनशक्तिमोर्चा) कोइरी- कुशवाहा वर्ग की आवाज है,तो मुकेश सहनी की 'वीआईपी' निषाद समाज का प्रतिनिधित्व करती है। इन चारों नेताओं ने अपनी जातियों को राजनीतिक चेतना दी,और यही चेतना अब गठबंधन की अनिवार्यता बन गई है।बीजेपी और जेडीयू के रणनीतिकारों को यह पता है कि बिना इन जातीय दलों के,वोटों का अंकगणित जीत में तब्दील नहीं हो सकता।बीजेपी ने इस बार बहुत खामोशी और चालाकी से बिहार में अपनी राजनीतिक बिसात बिछाई है।उसने नीतीश कुमार को छह इंच छोटा कर दिया -यानी जदयू की सीटें घटाई,और अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया कि वे दो- तीन सीटों से ज्यादा न जीत पाएं, ताकि बाद में उनके साथ समझौता आसान हो।बीजेपी ने संजय झा जैसे नेताओं के जरिए जदयू में सेंध भी लगा दी है।अब स्थिति यह है कि उम्मीदवार चयन में भी बीजेपी का अंतिम फैसला होगा।यानी चुनाव के बाद अगर जेडीयू सत्ता में रहती भी है,तो उसका नियंत्रण नीतीश कुमार के नहीं,बल्कि बीजेपी के हाथों में होगा।नीतीश के पास तब दल बदलने की भी हैसियत नहीं बचेगी, क्योंकि उनके अधिकांश सांसद पहले से ही बीजेपी के संपर्क में बताए जाते हैं।यहाँ तक कि केंद्र सरकार पर भी नीतीश का कोई दबाव नहीं रह जाएगा।मोदी के हनुमान व नीतीश के शत्रु बीजेपी ने इस चुनाव में चिराग पासवान को 29 सीटें दी हैं राजनीतिक सूत्रों के अनुसार इनमें से 8 से 10 उम्मीदवार बीजेपी के अपने होंगे,जो एलजेपी के चुनाव- चिह्न पर लड़ेंगे।यानी चिराग के कंधे पर बैठकर बीजेपी अपनी चाल चल रही है।चुनाव के बाद यही एलजेपी के टिकट वाले विधायक बीजेपी के पाले में जा सकते हैं,जिससे नीतीश कुमार की स्थिति कमजोर और बीजेपी की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी मजबूत हो जाएगी।यह ठीक वैसा ही परिदृश्य होगा जैसा महाराष्ट्र में शिंदे-बालासाहेब गुट के उभार के समय हुआ था।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर बीजेपी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो वह एलजेपी और हम जैसी पार्टियों के सहारे सत्ता का चेहरा बदल सकती है,और नीतीश कुमार को 'शिंदे' जैसा हाशिये पर पहुँचा सकती है। नीतीश की राजनीतिक आत्मघात या मजबूरी का गठबंधन -नीतीश कुमार के राजनीतिक यात्रा में यू-टर्न लेना नई बात नहीं,लेकिन 2025 का चुनाव उनके करियर का शायद सबसे जोखिम भरा मोड़ है।उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए बार-बार गठबंधन बदले,लेकिन इस बार गठबंधन ने उन्हें बदल दिया है।बीजेपी के साथ रहते हुए अब वे मुख्यमंत्री पद के प्रतीक मात्र बनते जा रहे हैं।पार्टी की सीटें घट गईं, संगठन में मतभेद बढ़े और उनके करीबी नेता तक बीजेपी के संपर्क में बताए जा रहे हैं।नीतीश अब उस स्थिति में हैं कि अगर वे असंतुष्ट भी हों,तो सुशासन बाबू के हाथ में कुछ नहीं लगेगा।वे ना तो गठबंधन तोड़ सकते हैं,ना ही अपना दबाव बना सकते हैं।देश की राजनीति अब पूरी तरह मोदी के नाम और चेहरे पर केंद्रित हो चुकी है,लेकिन बिहार अब भी जातीय पहचान की राजनीति से मुक्त नहीं हुआ है।बीजेपी का राष्ट्रवाद और 'एक रंग' वालीराजनीति,बिहार के बहुरंगी जातिगत समीकरणों से बार-बार टकराती है।मोदी-शाह की रणनीति यह है कि बिहार को धीरे- धीरे जाति की जकड़ से निकालकर राष्ट्रीय एजेंडे में लाया जाए,लेकिन राजनीतिक व्यवहार में यह अभी संभव नहीं दिखता।क्योंकि बिहार का वोटर विकास के साथ-साथ जाति और मान-सम्मान के सवाल को भी मतदान का आधार बनाता है।एकता में दरारें और नेतृत्व का संकट- अगर हम विपक्षी खेमे की बात करें तो महागठबंधन में भी एकता का संकट कम नहीं।राजद, कांग्रेस,वामदल और अन्य छोटे दलों के बीच सीट बंटवारे और नेतृत्व पर मतभेद गहराते जा रहे हैं।तेजस्वी यादव के नेतृत्व को लेकर कांग्रेस और वामपंथी दलों में हिचक है, जबकि कांग्रेस खुद संगठनात्मक रूप से कमजोर है।हालांकि महा गठबंधन का वोटबैंक अब भी लगभग 45 प्रतिशत के आसपास माना जाता है,लेकिन अगर सीटों पर तालमेल बिगड़ा तो इसका सीधा लाभ एनडीए को मिलेगा।जाति जितनी मजबूत,सत्ता में उतनी धमक मजबूत-बिहार की राजनीति का यह निष्कर्ष बार-बार दोहराया जा सकता है कि 'जाति जितनी मजबूत, सत्ता में उतनी धमक मजबूत।' आज के बिहार में कोई भी पार्टी जातिगत समीकरणों की उपेक्षा कर चुनाव नहीं जीत सकती।बीजेपी के पास मोदी का चेहरा है,राजद के पास लालू-तेजस्वी की सामाजिक समीकरण की पूँजी,और जदयू के पास अब भी 'सुशासन बाबू' का चेहरा,लेकिन निर्णायक शक्ति उन्हीं छोटे दलों के पास है जो जातियों को संगठित वोट बैंक में बदल चुके हैं।संक्षेप में बिहार का नया राजनीतिक युग2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का नहीं,बल्कि सत्ता की साझेदारी और नियंत्रण का चुनाव है।यह चुनाव तय करेगा कि क्या नीतीश कुमार अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बचा पाएंगे,

या फिर बीजेपी अपनी चालों से बिहार की सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगी।बिहार का यह चुनाव यह भी दिखाएगा कि क्या मोदी का राष्ट्रवाद जातीय राजनीति को मात दे पाएगा,या फिर बिहार एक बार फिर यह साबित करेगा कि यहाँ सत्ता की चाबी जाति के पास ही रहती है।बिहार की राजनीति का यह संदेश साफ है कि यहाँ के छोटे दल भले आकार में छोटे हों,पर प्रभाव में बड़े हैं।और इस बार,बिहार का मतदाता तय करेगा कि सत्ता की डोर दिल्ली की मंशा से चलेगी या पटना की मिट्टी से ये अभी अतीत के गर्भ में है,जिसकी असली चाबी मतदाताओं के पास है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है)

संपादकीय

महंगाई की कितनी आपूर्ति

सरकारी कर्मचारियों का भुगतान फिर दिवाली की किस्त में दर्ज हुआ, तो हिमाचल सरकार ने महंगाई की आपूर्ति में तीन कदम बढ़ा दिए। सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनतीं, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। यहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का विछड़ा एचआरटीसी पेंशनरों को सड़क पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। कब तक एचआरटीसी के प्रदर्शन में सार्वजनिक धन को जलाना पड़ेगा। आश्चर्य के बीच मुंह सरकारी नखरे हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का निवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा। यह इसलिए कि बिजली बोर्ड कर्मचारी ओपीएस बहाली की सतह पर गर्म मिजाज रखते हैं। यह स्वाभाविक आक्रोश हो सकता है क्योंकि कर्मचारी तो कर्मचारी है, चाहे एक डाल पर बैठे या दूसरी पर। गुनाह तो राजनीतिक होते हैं जो कब्र पर महल बनाकर पुण्य कमाना चाहते हैं। हैं कब्रें बहुत और हर विभाग में बहुत हैं।

चिंतन-मनन

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रुक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रुपए तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं। इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि दया धर्म का मूल है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी। दारा ने नजर उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया। दारा की बेबसी पर जो लोग सिर झुकाए खड़े थे सभी दारा की उदारता और दयालुता को देखकर जयजयकार करने लगे। दारा का झुका हुआ सिर गर्व से ऊपर उठ गया और औरंगजेब के सैनिकों का सिर शर्म से झुक गया। भले ही आप कभी तीर्थ स्थल न जाएं लेकिन जरूरत के समय लोगों की सहायता कर दें तो कई तीर्थ यात्रा का फल आपको घर बैठे मिल जाता है।

धनतेरस पर धन और स्वास्थ्य दोनों को समर्पित संकल्प

दिलीप कुमार पाठक

आमतौर पर धनतेरस को दीपावली के प्रवेश पर्व के रूप में मनाया जाता है। कई महीनों से निरंतर साफ - सफाई एवं तमाम तरह की तैयारियों के बाद धनतेरस खुशियों की सौगात लेकर आता है। सही मायने में धनतेरस से दीपावली की खुशबू आने लगती है। धनतेरस केवल हिन्दू धर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय बाजार को भी चलाता है, धनतेरस ही तो पर्व है जब बाजार गुलजार हो जाते हैं, जो लोग कभी खरीदारी नहीं करते वे भी धनतेरस के दिन संरक्षित पूंजी खर्च कर डालते हैं, यही कारण है कि इस त्यौहार का खासा महत्व है। वैदिक दृष्टि से देखा जाए तो धनतेरस भगवान धनवंतरि एवं मृत्यु के देवता यमराज को समर्पित है। इस दिन वैदिक देवता यमराज का पूजन किया जाता है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है, जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है, अन्यथा यमराज की पूजा कोई नहीं करता, सभी देवताओं के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने के लिए त्योहारों की स्थापना की गई है अगर ये कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी, हालांकि भारतीय त्योहार भारतीय समाज की जीवन शैली को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं"

धनतेरस हिन्दू धर्म में मनाया जाने वाला प्रसिद्ध त्योहार है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन भगवान धन्वन्तरि का जन्म हुआ था, इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने इसे आधुनिक स्वरूप देने के लिए और लोगों को जोड़ने के लिए धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। सरकार का यह निर्णय सराहनीय है, हमारे धार्मिक त्योहारों, एवं पर्वों को आधुनिक बनाते हुए नव पीढ़ी को जोड़ने से समाज में सकारात्मकता आ सकती है। आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि धनतेरस आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घरों में नए बर्तन खरीदते हैं और उनमें पकवान रखकर भगवान धन्वंतरि को अर्पित करते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि असली धन तो स्वास्थ्य है, इसलिए ही तो कहते हैं पहला सुख निरोगी काया....

धन्वंतरि ईसा से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व हुए थे। वह काशी के राजा महाराज धन्व के पुत्र थे। उन्होंने शल्य शास्त्र पर महत्त्वपूर्ण गवेषणाएं की थीं। उनके प्रपौत्र दिवोदास ने उन्हें परिमार्जित कर सुश्रुत आदि शिष्यों को उपदेश दिए इस तरह सुश्रुत संहिता किसी एक का नहीं, बल्कि धन्वंतरि, दिवोदास और सुश्रुत तीनों के वैज्ञानिक जीवन का मूर्त रूप है। धन्वंतरि के जीवन का सबसे बड़ा वैज्ञानिक प्रयोग अमृत का है। उनके जीवन के साथ अमृत का कलश जुड़ा है। वह भी सोने का कलश। अमृत निर्माण करने का प्रयोग धन्वंतरि ने स्वर्ण पात्र में ही बताया था। उन्होंने कहा कि जरा मृत्यु के विनाश के लिए ब्रह्मा आदि देवताओं ने सोम नामक अमृत का आविष्कार किया था। सुश्रुत उनके रासायनिक प्रयोग के उल्लेख हैं। धन्वंतरि के संप्रदाय में सौ प्रकार की मृत्यु है। उनमें एक ही काल मृत्यु है, शेष अकाल मृत्यु रोकने के प्रयास ही निदान और चिकित्सा हैं। आयु के न्यूनाधिक्य की एक-एक माप धन्वंतरि ने बताई है।

कई बार हम त्योहारों को मनाते हुए अपनी खुशियों के साथ दूसरों के दुख का कारण बन जाते हैं, अतः हमें इस बात की सावधानी रखनी चाहिए, असली त्योहार का अर्थ यही है कि हम किसी को प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष हानि न पहुंचाएं ल असावधानी और लापरवाही से मनुष्य बहुत कुछ खो बैठता है। विजयादशमी और दीपावली के आगमन पर इस त्योहार का आनंद, खुशी और उत्साह बनाये रखने के लिए सावधानीपूर्वक रहें। पटाखों के साथ खिलवाड़ न करें पटाखे चलाना खुशियो के प्रतीक नहीं बल्कि अशांति फैलाते हैं, कई बार इससे बुजुर्गों, बेजुबान जानवरों को खासी तकलीफ का सामना करना पड़ता है, इसलिए हम सब की जिम्मेदारी बन जाती है कि हम इस शांति को बनाए रखें' मिठाइयों और पकवानों की शुद्धता, पवित्रता का ध्यान रखें। भारतीय संस्कृति के अनुसार आदर्शों व सादगी से मनायें। पाश्चात्य जगत का अंधानुकरण ना करें। भारत सरकार हमेशा स्वदेशी का नारा लगाती है कोशिश करें कि आपकी खरीदारी के बाद किसी जरूरतमंद व्यक्ति की दीवाली भी खुशी एवं प्रसन्नता से मने। धनतेरस को संकल्प लें कि दीवाली बेशुमार खुशियों की सौगात लेकर आए।

1857 के विद्रोह का असली नायक मातादीन भंगी के योग दान को नजर-अंदाज नहीं किया जा सकता

हरे राम पंडित

मातादीन भंगी एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने 1857 के भारतीय विद्रोह के शुरू होने से ठीक पहले की घटनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 1857 के विद्रोह के बीज बोए। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का शोला मंगल पाण्डेय थे तो शोले में आग पैदा करने की प्रथम चिंगारी मातादीन भंगी थे। जब देश के आजादी आन्दोलन की बात छिड़ती है तो कमजोर वर्ग उसमें कहीं नहीं दिखते। परन्तु ऐसी बात नहीं है। जो लोग अंग्रेजों के साथ रहे,वो राय साहब,राय बहादुर की उपाधियों से सुसज्जित होते रहे, उन्हें देशभक्तों की श्रेणी में ला दिया गया। जबकि उनके उपर न जाने कितने क्रान्तिकारियों के खून का कर्ज चढ़ा है। इतिहासकारों ने ऐसे अनेकों क्रान्तिकारियों के बलिदान को इतिहास के पन्नो में समुचित जगह नहीं दिया। ऐसे अनेकों भारतीय क्रान्तिकारियों में चेतराम जाटव, बांके चमार,गंगू बाबा जो तत्कालीन अछूत एवं कमजोर वर्गों से थे।

स्वतंत्रता संग्राम 1857 का असली नायक मातादीन भंगी, मंगल पाण्डेय से पहले फांसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारी थे।

मातादीन के पूर्वज मेरठ के रहने वाले थे। मगर वे नौकरी के सिलसिले में अंग्रेजों की तत्कालीन राजधानी कोलकाता में बस गए थे। वहां मातादीन बैरकपुर कारतूस फैक्ट्री में बाल्मीकि मजदूर थे।चमड़े और जानवरों की खाल से काम करना निचली जातियों का पेशा माना जाता था। अंग्रेज फौज के संपर्क में रहने से मातादीन को वहां की सारी गतिविधियों की जानकारी रहती थी। बात 22 जनवरी 1857 की है। वहां सैनिक के तौर पर मंगल पाण्डेय भी थे जो ब्राह्मण थे। मातादीन भंगी जो अछूत थे, उनको प्यास लगी थी तो उसने ब्राह्मण मंगल पाण्डेय से पानी मांगा लेकिन जातिगत भेद भाव के कारण मंगल पाण्डेय ने मना कर दिया। तब मातादीन भंगी ने मंगल पाण्डेय से कहा, आप अपने आप को ऊंची जाति के ब्राह्मण परिवार पर गर्व करते हैं, और आप को पता है कि जिन कारतूसों को अपने मुंह में डालकर दांतों से काट कर बन्दूक में लगाते हैं,उन कारतूसों पर गाय और सुअर की चर्बी लगी होती है।यह सुनकर मंगल पाण्डेय के अन्दर अंग्रेजों के प्रति विद्रोह की ज्वाला भड़क उठी।मंगल पाण्डेय के साथ साथ अन्य सैनिकों, हिन्दुओं और मुसलमानों में विद्रोह का झंडा बुलंद हो गया। मातादीन भंगी ने केवल मंगल पाण्डेय को ही नहीं, अन्य सैनिकों को भी इस घटना के बारे में बताया , जिससे विद्रोह की आग एक बटालियन से दूसरी बटालियन तक फैल गई। विद्रोह भड़कने के बाद अंग्रेजों ने मातादीन भंगी को विद्रोह के मुख्य आरोपी के रूप में गिरफ्तार कर लिया। उन्हें 8 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई थी। वैसे मंगल पाण्डेय को भी 29 मार्च 1857 को अंग्रेजों पर गोली चलाने के जुर्म में 8 अप्रैल 1857 को फांसी दी गई थी।

मातादीन भंगी 1857 की क्रांति के शुरुआती शहीदों में से एक थे। मातादीन भंगी के योगदान को अक्सर नजर-अंदाज कर दिया जाता है , और बहुत इतिहासकार उन्हें 1857 के विद्रोह का असली नायक मानते हैं।

मातादीन भंगी ने 1857 के विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया और शहीद होने वालों में अग्रणी रहे,ऐसे बलिदानी के बारे में लोगों को जानकारी होनी चाहिए, अतः इतिहास मातादीन भंगी को नजर-अंदाज नहीं कर सकता।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

छोटे भाई ईशान खट्टर की फिल्म होमबाउंड को मिली लोकप्रियता पर खुश हुए शाहिद कपूर

असिस्टेंट के रूप में अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर ईशान खट्टर अपनी फिल्म होमबाउंड को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्मफेयर तक में सुर्खियां बटोर रहे हैं। ईशान और जान्हवी कपूर की फिल्म को बहुत पसंद किया जा रहा है, लेकिन कमाई के मामले में फिल्म आज भी पीछे है, लेकिन इसी फिल्म को कान्स और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी कहानी के लिए स्टैंडिंग ओवेशन मिली थी। अब शाहिद कपूर ने अपने छोटे भाई ईशान की खुलकर तारीफ की है। शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट की है जिसमें शाहिद और ईशान एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं। दोनों भाइयों के बीच अच्छा बॉन्ड देखा जा रहा है। उन्होंने कैप्शन में ईशान पर गर्व महसूस करने की बात कही और लिखा, ये लड़का एक कलाकार है जो घर से जुड़ा हुआ है। ईशान, मुझे आप पर गर्व है। तुम्हें एक एक्टर के तौर पर पहचान बनाते हुए और अपने काम को पूरी ईमानदारी से करते देखना खुशी की बात है। शाहिद अपनी पोस्ट में अपनी खुशी शब्दों से जाहिर नहीं कर पा रहे हैं और बार-बार ईशान पर गर्व करने की बात कर रहे हैं।

फिल्म होमबाउंड में ईशान की एक्टिंग की तारीफ हर तरफ हो रही है। उन्होंने फिल्म में एक गरीब और छोटी जाति के लड़के का रोल प्ले किया है, जो सरकारी नौकरी पाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति बदलना चाहता है, लेकिन वर्क प्लेस पर भी छोटी जाति को लेकर ईशान को जातिसूचक शब्दों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर भी हैं। ये तीनों दोस्त ही सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, लेकिन फिल्म में ट्विस्ट तब आता है जब विशाल और ईशान दोनों को ही जाह्नवी कपूर से प्यार हो जाता है। फिल्म संघर्ष, पहचान और प्यार तीनों भावों को दिखाती है। कमाई के मामले में फिल्म काफी पीछे है। फिल्म पहले दो दिन में मात्र 80 लाख का ही कलेक्शन करने में कामयाब रही। ये एक्टर की सबसे कम कमाई करने वाली फिल्मों में आती है। ईशान की पहली फिल्म धड़क का पहले दिन का कलेक्शन लगभग 8 करोड़ रुपये था और उनकी दूसरी फिल्म फोन भूत ने भी पहले दिन लगभग 2 करोड़ की कमाई की थी। फिर भी ईशान के लिए होमबाउंड बहुत खास है, इस फिल्म से उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली है।

गोलू गुप्ता की वापसी

श्वेता त्रिपाठी ने शुरू की मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने 'मिर्जापुर' सीरीज में गोलू गुप्ता का रोल प्ले किया था। यह किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया। अब इसी किरदार को वह मिर्जापुर फिल्म में दोहराती दिखाई देंगी। उन्होंने फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू कर दी है। श्वेता त्रिपाठी ने एक इंटरव्यू में बताया कि गजगामिनी गुप्ता उनका पसंदीदा किरदार है और वह फिल्म की शूटिंग शुरू होने से बहुत खुश हैं। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, मैं इस समय बहुत खुश हूं क्योंकि मैं अपने दूसरे घर, बनारस में अपने सबसे पसंदीदा और दिल के सबसे करीब प्रोजेक्ट्स में से एक मिर्जापुर की शूटिंग कर रही हूं। मैं अपने गजगामिनी गुप्ता के किरदार को बहुत प्यार करती हूं और इसे फिर से प्ले करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। श्वेता ने कहा, इसकी शूटिंग रात में हो रही है। इसके लिए बहुत खूबसूरत सेटअप किया गया है। हम पूरी रात बढ़िया कुल्हड़ में चाय भी पिएंगे। मिर्जापुर के कलाकार भी बहुत खास हैं और आज सभी लोग वहां मौजूद हैं, इसलिए बातचीत तो होगी ही। गंगा आरती भी बहुत अच्छी रही, तो मेरे लिए दीपावली शुरू हो चुकी है।

इस फिल्म में अली फजल एक पहलवान के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी। इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है।

फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं। इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज डेट तय नहीं हुई है, मगर इसे अगले साल तक रिलीज किया जाएगा।

पेन किलर्स के सहारे पूरा किया था कांतारा चैप्टर 1 का क्लाइमैक्स सीन

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' इन दिनों सिनेमाघरों में जमकर कमाई कर रही है। फिल्म जल्द 500 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है। फिल्म को थिएटर में रिलीज हुए अभी सिर्फ 11 दिन हुए हैं। इस फिल्म की शूटिंग के वक्त ऋषभ शेट्टी को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा लेकिन उनकी मेहनत अब रंग ला रही है। हाल ही में ऋषभ एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें कुछ तस्वीरें भी थीं। साथ ही उन्होंने बताया कि किस तरह से फिल्म का क्लाइमैक्स सीन शूट किया था। ऋषभ शेट्टी अपनी पोस्ट में लिखते हैं, 'क्लाइमैक्स की शूटिंग का वक्त, सूजा हुआ पैर, आराम से बैठा शरीर। आज करोड़ों लोगों ने इसे देखा और पसंद किया है। यह सिर्फ उन शक्तियों के आशीर्वाद से ही संभव है जिन पर हम विश्वास करते हैं। आप सभी का शुक्रिया जिन्होंने फिल्म देखी।' पोस्ट में ऋषभ ने अपने सूजे हुए पैरों की तस्वीर भी साझा की है। पैरों की हालत देखकर समझा जा सकता है कि ऋषभ के लिए यह सीन शूट करना कितना मुश्किल रहा होगा। पिछले दिनों दिल्ली में 'कांतारा चैप्टर 1' की सक्सेस पार्टी में भी ऋषभ शेट्टी बताया था कि पेन किलर लेकर क्लाइमैक्स सीन पूरा किया था। वह कहते हैं, 'हमने रात और दिन, दोनों ही समय में फिल्म शूट की। 10-15 दिन तो मैंने मुश्किल से शूटिंग की, पेन किलर्स लेकर काम किया। मैं थोड़ा आराम करता, फिर सीन शूट करता था। ऋषभ ने अपनी टीम को पूरा क्रेडिट दिया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निर्देशक को सपोर्ट किया है।

'कांतारा चैप्टर 1' का कलेक्शन

'कांतारा चैप्टर 1' के कलेक्शन की बात करें तो अब तक भारत में यह फिल्म 478.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। जल्द ही यह फिल्म 500 करोड़ क्लब में शामिल हो जाएगी। फिल्म वर्ल्डवाइड भी अच्छा कमा रही है, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब तक 623 करोड़ रुपये हो चुका है।

9 टू 5 जॉब से एक्टिंग की तुलना वाले बयान पर काजोल ने तोड़ी चुप्पी

काजोल ने अपने टॉक शो 'टू मच' में पिछले दिनों कहा था कि एक्टर्स 9 से 5 की नौकरी करने वालों से ज्यादा मेहनत करते हैं। यह बात सोशल मीडिया यूजर्स को रास नहीं आई, काजोल को इस बात के लिए ट्रोल किया गया। काजोल ने फिर इस बात को लेकर बयान दिया है, साथ ही अपनी पुरानी बातों को सही साबित करने के लिए कुछ बातों का जिक्र किया है।

हम पर बहुत दबाव होता है

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में काजोल कहती हैं, 'एक्टिंग बहुत एक्टिव रहने वाला काम है। जब हम शूटिंग पर होते हैं तो पूरा ध्यान उसी काम पर होता है। मैंने 35 से 40 दिनों तक सीरीज 'द ट्रायल 2' के लिए लगातार शूटिंग की। इस दौरान एक्सरसाइज पर, डाइट पर ध्यान दिया। हमारे लुक में जरा सा चेंज भी पूरे प्रोसेस को खराब कर सकता है। इस वजह से हम पर बहुत दबाव होता है।'

टी ब्रेक तक नहीं पाते एक्टर्स

काजोल आगे कहती हैं, 'जब आप 9 से 5 की नौकरी करते हैं, तो टी ब्रेक ले सकते हैं, थोड़ा आराम कर सकते हैं। हम ऐसा नहीं कर सकते हैं। हम कैसे बैठते हैं? कैसे मुस्कुराते हैं? इन बातों पर भी नजर रखी जाती है। हम एक केतली की तरह हैं, जो हमेशा उबलती रहती है। हमें हमेशा अलर्ट रहना होता है, हम अक्सर टेंशन में रहते हैं और हम ऐसे ही जीते हैं।'

इस फिल्म में नजर आएंगी काजोल

काजोल की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो वह 'महारागिनी' में नजर आएंगी। इस साल वह 'मां' और 'सरजमीं' जैसी फिल्मों में दमदार किरदार निभाती दिखीं। साथ ही इन दिनों ट्विंकल खन्ना के साथ टॉक शो 'टू मच' कर रही हैं। इस शो पर बॉलीवुड सेलेब्स आते हैं और मजेदार किस्से साझा करते हैं।

कंगना रनौत ने खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना रनौत अक्सर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख तो दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना रनौत ने यह बात दिल्ली के एक इवेंट में कही। एक्ट्रेस ने कहा कि छोटे से गांव से किसी ने भी उनकी जैसी सफलता हासिल नहीं की है। इसके बाद उन्होंने अपनी जड़ों और बॉलीवुड में अपने सफर के बारे में बात की।

खुद को बताया शाहरुख से ज्यादा मेहनती

कंगना ने फिर कहा, हो सकता है कि अन्य लोग इससे असहमत हों, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं बेहद ईमानदार हूं, न केवल लोगों के साथ, बल्कि खुद के साथ भी। मैंने बॉलीवुड में कदम जमाने के लिए बहुत मेहनत की है।

मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

अरिजीत के साथ झगड़े पर सलमान ने तोड़ी चुप्पी

सलमान खान ने हाल ही में गायक अरिजीत सिंह के साथ अपने कथित झगड़े पर खुल कर बात की है। सुपरस्टार ने इसे गलतफहमी बताया है। बिग बॉस 19 के वीकेंड का वॉर एपिसोड में सलमान ने खुलासा किया कि दोनों के बीच कभी कोई असली दुश्मनी नहीं थी। वे अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गलतफहमी अरिजीत की तरफ से नहीं, बल्कि उनकी तरफ से हुई थी।

अवॉर्ड लेने मंच पर गए अरिजीत

लगभग एक दशक से चली आ रही यह कहानी 2014 के स्टार गिल्ड अवॉर्ड्स की है। उस वक्त अरिजीत सिंह अपने बेहतरीन गाने तुम ही हो से मशहूर हुए थे। वह एक अवॉर्ड लेने के लिए मंच पर गए। लगातार दो शो के बाद थके हुए और साधारण से कपड़े पहने अरिजीत ने सलमान खान समेत मेजबानों का अभिवादन किया।

सलमान को अच्छी नहीं लगी टिप्पणी

अरिजीत सिंह जब मंच पर आए तो सलमान ने उन्हें चिढ़ाते हुए कहा क्या आप सो रहे थे। इस पर अरिजीत मुस्कुराए और जवाब दिया आप लोगों ने सुला दिया यार। इस पर दर्शक हंसने लगे। बताया जाता है कि कथित तौर पर सलमान खान को यह टिप्पणी अच्छी नहीं लगी। उन्होंने इसे अपने अपमान के तौर पर लिया।

फिल्मों से गाने हटवाने की अफवाहें

इसके बाद अटकलों का दौर शुरू हो गया कि अरिजीत ने बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में से एक को नाराज कर दिया है। अगले कुछ वर्षों में, अफवाहें फैली कि सलमान ने अपनी कई फिल्मों से अरिजीत के गानों को हटा दिया, जिनमें किक, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। इनमें सबसे मशहूर गाना फिल्म सुल्तान का जग घुमेया था, जिसे बाद में अरिजीत की जगह राहत फतेह अली खान ने गाया।

सलमान खान ने दी सफाई

बिग बॉस 19 में आखिरकार सलमान ने इस मामले में पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि गलतफहमी उनकी अपनी थी, अरिजीत की नहीं। सलमान खान ने कहा अरिजीत और मैं बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह गलतफहमी थी और वह गलतफहमी मेरी तरफ से हुई थी। उसके बाद उसने मेरे लिए गाने भी गाए। टाइगर 3 में गाने गाए। आगे गलवां (बैटल ऑफ गलवां) में भी गाने गा रहे हैं। बैटल ऑफ गलवां सलमान खान की अपकमिंग फिल्म है।

अरिजीत ने मांगी माफी

जब मामला शांत नहीं हुआ, तो अरिजीत ने 2016 में सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। एक भावुक पोस्ट में, गायक ने कहा कि उनका कभी भी उन्हें अपमानित करने का इरादा नहीं था और यह पूरी घटना गलतफहमी का नतीजा थी। यह पोस्ट रातोंरात वायरल हो गई और फैंस ने सलमान से माफी स्वीकार करने का अनुरोध किया। इस बारे में सार्वजनिक रूप से किसी ने बात नहीं की।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने उतरेंगे शुभमन गिल, 3000 वनडे रन पूरे करने से मात्र इतने रन दूर

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारत के नवनियुक्त वनडे कप्तान शुभमन गिल रविवार से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालने के साथ ही एक और उपलब्धि हासिल करने की ओर अग्रसर हैं। यह स्टाइलिश दाएं हाथ का बल्लेबाज वनडे में 3,000 रन पूरे करने से सिर्फ 225 रन दूर है।

गिल ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सिर्फ एक वनडे खेला है जिसमें उन्होंने 33 रन बनाए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका कुल रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उनके खिलाफ 8 वनडे मैचों में उन्होंने 35 की औसत से 280 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक और एक शतक शामिल है। रोहित शर्मा की जगह लेने के बाद वनडे कप्तान के रूप में गिल का यह पहला कार्यकाल होगा।

भारत तीन वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रहा है। श्रृंखला रविवार को 50 ओवरों के मैचों के साथ शुरू होगी और दूसरा और तीसरा वनडे 23 और 25 अक्टूबर को खेला जाएगा। पांच टी20 मैच 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक खेले जाएंगे। आगामी श्रृंखला गिल की कप्तानी यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण होगी क्योंकि वह बल्ले से अपने निरंतर प्रदर्शन को जारी रखते हुए भारत के नए वनडे कप्तान के रूप में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

मई के बाद से गिल के लिए नेतृत्व की जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ी हैं। रोहित द्वारा एक संक्षिप्त संदेश के साथ टेस्ट प्रारूप को अलविदा कहने के बाद 26 वर्षीय गिल को इंग्लैंड के 5 मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए भारत का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया जो 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। उन्होंने अपनी बात पर अमल करते हुए 75.40 की औसत से रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए, जिसमें करियर का सर्वश्रेष्ठ 269 रन भी शामिल था, जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की वनडे टीम :-

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल।

तन्वी 17 साल में विश्व जूनियर पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी, हुड्डा चूकी

गुवाहाटी (एजेंसी)। तन्वी शर्मा बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में पदक पक्का करने वाली 17 साल में पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई जिन्होंने एक गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जापान की साकी मत्सुमोतो को हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। सोलह वर्ष की तन्वी ने मत्सुमोतो को 47 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 13.15, 15.9, 15.10 से हराया।

वहीं आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की अन्यापत फिचितप्रीचासक से 12.15, 13.15 से हारकर बाहर हो गईं। उन्नति ओडिशा ओपन सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनी थी और भारत की 2022 उबेर कप टीम का भी हिस्सा थीं। भारत की भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो की जोड़ी चीनी ताइपे के हुंग बिंग फू और चोउ युन अन से 9.15, 7.15 से हारकर बाहर हो गईं।

आखिरी बार विश्व जूनियर चैम्पियनशिप पदक जीतने वाली भारत की महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल थीं जिन्होंने 2008 में पुणे में स्वर्ण पदक जीता था। साइना ने 2006 में रजत पदक जीता था जबकि अपर्णा पोपट ने 1996 में रजत पदक हासिल किया था। लड़कों के एकल क्वार्टर फाइनल में ज्ञान दत्तु को चीन के तीसरी वरीयता प्राप्त लियू यांग मिंग यू ने 15.11, 15.13 से हराया।

रोहित, विराट सहित भारतीय टीम ने किया अभ्यास

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहुंचने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने अभ्यास शुरू कर दिया है। भारतीय टीम यहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। इस सत्र में सभी की नजरें अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर रहेंगी। ये दोनो बल्लेबाज करीब सात महीने बाद मैदान पर वापसी कर रहे हैं। दोनों ही इस सीरीज का महत्व जानते हैं। ऐसे में दोनों को अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी करते देखा गया। विराट और रोहित फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही खेल से दूर हैं।

इन दोनो ने ही नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। टीम के अभ्यास के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर भी पूरे समय उपस्थित थे।

विराट और रोहित ने टी20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है। ऐसे में अब दोनो एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। जिस प्रकार से युवाओं को अवसर मिल रहा है। उससे हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया दौरा इन दोनों दिग्गजों का अंतिम दौरा हो। अगर ये दोनो इस सीरीज में विशेष प्रदर्शन करते हैं तभी भविष्य के लिए टीम में रह पायेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सभी की निगाहें रोहित और कोहली के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। इसलिए यह सीरीज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इन दोनों के भविष्य को लेकर सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इन दोनो का ही लक्ष्य विश्व कप 2027 खेलना है पर बढ़ती उम्र को देखते हुए अभी ये संभव नहीं दिख रहा है। नए कप्तान शुभमन गिल ने दोनों के लंबे अनुभव को टीम के लिए महत्वपूर्ण बताया है पर कोच और चयनसमिति ने भी तक इनको लेकर कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिये हैं।

मोहम्मद शमी को क्यों नहीं मिली ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में जगह, अजीत अगरकर ने तोड़ी चुप्पी

कोलंबो (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और चयन समिति के बीच हाल के दिनों में छिड़े विवाद पर अब बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा कि अगर शमी फिट होते, तो टीम में जरूर होते। दरअसल, शमी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे की टीम से बाहर किए जाने पर बीसीसीआई चयनकर्ताओं पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए खेलकर अपनी फिटनेस साबित कर दी थी और चयनकर्ताओं को खुद उनसे अपडेट लेने चाहिए थे।

शमी बोले : मैं फिट हूं, मुझे बाहर क्यों किया गया?

35 वर्षीय मोहम्मद शमी पिछले साल से चोटों से जूझ रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार जून 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए खेला था। इसके बाद से वह टखने और घुटने की चोटों के कारण टीम से बाहर हैं, और 2023 विश्व कप के बाद उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

हाल ही में शमी ने कहा, 'मैं रणजी ट्रॉफी में खेल रहा हूं, इसका मतलब मैं फिट हूं। चयनकर्ताओं को खुद मुझसे अपडेट लेना चाहिए। खिलाड़ियों का काम फिट रहना है, रिपोर्ट भेजना नहीं।' उनके इस बयान के बाद क्रिकेट हलकों में खलबली मच गई थी और सोशल मीडिया पर ''शमी बनाम चयन समिति' की चर्चा तेज हो गई थी।

वह फिट नहीं थे, इसलिए चयन नहीं हुआ : अगरकर

अजीत अगरकर ने शमी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। अगरकर ने कहा, 'अगर वह मुझसे ऐसा कहते हैं, तो शायद मैं जवाब दूंगा। मुझे नहीं पता उन्होंने सोशल मीडिया पर क्या कहा, लेकिन मेरा फोन सभी खिलाड़ियों के लिए हमेशा चालू रहता है। शमी भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। अगर वह फिट होते, तो इंग्लैंड दौरे या ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए जरूर विमान में होते। दुर्भाग्य से वह पूरी तरह फिट नहीं थे, और हमारा घरेलू सीजन अब शुरू ही हुआ है।'

सेलेक्टर और खिलाड़ी - बातचीत ही है समाधान

अगरकर ने यह भी संकेत दिया कि शमी के साथ उनकी व्यक्तिगत बातचीत होती रहती है और किसी भी गलतफहमी को दूर करने का सबसे अच्छा तरीका संवाद है। उन्होंने कहा, 'मैं यहां कोई हेडलाइन नहीं बनाना चाहता। अगर कुछ कहना है, तो मैं सीधे उन्हें कॉल करूंगा। पिछले कुछ महीनों में हमारी कई बार बात हुई है।'

टीम इंडिया की नजर अब फिट शमी पर

टीम इंडिया की तेज गेंदबाजी यूनिट में शमी की वापसी का इंतजार लंबे समय से है। जसप्रीत बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन बड़े टूर्नामेंट्स के लिए शमी जैसा अनुभव अमूल्य है। अगर वह अगले कुछ महीनों में पूरी तरह फिट हो जाते हैं, तो उनकी वापसी तय मानी जा रही है।

नाओमी ओसाका के लगी चोट, जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटीं

ओसाका (एजेंसी)। नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से लैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहुंच गईं। WTA टूर ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चोट के कारण बाहर होने से पहले ओसाका ने वकाना सोनोबे और 2024 की चैंपियन सुजैन लेमेन्स को हराया। जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता लेला फर्नांडिज ने रेबेका स्रैमकोवा को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

कैंसर को हरा कर इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने की दमदार वापसी, अपने दर्द भरे सफर को किया बयां

स्पोर्ट्स डेस्क : ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और टी20 क्रिकेटर निक मेडिनसन एक जानलेवा बीमारी से जूझ रहे थे जिसके बाद उन्होंने उसे मात देकर वापसी की है। मेडिनसन ने बताया है कि उन्हें टेस्टिकुलर कैंसर था जिसे वह मात देने में सफल रहे लेकिन इस दौरान उनका सफर बेहद दर्द भरा रहा। मेडिनसन ने बताया है कि उन्होंने टेस्टिकुलर कैंसर को हराने के लिए कितनी कठिन लड़ाई लड़ी। उन्होंने बताया कि सर्जरीऔर कई हफ्तों की कीमोथेरेपी के बाद उन्होंने इस बीमारी को मात दी। आखिरी बार मार्च में शेफील्ड शील्ड में खेलने वाले मेडिनसन की जांच में कैंसर का पता चलने के बाद उनका ट्यूमर हटाने के लिए ऑपरेशन किया गया। लेकिन उनकी असली लड़ाई तो इसके बाद शुरू हुई। 2014 से 1015 के बीच आरसीबी के लिए खेलने वाले मेडिनसन ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें अपने कैंसर के बारे में बताया तो वह डरावना पल था। उन्होंने कहा कि, जब मुझे पता चला कि मुझे कीमो करवानी है तो ये मेरे लिए बहुत मुश्किल पल था। कैंसर मेरे पेट के लिए लिम्फ नोड्स और फेफड़ों तक फैल चुका था। वह पल मेरे लिए सबसे डरावना था। मेडिनसन ने स्वीकार किया कि कीमोथेरेपी के वो 9 हफ्ते उनके जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण हफ्ते थे। कीमोथेरेपी के साइड इफेक्ट्स को कम करने के लिए उन्हें स्टेरॉयड्स दिए गए, लेकिन उनके भी गंभीर असर हुए। उन्होंने कहा कि, दूसरे या तीसरे हफ्ते करते थे लेकिन ये मुझे रात में सोने नहीं देते थे। मैं 1 बजे तक तो सो जाता, लेकिन फिर सुबह 6 बजे तक जागता रहता। ये बहुत कठिन था। मैं पूरी तरह थक चुका था और ऐसा लगता था कि मैं 24 घंटे सोता ही रहूं।

भारत ने मलेशिया को हराया, सुल्तान जोहोर कप 2025 के फाइनल में पहुंचा

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुल्तान जोहोर कप 2025 के अपने अंतिम पूल-स्टेज मैच में मलेशिया को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है, जहां उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय टीम के लिए गुरजोत सिंह ने (22वें मिनट) के गोल से शुरुआत की, जबकि सौरभ आनंद कुशवाहा ने (48वें मिनट) ने विजयी गोल किया।

मलेशिया के लिए नवीनेश पनिकर ने (43वें मिनट) में गोल किया। भारतीय टीम ने मलेशिया के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की। भारतीय फॉरवर्ड तेज और लगातार हमले कर रहे थे, जिससे मेजबान टीम दबाव में आ गई। इस दौरान भारत ने अपने डिफेंस को मजबूत रखा। हालांकि पहले क्वार्टर के अंत तक कोई भी टीम गतिरोध को तोड़ नहीं पाई। दूसरे क्वार्टर का पहला हमला मलेशिया ने शुरुआत में ही कर दिया, लेकिन उसके तुरंत बाद भारत ने कई हमले किए और भारतीय टीम ने एक बार फिर दबाव बनाया और अंततः दबाव का फायदा हुआ, जब गुरजोत सिंह (22वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर गोल दागा।

इसके बाद भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा। हाफ-टाइम तक भारत 1-0 की बढ़त के साथ था। ब्रेक के बाद भारत ने अच्छी गति से शुरुआत की, लेकिन मेजबान मलेशिया ने वापसी का प्रयास किया। भारत ने क्वार्टर के अधिकांश समय खेल की गति पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन मलेशिया के प्रयासों ने खेल का रुख पलट दिया और स्कोर 1-1 से कर दिया। अंतिम क्वार्टर में सौरभ आनंद कुशवाहा के गोल से भारत ने एक बार फिर बढ़त बनाई और स्कोर 2-1 कर दिया। इसके बाद, मलेशियाई टीम ने बराबरी के गोल की तलाश में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। लेकिन भारत ने उनके प्रयासों को सफल नहीं होने दिया और मुकाबला 2-1 से जीत लिया। भारत फाइनल मुकाबले में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

महिला विश्व कप में आज पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल के लिए संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी न्यूजीलैंड

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को पाकिस्तान की टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। पाक टीम पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत के साथ वापस जाना रहेगा। पाक टीम अभी तक विश्वकप में एक भी मैच नहीं जीती है।

वह चार मैच में तीन हार और एक मैच रद्द होन से वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। वहीं न्यूजीलैंड तीन मैच में तीन अंक के साथ शीर्ष चार से बाहर है। वहीं ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो मैच हारने के बाद न्यूजीलैंड टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ वापसी की है। हालांकि श्रीलंका के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द होने से उसे नुकसान हुआ था। भारत और इंग्लैंड के खिलाफ 23 और 26 अक्टूबर को होने वाले कड़े मुकाबलों को देखते हुए न्यूजीलैंड की टीम इस मैच को जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना चाहेगी।

उसके पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण से सावधान रहना होगा। पाक को पाकिस्तान को न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाजी क्रम को रोकने के लिए गेंदबाजी में एक और ऑलराउंड की जरूरत रहेगी। न्यूजीलैंड की ओर से अबतक कप्तान सोफी डिवाइन ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने तीन पारियों में 86.66 की औसत से रन बनाए हैं।

हालांकि कीवी टीम के शीर्ष क्रम में निरंतरता की कमी से टीम को नुकसान हुआ है। जीत के लिए अनुभवी सूजी बेट्स, जॉर्जिया प्लिमर और अमेलिया केर को अच्छी शुरुआत करनी होगी जिससे डिवाइन पर पारी को संभालने का अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

न्यूजीलैंड की गेंदबाजी अब तक अच्छी रही है। डिवाइन और ब्री इलिंग ने अपने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था।

दोनो ही टीमें इस प्रकार है

पाकिस्तान:- फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमान फातिमा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमस, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज और सैयदा अरूब शाह।

न्यूजीलैंड:- सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंगलिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर और ली तहुहु।

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके, ये हैं शीर्ष 10 देश

मियामी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई है। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।' फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी 'रीसेल' साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

टेम्बा बावुमा की कप्तानी में भारत दौरे पर आयेगी दक्षिण अफ्रीकी ए टीम

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की ए टीम इस माह भारत का दौरा करेगी। इसकी कप्तानी टेम्बा बावुमा करेंगे। दक्षिण अफ्रीकी ए टीम इस दौरे में 2 टेस्ट और 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। ये टेस्ट सीरीज इसी माह 30 अक्टूबर से शुरू होगी। बावुमा इस सीरीज से वापसी करेंगे। वह पिछली में चोट के इससे पहले हुए पाकिस्तान दौरे से बाहर थे। उन्हें सितंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के इंग्लैंड दौरे में चोट लगी थी,

जिसके कारण उन्हें इस माह की शुरुआत में पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर रखा गया था। बावुमा को भारत ए टीम की इसलिए कप्तानी दी गयी है। जिससे वह भारत की सीनियर टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले पूर्ण मैच फिटनेस और फॉर्म हासिल कर सकें। दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर 14 नवंबर से 19 दिसंबर तक दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका ए टीम के भारत दौरे में दो चार दिवसीय मैच और तीन मैचों की एक एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। वह 6 से 9 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में खेलेंगे। टीम उनकी वापसी को लेकर उत्साहित है। एक शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और एक कप्तान के रूप में वह काफी सफल रहे हैं। टीम को उनके अनुभवों का भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

दक्षिण अफ्रीका ए टीम- टेम्बा बावुमा (कप्तान), मार्कस एकरमैन, ओकुहले सेले, जुबैर हमजा, जॉर्डन हरमन, रुबिन हरमन, रिवाल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, म्हिलाली मपोंगवाना, तेसेपो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, कायल सिमंड्स, त्शेपो न्दवांड्वा, जेसन स्मिथ, कियान वानबुरेन, कोडी यूसुफ।

रोहित, कोहली की मौजूदगी में गिल को कप्तान के तौर पर बेहतर होने का मौका मिलेगा: अक्षर पटेल

पर्थ (एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारतीय वनडे टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी शुभमन गिल को एक कप्तान के तौर पर बेहतर होने में मदद करेगी। भारतीय टीम रविवार को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। टीम के यहां पहुंचने के बाद दूसरे अभ्यास सत्र के बाद अक्षर ने कहा कि मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार भारत के लिए खेलने को तैयार रोहित और कोहली पहले की तरह ही चुस्त दिख रहे हैं।

भारत ने रोहित की अगुवाई में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। इसके बावजूद गिल को इस दौरे पर वनडे टीम की कमान सौंपी गयी है। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ एक संयुक्त बातचीत में कहा, ''गिल के लिए यह एकदम सही है। रोहित भाई और विराट भाई मौजूद हैं और इसके साथ ही वे कप्तान भी रहे हैं। इसलिए वे अपना योगदान भी दे सकते हैं। ऐसे में कप्तान के तौर पर गिल का अच्छा विकास होगा। गिल की कप्तानी में अब तक जो अच्छी बात रही है, वह यह है कि उन पर दबाव हावी नहीं हुआ है।'

रोहित और कोहली को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेले हुए काफी समय हो गया है लेकिन अक्षर ने कहा कि वह पहले की तरह ही फिट और चुस्त दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे दोनों विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके फॉर्म (लय) के बारे में हमें शुरुआती वनडे मैच के बाद पता चलेगा। वे पेशेवर हैं, इसलिए उन्हें पता है कि क्या करना है। वे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) में अभ्यास कर चुके हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वे खेलने के लिए तैयार हैं।'

एक दशक पहले भारतीय खिलाड़ी के रूप में पहली बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाले इस हरफनमौला ने कहा, 'वे अभ्यास सत्र के दौरान अपने खेल और फिटनेस दोनों में बहुत अच्छे दिख रहे हैं।' अक्षर सहित अधिकांश भारतीय क्रिकेटरों ने ऑस्ट्रेलिया में काफी क्रिकेट खेला है। वे खिलाड़ी परिस्थितियों को लेकर मानसिक रूप से सहज महसूस करते हैं। अक्षर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बातचीत विपक्षी टीम के खिलाफ रणनीति बनाने पर ज्यादा केंद्रित होती है। हम पिचों की उछाल और प्रकृति के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 2015 (ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला दौरा) के बाद से काफी बदलाव हुए हैं। उस समय हमें ऑस्ट्रेलिया का ज्यादा अनुभव नहीं था ऐसे में हम पिचों, परिस्थितियों और उछाल के बारे में बात करते थे।' उन्होंने कहा, '2015 विश्व कप के बाद हमने नियमित रूप से खेलना शुरू किया और श्रृंखला लंबी होने लगी। उसके बाद बल्लेबाजों ने और बेहतर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।' उन्होंने कहा, 'हमें यहां अब ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों जैसा महसूस नहीं होता। हमें ज्यादा बेहतर तरीके से तैयार रहना पड़ता है।

अक्षर ने कहा, 'हम अब इस बारे में सोच रहे हैं कि हम कहां रन बना सकते हैं, इसलिए हम रणनीति और टाइमिंग पर बात कर रहे हैं। हम पिच की नहीं, बल्कि इस बारे में बात कर रहे हैं कि हम कैसे रणनीति बना सकते हैं।' रविंद्र जडेजा की गैरमौजूदगी में इस श्रृंखला में अक्षर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा, 'मैं इस श्रृंखला को लेकर बहुत आश्वस्त हूं। एशिया कप में मैंने बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया था। लंबे समय (2022 टी20 विश्व कप) के बाद मैं

ऑस्ट्रेलिया में खेलूंगा। मैं इस चुनौती के लिए तैयार हूं।'

संक्षिप्त समाचार

पूर्व अमेरिकी राजदूत बोले- नोबेल पाने के लिए ट्रंप ने अमेरिका-भारत संबंधों को खराब किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जापान में पूर्व राजदूत राहम इमानुएल ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने ट्रंप पर आरोप लगाया कि नोबेल शांति पुरस्कार पाने की इच्छा में उन्होंने अमेरिका-भारत के बीच दशकों के रिश्ते को नुकसान पहुंचाया। ओबामा प्रशासन में वरिष्ठ सलाहकार रह चुके इमानुएल ने कहा कि ट्रंप का धमंड कूटनीतिक प्रयासों को बर्बाद करने का कारण बना। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम सौदे के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सार्वजनिक प्रशंसा की मांग की, ताकि नोबेल मिल सके। इससे अमेरिका के भारत के साथ रिश्ते प्रभावित हुए। उन्होंने कहा, ट्रंप ने सब कुछ इसलिए बर्बाद कर दिया क्योंकि मोदी ने नहीं कहा कि राष्ट्रपति को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। भारत का दावा है कि संघर्षविराम का फैसला पाकिस्तानी सेना की अपील के बाद स्वतंत्र रूप से लिया गया। लेकिन ट्रंप बार-बार कहते हैं कि उन्होंने भारी टैरिफ की धमकी देकर भारत और पाकिस्तान को इसके लिए मजबूर किया।

इंडोनेशिया : तेल के जहाज में भीषण विस्फोट, 10 की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के बाटम द्वीप पर एक शिपयार्ड में खड़े पाम तेल के जहाज में आग लगने के बाद भीषण विस्फोट गया। धमाके की चपेट में 10 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से चार की हालत गंभीर है। एक अधिकारी ने बताया कि तंजुंगउनकांग बंदरगाह स्थित शिपयार्ड में बुधवार को जहाज की मरम्मत चल रही थी.. तभी उसके टैंक में धमाका हो गया और वहां काम कर रहे कर्मी उसकी चपेट में आ गए।

1.37 करोड़ लोग कर रहे गंभीर भुखमरी का सामना

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम को दुनियाभर से मिलने वाली सहायता में कटौती के कारण अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान में लगभग 1.37 करोड़ लोग गंभीर भुखमरी के खतरे में हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने बुधवार को इस खतरे के प्रति चेताया। कहा कि एजेंसी की फंडिंग पहले कभी इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही। उसे 2025 के लिए 40% कम फंडिंग मिलने की उम्मीद है, जिसके परिणामस्वरूप अनुमानित बजट 6.4 अरब डॉलर होगा, जो 2024 के 10 अरब डॉलर से कम है।

ट्रंप ने बोस्टन में होने वाले फीफा विश्व कप मैचों को स्थानांतरित करने की दी धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले साल डेमोक्रेटिक गढ़ बोस्टन में होने वाले फीफा विश्व कप मैचों को स्थानांतरित करने की धमकी दी और कहा कि इस शहर के कुछ हिस्सों पर अशांति घर कर गई है। बोस्टन की मेयर और डेमोक्रेट नेता मिशेल वू पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा, मुझे बोस्टन के लोगों से प्यार है और मुझे पता है कि खेलों के टिकट बिक चुके हैं लेकिन आपकी मेयर अच्छी नहीं हैं। उन्होंने बिना कोई विवरण दिए आरोप लगाया कि वे बोस्टन के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर रहे हैं और हम उन्हें दो सेकंड में हटा सकते हैं।

मसालों से बनी रंगोली ने दुबई में बढ़ाई दीपावली उत्सव की रौनक

दुबई, एजेंसी। संस्कृति और सामुदायिक भावना का जीवंत संगम पेश करते हुए दीपावली पर दुबई के एक बाजार में मसालों से ऐसी रंगोली बनाई गई जिसे खाड़ी देश में 'सबसे बड़ी' रंगोली बताया जा रहा है। मसालों की रंगोली आठ से 26 अक्टूबर तक वाटरफ्रंट मार्केट में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जा रही है। 6 मीटर लंबाई व 6 मीटर चौड़ाई वाली इस विशाल रंगोली को दालचीनी, हल्दी, मिर्च, धनिया और लौंग समेत 60 किलो से अधिक विभिन्न मसालों से तैयार किया गया है। ये सभी मसाले वाटरफ्रंट मार्केट से ही लाए गए थे। इस अनूठी कलाकृति ने बाजार के प्रांगण को चटकीले रंगों और सुगंध से भर दिया।

नेपाल : मधेस प्रांत के नए मुख्यमंत्री बने सोनल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मधेस प्रांत में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (लोसपा) के नेता जितेंद्र सोनल को बुधवार को नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। मधेस प्रांत की प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने उन्हें यह पद सौंपा। बुधवार को सोनल ने छह दलों के समर्थन सहित 57 प्रदेश सांसदों के हस्ताक्षर के साथ सरकार गठन का दावा पेश किया था।

पाकिस्तानी सैनिकों की पैंट तक ले गए तालिबान लड़ाके

संघर्ष में जीत के तौर पर दिखाया ; अफगान नागरिक बोले- पाक को मुंहतोड़ जवाब देंगे

काबुल/ इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान लड़ाके पाकिस्तान पर जीत का जश्न मना रहे हैं। इसके के पत्रकार दाउद जुनबिश ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की जिसमें तालिबान लड़ाके पाक सैनिकों की पैंट और हथियार बीच चौराहे पर दिखाते नजर आए। जुनबिश ने बताया कि तालिबान के जवाबी हमले के बाद कुछ पाकिस्तानी सैनिक डूरंड रेखा के पास अपनी सैन्य चौकियों को छोड़कर भाग गए थे। तालिबान लड़ाकों ने इन चौकियों से पैंट और हथियार जब्त किए और इन्हें जीत की निशानी के तौर पर पेश किया। वहीं, पाकिस्तान के हमले के बाद अफगानी लोग लड़ाकों के साथ एकजुट हो गए हैं। कंधार निवासी व्यक्ति ने टोलो न्यूज से कहा, जरूरत पड़ी तो हम भी मुजाहिदीन और इस्लामिक एमिरेट की सेना के साथ मैदान में उतरेंगे। उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे। सभी लोग पाकिस्तान के खिलाफ उनके साथ खड़े हैं।

अफगानिस्तान ने बॉर्डर पर टैंक भेजे थे : पाकिस्तानी हवाई हमलों में बुधवार को काबुल और कंधार में 15 अफगान नागरिक मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे। जिसके बाद अफगानिस्तान ने बॉर्डर पर टैंक भेजे थे। इससे पहले पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को झड़पें हुई थीं। अफगानिस्तान के तालिबान प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बताया कि आज सुबह पाकिस्तानी सेना ने कंधार के स्पिन बोल्डक इलाके में हमला किया। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने कहा था कि सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान बॉर्डर पर अफगान तालिबान के हमले को नाकाम कर दिया, जिसमें तालिबान के लगभग 15 से 20 मेंबर मारे गए। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच 8 अक्टूबर से जारी संघर्ष के बाद बुधवार शाम को 48 घंटे के लिए सीजफायर हुआ था।

संघर्ष में 200 से ज्यादा मौतों का दावा : यह संघर्ष पिछले हफ्ते शुरू हुआ जब इस्लामाबाद ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हमला किया। अफगान लोग पाकिस्तान को सीमा विवाद और हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। दोनों देशों के बीच विवाद की जड़ है डूरंड लाइन, जो ब्रिटिश काल में भारत और अफगानिस्तान के बीच खींची गई थी। यह दोनों देशों की पारंपरिक जमीन को बांटती है और दोनों तरफ के पठान इसे कभी स्वीकार नहीं करते। डूरंड लाइन पर कम से कम सात जगहों पर दोनों पक्षों के बीच घातक गोलीबारी हुई।

हमास ने लौटाए दो और बंधकों के शव; IDF बोली- एक बंधक का नहीं, फॉरेंसिक जांच में खुलासा, इस्राइल ने चेताया

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल को हमास से दो और बंधकों की लाशें मिली हैं। लेकिन कुछ घंटे बाद सेना ने कहा कि पहले सौंपा गया एक शव बंधक का नहीं था। इस मामले ने दो साल से चले युद्ध के बीच बनी नाजुक स्थिति में और तनाव बढ़ा दिया है। लाशों को हमास द्वारा रेडक्रॉस के माध्यम से इस्राइल को सौंपा गया। इस्राइली सेना ने कहा कि बंधकों की पहचान अभी सत्यापित नहीं हुई है। वहीं, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल से 45 और फलस्तीनी शव मिले, जिससे कुल संख्या 90 हो गई। फॉरेंसिक टीम ने कहा कि शवों पर हिंसा और अत्याचार के निशान दिखाई दे रहे हैं। बंधकों की रिहाई के बदले इस्राइल ने सोमवार को लगभग 2,000 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया। हालांकि फॉरेंसिक जांच में पाया गया कि हमास द्वारा सौंपा गया चौथा शव किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता।

मुझे बांधा, प्रताड़ित किया और धमकाया, ग्रेटा थनबर्ग ने इस्राइली यातना पर अब तोड़ी चुप्पी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल की हिरासत में रहने के दौरान ऐक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग के साथ क्या-क्या हुआ? अब इस पर स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता ने चुप्पी तोड़ी है। 22 वर्षीय जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने गाजा फ्लोटिला की गिरफ्तारी के बाद इस्राइली हिरासत में यातना के गंभीर आरोप लगाए। ग्रेटा थनबर्ग ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने साथ हुए कथित दुर्व्यवहार के बारे में खुलकर बात की, जब उन्हें फ्रीडम फ्लोटिला में हिस्सा लेने के बाद इस्राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। इस फ्लोटिला का उद्देश्य गाजा में नाकाबंदी के तहत फिलिस्तीनियों को मानवीय सहायता पहुंचाना था। हालांकि, इस महीने की शुरुआत में इस्राइली बलों ने इस मिशन को रोक दिया, और वॉटर कैनन का इस्तेमाल करते हुए कई जहाजों पर चढ़े और 400 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया।

हाई सिक्योरिटी जेल में रखा, धमकाया : ग्रेटा थनबर्ग और उनके साथी कार्यकर्ताओं को हाई सिक्योरिटी वाली जेल में रखा गया था। उन्हें कई दिनों बाद रिहा कर दिया गया, लेकिन अब उनका दावा है कि हिरासत के दौरान उन्हें शारीरिक शोषण, धमकियां और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। अब ग्रेटा थनबर्ग ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, धमकाया और परेशान किया, जिसमें उन्हें बांधना और फिर सेल्फी लेना भी शामिल था।

मुझे बांधा, प्रताड़ित किया और सेल्फी ली : थनबर्ग ने स्वीडिश आउटलेट आफ्टनब्लैडेट को बताया कि गार्डों में ना तो कोई सहानुभूति है और ना ही मानवता और वे मेरे साथ सेल्फी लेते रहे। बहुत कुछ ऐसा है जो मुझे याद नहीं है। वे मुझे घसीटकर उस तरफ ले गए जहां दूसरे लोग बैठे थे, और पूरे समय मेरे चारों ओर झंडा लटका हुआ था। उन्होंने मेरी पिटाई की और लात मारी। उन्होंने आगे कहा, -एक साथ इतना कुछ हो रहा होता है। आप सदमे में होते हैं। आपको दर्द होता है, लेकिन आप शांत रहने की कोशिश करते हैं।- थनबर्ग ने बताया कि उन्होंने लगभग 50 लोगों को घुटनों के बल, हथकड़ी लगे और जमीन पर माथे रखे देखा।

उन्होंने दावा किया कि इस्राइली गार्डों ने उनके हाथों को कसकर बांधा और जब वह शांत हो गईं तो उनके साथ सेल्फी लेने के लिए कतार में खड़े हो गए थे। थनबर्ग ने यह भी आरोप लगाया कि एक समय तो बंदियों को गैस से मारने की धमकी भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि फिर गार्ड आए और कहा, हम तुम्हें गैस से मार देंगे। ऐसा कहना उनके लिए आम बात थी।

ट्रंप और शी की जल्द मुलाकात तय, अमेरिका-चीन ट्रेड वार के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री ने की पुष्टि

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापारिक तनाव के बीच एक बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जल्द मुलाकात तय है। उन्होंने बताया कि यह बैठक संभवतः इस महीने होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान होगी। बेसेंट ने कहा कि ट्रंप इस बैठक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों नेताओं के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और बातचीत जारी है।

दोनों देशों के बीच चल रही है उच्च-स्तरीय बातचीत : बेसेंट ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच इस समय उच्च स्तर पर संवाद जारी है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष कृष्ण और वर्ल्ड बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान भी कार्य-स्तरीय चर्चाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं चीन के साथ चल रही चर्चाओं को लेकर आशावादी हूं। हम कई स्तरों पर संवाद बढ़ा रहे हैं।

व्यापार तनाव के बीच ट्रंप का सख्त रुख : यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच ट्रेड वार फिर से गर्म हो गया है। हाल ही में चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण लगाया था, जिसके बाद ट्रंप ने बैठक रद्द करने की धमकी दी थी। इसके जवाब में व्हाइट हाउस ने चीन के खिलाफ नए टैरिफ पैकेज की घोषणा की। ट्रंप ने चीनी आयात पर 100% अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान करते हुए कहा था कि अब चीन को हमारे बाजारों में अनुचित लाभ नहीं मिलेगा।

'ट्रंप-शी बैठक' से मिल सकता है राहत का रास्ता : विश्लेषकों का मानना है कि एपीईसी सम्मेलन में होने वाली यह मुलाकात व्यापार तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है। दोनों देशों के बीच संवाद बहाल होना, वैश्विक बाजारों में स्थिरता का संकेत दे सकता है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के नए 100% अतिरिक्त शुल्क और सॉफ्टवेयर निर्यात नियंत्रण के फैसले के बाद माहौल अभी भी तनावपूर्ण है।

ट्रंप ने वेनेजुएला में सीआईए ऑपरेशन को दी मंजूरी, कराकस पर नशीले पदार्थों की तस्करी का लगाया आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में अमेरिकी केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) को सीक्रेट ऑपरेशन चलाने की मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस फैसले पर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का रिएक्शन भी सामने आया। वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने ट्रंप के फैसले की कड़ी निंदा की। बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए, राष्ट्रपति ट्रंप ने कराकस पर कैदियों और मानसिक रोगियों को अवैध रूप से अमेरिका में घुसने और बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी करने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने बिना कोई सबूत दिए आरोप लगाया, -उन्होंने अपनी जेलों को संयुक्त राज्य अमेरिका में खाली कर दिया है और हजारों कैदियों और मानसिक संस्थानों, पागलखानों के लोगों को वहां आने की अनुमति दे दी है।

इसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति से पूछा गया कि क्या उन्होंने सीआईए को मादुरो की हत्या करने की अनुमति दी थी? अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया और कहा, -मुझे लगता है कि वेनेजुएला पर दबाव बढ़ रहा है।- राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि हम वेनेजुएला पर जमीनी हमले करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि समुद्र पर हमारा पूरा नियंत्रण है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी के तुरंत बाद, मादुरो ने सीआईए द्वारा रची गई तख्तापलट की निंदा की।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यह नया कदम सीआईए को वेनेजुएला और कैरिबियन में घातक मिशन चलाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में व्यापक अमेरिकी सैन्य अभियानों के साथ समन्वय करने की अनुमति देता है।

एनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप सरकार के अधिकारियों ने -निजी तौर पर स्पष्ट किया है कि इस ऑपरेशन का अंतिम लक्ष्य मादुरो को सत्ता से हटाना है।- न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 10,000 अमेरिकी सैनिक, आठ युद्धपोत और एक पनडुब्बी वर्तमान में कैरिबियन में तैनात हैं, जिनमें से अधिकांश प्यूर्टो रिको में स्थित हैं।

सितंबर से, व्हाइट हाउस ने पांच अमेरिकी हमलों के बारे में बताया था। व्हाइट हाउस की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, वेनेजुएला के पास अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में पांच कथित ड्रग-तस्करी करने वाली नावें नष्ट की गईं, जिनमें कुल 27 लोग मारे गए थे।

अमेरिकी ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन की 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि कुछ कोकीन वेनेजुएला के रास्ते दक्षिण अमेरिका से बाहर जाती है, रिपोर्ट में यह भी साफ कर दिया गया है कि वेनेजुएला अमेरिका जाने वाली दवाओं का मुख्य सोर्स नहीं है। मादुरो ने बार-बार वाशिंगटन की कार्रवाइयों की निंदा करते हुए इसे लैटिन अमेरिका में शासन परिवर्तन और सैन्य विस्तार का प्रयास बताया है। ऐतिहासिक रूप से, सीआईए लैटिन अमेरिका में कई तख्तापलट और गुप्त अभियानों में कुख्यात रूप से शामिल रही है।

बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, संघीय कर्मियों के नौकरी से निकाले जाने पर जज की ट्रंप प्रशासन को फटकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत के जज ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को सरकारी कामकाज बंद (शटडाउन) के दौरान हजारों कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने से अस्थायी रूप से रोक दिया। अदालत ने कहा कि यह कदम राजनीतिक मकसद से प्रेरित दिखता है और बिना सही तैयारी के उठाया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका में यह शटडाउन का तीसरा हफ्ता है। सैन फ्रांसिस्को की जिला न्यायाधीश सुजन इल्स्टन ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से 4,100 से अधिक कर्मचारियों को हटाने का निर्णय कानूनी अधिकार से परे है और इससे मानवीय नुकसान हो रहा है। उन्होंने इस फैसले को रोकते हुए अस्थायी प्रतिबंध आदेश जारी किया। इल्स्टन ने सुनवाई के दौरान सरकारी वकील से बार-बार यह पूछने की कोशिश की कि जब ज्यादातर प्रभावित कर्मचारी पहले से ही फर्लो (अस्थायी छुट्टी) पर हैं और उनकी ईमेल या मानव संसाधन सहायता तक पहुंच नहीं है, तो ऐसे में यह छंटनी क्यों की जा रही है। न्यायाधीश ने कहा, ''यह बहुत हद तक पहले गोली चलाओ, फिर निशाना लगाओ जैसी नीति है, जो अस्वीकार्य है। यह आदेश अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों के संगठन 'अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज' और अन्य संघों की याचिका पर आया, जिन्होंने अदालत से मांग की थी कि सरकार को नए छंटनी नोटिस जारी करने और पहले से दिए गए नोटिस लागू करने से रोका जाए। उनका कहना था कि यह कार्रवाई कर्मचारियों को सजा देने और कांग्रेस पर दबाव बनाने का राजनीतिक प्रयास है।

व्हाइट हाउस ने इस पर टिप्पणी से इनकार करते हुए कहा कि इस विषय में सभी सवाल प्रबंधन और बजट दफ्तर से किए जाएं, जिसने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। डेमोक्रेट सांसद चाहते हैं कि सरकारी कामकाज दोबारा शुरू करने से पहले स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी को जारी रखने और मेडिकेड कटौती को वापस लेने पर सहमति बने, जबकि रिपब्लिकन स्पीकर माइक जॉनसन ने डेमोक्रेट्स की सुनवाई से इनकार किया है।

अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन आठ संघीय एजेंसियों में 4,100 से अधिक पदों को समाप्त करने की योजना बना रहा है। यह कटौती मुख्य रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा कार्यक्रमों में की जा रही है, जबकि सेना और आव्रजन नियंत्रण के खर्च जारी हैं। इससे पहले भी न्यायाधीश इल्स्टन ने संघीय कार्यबल को घटाने की प्रशासन की कोशिशों पर रोक लगाई थी, हालांकि बाद में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कुछ हद तक कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति दे दी थी।

व्हाइट हाउस बालरूम के लिए चंदा जुटाने के लिए ट्रंप ने दी भव्य डिनर पार्टी, जानें कौन-कौन अरबपति हुए शामिल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक आलीशान डिनर पार्टी का आयोजन किया। इस पार्टी में अमेरिका के अरबपति कारोबारी और धनी व्यक्ति शामिल हुए। यह पार्टी व्हाइट हाउस में नए बालरूम के निर्माण के लिए चंदा जुटाने के लिए आयोजित की गई थी। इस पार्टी में करीब 130 हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि और दिग्गज निवेशक शुमार रहे।

25 करोड़ डॉलर की लागत से बनेगा नया बालरूम : व्हाइट हाउस में नए बालरूम के निर्माण में करीब 25 करोड़ डॉलर की लागत आएगी। यह करीब 90 हजार वर्ग मीटर में फैला होगा। ट्रंप ने पहले कहा था कि इस बालरूम में 650 लोग बैठ सकेंगे, लेकिन बुधवार को ट्रंप ने कहा कि इसकी क्षमता 999 लोगों की होगी। यह ट्रंप प्रशासन द्वारा किया जाने वाला अभी तक का सबसे बड़ा पुनर्निर्माण कार्य है। इस बालरूम की खासियत ये होगी कि ये बेहद विशाल होगा, जिसमें राष्ट्रपति का उद्घाटन समारोह भी आयोजित किया जा सकेगा। नए बालरूम को बुलेटप्रूफ ग्लास से बनाया जाएगा। नए बालरूम के निर्माण में व्हाइट हाउस के डिजाइन का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस एक खास जगह है और हमें इसका ध्यान रखना होगा। ट्रंप की इस पार्टी में शामिल हुए लोग बिजनेस सूट और महिलाएं गाउन पहने नजर आईं। सभी मेहमानों के लिए टेबल आरक्षित थीं, जिन पर मोमबत्ती, गुलदस्ते, पानी आदि रखा हुआ था। मेहमानों को सोने की परत चढ़ी प्लेटों में खाना परोसा गया। खाने के मेन्यू में कई खास डिश परोसी गईं, जिनमें टमैटो पैंजानेला सलाद, बीफ वेलिंग्टन, नाशपाती, दालचीनी की मिठाई और बटरस्कॉच आइसक्रीम आदि शामिल रहीं। व्हाइट हाउस की इस खास पार्टी में अमेजन, एपल, बूज एलन हैमिल्टन, कॉइनबेस, कॉमकास्ट, गूगल, लॉकहीड मार्टिन, मेटा प्लेटफॉर्म्स और टी-मोबाइल जैसी कंपनियों के प्रमुख शामिल हुए। साथ ही एडेलसन फैमिली फाउंडेशन, तेल अरबपति कारोबारी हेरोल्ड हैम, ब्लैकस्टोन के सीईओ स्टीव श्वार्जमैन, क्रिप्टो कारोबारी टाइलर और कैमरून विंकलेवोस आदि हस्तियां भी इस पार्टी में शामिल हुईं।

सियासी संकट की कगार पर फ्रांस: दो अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग; जा सकती है मैक्रों की सत्ता

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस एक नए राजनीतिक संकट की कगार पर खड़ा है, जहां प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू के नेतृत्व वाली सरकार को राष्ट्रीय सभा में दो अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ रहा है। अगर प्रस्ताव पास हो गए, तो राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के पास केवल एक विकल्प बचता है- संसद भंग करके नई चुनाव कराना। अविश्वास प्रस्ताव मैक्रों के कट्टर विरोधियों द्वारा दायर किए गए हैं, हार्ड-लेफ्ट पार्टी फ्रांस अनबॉव्ड और दाहिने के नेशनल रैली की नेता मरीन ले पेन अपने सहयोगियों के साथ। अगर लेकोर्नू सफल रहते हैं, तो यह नजदीकी वोटिंग हो सकती है, लेकिन हारने पर राष्ट्रपति संसद भंग करने का रास्ता अपना सकते हैं।

क्यों और किसने प्रस्ताव दायर किया: ले पेन ने लंबे समय से नए विधानसभाई चुनाव की मांग की है और पोल में उनके पक्ष में समर्थन दिख रहा है। उनके सहयोगी एरिक सियोटी के साथ मिलकर उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में कहा गया है कि संसद भंग करना देश को संकट से निकालने का सबसे लोकतांत्रिक और प्रभावी तरीका है। फ्रांस अनबॉव्ड पार्टी का प्रस्ताव भी इसी दिन दायर हुआ, जिसमें कहा गया कि लेकोर्नू को हटाना मैक्रों को भी सत्ता से हटाने की दिशा में मदद कर सकता है। हालांकि राष्ट्रपति ने साफ किया है कि वह 2027 तक अपने कार्यकाल को समय से पहले समाप्त करने का इरादा नहीं रखते।

मतदान और संभावित परिणाम : राष्ट्रीय सभा की 577 सदस्यीय संस्था में किसी सरकार को गिराने के लिए कम से कम 289 विधायकों का समर्थन चाहिए। फ्रांस अनबॉव्ड और नेशनल रैली अकेले यह संख्या नहीं पूरी कर सकते। ले पेन की पार्टी और उनके सहयोगी 139 विधायक हैं, जबकि फ्रांस अनबॉव्ड के पास 71 हैं। अगर वे अपनी मतों को मिलाएं, तब भी उन्हें अन्य विपक्षी विधायकों का समर्थन चाहिए। कुछ अन्य वाइल्डकार्ड्स हैं और परिणाम बेहद

करीब हो सकता है। मैक्रों के केंद्रपंथी सहयोगी और सोशलिस्ट (69 विधायक) तथा रिपब्लिकन्स (50 विधायक) के वोट निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने इस सप्ताह घोषणा की कि वह फ्रांस में रिटायरमेंट उम्र को 62 से 64 तक बढ़ाने वाले विवादास्पद सुधार को स्थगित करेंगे। यह कदम लेकोर्नू और सरकार को कुछ समय खरीदने और 2026 के बजट पर ध्यान देने की अनुमति देगा। राजनीतिक वैज्ञानिक कैमिल बेडॉक का कहना है स्थिति बेहद अस्थिर है। सरकार के जीवित रहने की संभावना बहुत कम है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी: भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं 1.4 करोड़ लोग, डब्ल्यूएफपी ने बताई फंडिंग संकट की वजह

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसके प्रमुख दानदाताओं द्वारा वित्त पोषण में की गई कटौती से छह देशों में उसकी गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। उसने चेताया कि इससे करीब 1.4 करोड़ लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष उसका वित्त पोषण अब तक की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है।

डब्ल्यूएफपी ने कहा, इस चुनौती का मुख्य कारण अमेरिका (डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत) तथा अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा अनुदान में की गई भारी कटौती है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि उसकी खाद्य सहायता प्राप्त करने वाले 1.37 करोड़ लोगों को अब आपात स्तर की भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। जिन देशों में मुख्य व्यवधान देखने को मिल रहे हैं, वे अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान हैं।

भुखमरी विरोधी प्रगति खोने का खतरा

डब्ल्यूएफपी ने बताया कि इस साल उसे 40% कम वित्त पोषण मिलने के आसार हैं। इस तरह उसका अनुमानित बजट 10 अरब डॉलर से घटकर 6.4 अरब डॉलर रह जाएगा। एजेंसी की अधिकारी सिंडी मैक्केन ने कहा, यह सिर्फ धन की कमी नहीं, इससे अब तक हुई प्रगति खोने का खतरा है।

पाकिस्तानी सेना निर्दोषों पर हमला करके अपनी नाकामियों को छुपाती है: पश्तीन

-हमले में अफगान संपत्तियों को नुकसान पहुंचा, घर टूटे, स्कूल ढहे, तनाव बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के साथ लड़ाई में दर्जनों सैनिकों मौत के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि अफगानिस्तान ने भारत के इशारे पर उस पर हमला किया, क्योंकि ये हमले तब हुए जब अफगानिस्ता के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी दिल्ली में थे। वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ अब टू फ्रंट वॉर की बात कर रहे है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत फिर से जंग छेड़ सकता है और पाकिस्तान इसके लिए तैयार है।

वहीं अफगानिस्तान पर हमले के लिए पाकिस्तान के कई संगठनों ने अपनी ही सरकार को घेरा है। पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट के नेता मंजूर पश्तीन ने काबुल पर पाकिस्तानी सेना के हालिया हवाई हमलों की निंदा की है और नागरिकों को निशाना बनाने को युद्ध अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना बार-बार निर्दोष लोगों पर हमला करके में अपनी नाकामियों को छुपाती है। एक्स पर पोस्ट में पश्तीन ने लिखा- युद्ध अपराधों की सबसे बड़ी अपराधी पाकिस्तानी सेना हमेशा युद्ध के मैदान में खाली हाथ आम लोगों पर अपना गुस्सा और हार का उतारती है।

पूर्व अफगान राजनयिक अजीज महाराज ने कहा कि दुर्भाग्य से पाकिस्तान नागरिकों को निशाना बनाकर हमले करके सभी अंतरराष्ट्रीय मानदंडों जैसे हस्तक्षेप न करने के सिद्धांत, आपसी सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा का उल्लंघन कर रहा है। इससे किसी को कोई फायदा नहीं। इन हमलों और बढ़ते तनाव के मद्देनजर काबुल और इस्लामाबाद के बीच 48 घंटे का युद्धविराम स्थापित किया गया है।

ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अब अफगानिस्तान और भारत से एक साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की ताजा जंग हाल के दिनों में दोनों मुल्कों के बीच सबसे भयंकर खूनी टकराव है। इस लड़ाई में पाकिस्तान के दर्जनों सैनिक मारे गए हैं। बौखलाए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कई शहरों में एयर स्ट्राइक की। इससे संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। घर टूट गए है, स्कूल ढह गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में तालिबान के मुताबिक 12 से ज्यादा नागरिक मारे गए, जबकि 100 से ज्याद घायल हुए हैं। 15-20 तालिबानी लड़ाकों की मौत भी खबरें आई है। कंधार के स्पिन बोल्डक में पाकिस्तान-अफगानिस्तान का फ्रेंडशिप गेट बुरी तरह ढह गया है। अभी भले ही दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ है लेकिन तनाव अभी भी जारी है। शहबाज ने चुनौती भरे अंदाज में कहा है कि यदि यह सीजफायर केवल समय लेने के लिए किया गया है, तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। शरीफ ने आरोप लगाया कि अफगानिस्तान भारत की शह पर हमले कर रहा है, और ये हमले तब हो रहे हैं जब अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत में थे।

शहबाज शरीफ भारत का आरोप लगा रहे थे तो पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ दो मोर्चे पर जंग की तैयारी कर रहे थे। आसिफ ने माना कि पाकिस्तान संभावित दो मोर्चों पर संघर्ष की तैयारी कर रहा है।

22 अक्टूबर को सबरीमला मंदिर जाएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली के बाद 22 अक्टूबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबरीमला मंदिर जाएंगी जहां भगवान के दर्शन करेंगी। वह केरल पुलिस के वाहन से पहाड़ी पर स्थित इस तीर्थस्थल तक जाएंगी। सबरीमला के विशेष आयुक्त ने केरल उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी, जिसने बृहस्पतिवार को मंदिर में वीवीआईपी काफिले की आवाजाही की अनुमति दे दी।

अदालत ने त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) को राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर भीड़ प्रबंधन की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। विशेष आयुक्त के अनुसार, केरल पुलिस के पांच चार-पहिया वाहन राष्ट्रपति के काफिले का हिस्सा होंगे, जिनके साथ एक एम्बुलेंस भी होगी। यह काफिला 4.5 किलोमीटर लंबे स्वामी अय्यप्पन मार्ग और सन्निधानम तक के पारंपरिक मार्ग पर जाएगा। टीडीबी के एक अधिकारी ने बताया कि आपातकालीन स्थितियों और मंदिर तक सामान पहुंचाने के लिए टीडीबी और वन विभाग द्वारा एम्बुलेंस और ट्रैक्टर उपलब्ध है। राष्ट्रपति मुर्मू चार दिवसीय दौरे के तहत 21 अक्टूबर को केरल पहुंचेंगी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि व्यवस्थाएं वीवीआईपी सुरक्षा के लिए 'ब्लू बुक' प्रोटोकॉल के अनुरूप होनी चाहिए। पथनमथिट्टा के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा की तैयारियां की जा रही हैं। पारंपरिक रूप से श्रद्धालु पैदल या डोलियों (पालकी) में बैठकर मंदिर जाने के लिए चढ़ाई करते हैं। टीडीबी अधिकारियों ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति वी. वी. गिरि 1970 के दशक में सबरीमला आए थे और वह डोली में सवार होकर मंदिर पहुंचे थे।

आईपीएस वाई पूरन की पीएम रिपोर्ट आई सामने, गोली लगने से इंटरनल ऑर्गन फट गए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा आईपीएस वाई पूरन कुमार की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है। चंडीगढ़ पीजीआई की ओर से एसआईटी को सौंपी गई रिपोर्ट में सामने आया है कि गोली लगने से पूरन के इंटरनल ऑर्गन फट गए थे। नाक, कान और मुंह से खून निकला। इससे उनकी मौत हो गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद अब पुलिस ने अपनी जांच को और तेज कर दिया है। बता दें कि आईपीएस वाई पूरन कुमार के सुसाइड के नौवें दिन बुधवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया था। गुरुवार को परिवार ने हरिद्वार में उनके अस्थि-विसर्जन की रस्म हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार पूरी की। उधर, मामले में अभी तक अमनीत पी कुमार की ओर से कोई सार्वजनिक बयान नहीं आया है। वहीं अभी तक चले गतिरोध में उनके विधायक भाई अमित रतन या 31 सदस्यीय (बाद में 51 सदस्यीय की) कमेटी ने भी मीडिया को कुछ जानकारियां नहीं दी। बुधवार को अंतिम संस्कार के बाद अमनीत पी कुमार से बात करने की कोशिश की तब परिवार ने उन्हें रोक लिया। इस बीच रोहतक में एएसआई संदीप लाठर के सुसाइड के बाद माहौल काफी बदल गया है। अभी तक मुखर दिख रहे संगठन भी नरम पड़े हैं। यहां लगातार सभी की निगाह रोहतक में चल रहे घटनाक्रम पर लगी रही।

बहराइच में अवैध कफ सिरप और दर्द निवारक दवाओं के गोदाम में छापेमारी

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में अवैध कफ सिरप और दर्द निवारक दवाओं की बरामदगी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मामला सामने आया है। बहराइच के दरगाह इलाके में सहायक आयुक्त औषधि, देवीपाटन मंडल, मुकेश जैन ने टीम के साथ छापेमारी कर प्रतिबंधित कोडीन युक्त सिरप और दर्द निवारक कैप्सूल बड़ी मात्रा में बरामद किए। इनकी कीमत लाखों में आंकी गई है। छापेमारी रॉयल फार्मा द्वारा बेचे जा रहे अवैध स्टॉक पर की गई। जहां मध्य प्रदेश में जहरीले कफ सिरप कोल्ड्रिफ के कारण बच्चों की मौत के मामले में जांच के दायरे का बढ़ना, जिसके बाद कोडीन युक्त सीरप की अवैध सप्लाई की शिकायतें मिली थीं। सभी जब्त दवाओं के नमूने (सैंपल) जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। दवा विक्रेता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दवा विक्रेता के पास से एक लखनऊ नंबर की गाड़ी बरामद हुई है, जिस पर विधायक का सचिवालय पास लगा हुआ था। सहायक आयुक्त औषधि मुकेश जैन ने कहा है कि दवाओं के नमूने की जांच की जाएगी और यह भी जांच की जाएगी कि सचिवालय का पास कैसे जारी हुआ। यह एक ओपिओइड एनाल्जेसिक है, जिसका उपयोग मध्यम से गंभीर दर्द कम करने के लिए किया जाता है। यह दर्द संकेतों को रोककर काम करता है। इसे डॉक्टर की सलाह के बिना लेना घातक हो सकता है। ओपिओइड दर्द निवारक दवा है, जिसका उपयोग अल्पकालिक दर्द से राहत के लिए होता है। कुछ लोग इसे संयमित नहीं कर पाते हैं।

50 यात्रियों से भरी बस एक्सप्रेसवे पर बन गई आग का गोला, लोगों ने कूदकर बचाई जान

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। जिले के दनकौर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात एक चलती लग्जरी बस में आग लग गई। जैसे ही यात्रियों को पता चला कि बस में आग लगी है तभी कई यात्री कूदने लगे। गनीमत रही इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। बता दें कि राजस्थान जैसा कांड यूपी में भी हो सकता था। मंगलवार को राजस्थान के जैसलमेर में एक एसी बस में आग लग जाने से 21 यात्रियों की दर्दनाक तरीके से मौत हो गई तो एक दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए थे। गनीमत रही कि आग अंदर तक नहीं पहुंची और करीब 50 यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि निजी बस पंजाब के लुधियाना से आगरा जा रही थी और उसमें करीब 50 यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि बस जब यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते ग्रेटर नोएडा से गुजर रही थी, तभी उसकी छत पर रखे सामान में भीषण आग लग गई। चालक ने आग का पता चलते ही बस रोक दी और यात्री बाहर आ गए। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक, दिवाली से पहले की जा रही आतिशबाजी की वजह से चिंगारी चलती बस की छत पर गिरी जिसके कारण आग लग गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग इसके साथ राजस्थान में हुए हादसे का जिक्र करते हुए यात्रियों की जान बचने पर ऊपरवाले का आभार जता रहे हैं।

तेलंगाना में अब दो से ज्यादा बच्चे वाले भी लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव

हैदराबाद (एजेंसी)। आने वाले समय में तेलंगाना में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव में उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं और वे चुनाव लड़ने की इच्छा रखते हैं। अब ऐसे लोग भी चुनाव लड़ सकेंगे। तेलंगाना कैबिनेट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की अनुमति देने पर सिद्धांत रूप से सहमति जताई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। राजस्व मंत्री रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने पर 1 से 9 दिसंबर तक 'प्रजा पालन-प्रजा विजयोत्सव' मनाया जाएगा। इस दौरान राज्य में सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा जाएगा। राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण उपायों के सख्ती से लागू होने के बावजूद इस नियम को बनाए रखना अब जरूरी नहीं है। कैबिनेट ने विचार-विमर्श के बाद इसे हटाने का फैसला किया है ताकि अधिक लोगों की लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। बैठक में तीन नए कृषि महाविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जो हुजूरनगर, कोडंगल और निजामाबाद में स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा, हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार कार्यों को भी तेज करने का निर्णय लिया गया है। सरकार ने एक वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित करने का फैसला किया है, जो मेट्रो रेल प्रोजेक्ट फेज-1 को एलएंडटी से अधिग्रहण करने की संभावनाओं का अध्ययन करेगी। कैबिनेट ने एनएएलएसएआर लॉ यूनिवर्सिटी को 7 एकड़ अतिरिक्त भूमि देने का निर्णय लिया है।

किसानों ने पूछा सवाल, अभी फसल कटी हीं नहीं... फिर कैसे दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब होने लगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर ने दिवाली से पहले ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने और पंजाब में कम पराली जलाने की घटनाओं के बावजूद हवा की गुणवत्ता खराब होने पर पंजाब के किसानों ने सवाल उठा दिए हैं। किसानों का कहना है कि अभी उनके खेतों में कटाई भी शुरू नहीं हुई है, इसलिए पराली जलाने का सवाल ही नहीं है, फिर भी दिल्ली की हवा प्रदूषित हो गई है। पटियाला के किसान सुखविंदर सिंह के अनुसार, हमारे किसी खेत में अभी आग नहीं लगी है, और दिल्ली में पहले ही प्रदूषण आ गया। तब यह प्रदूषण कहाँ से आ रहा है? वे इस मौसम में दिल्ली को घेरने वाले जहरीले प्रदूषण के अन्य स्रोतों पर सवाल उठा रहे हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के सैटेलाइट डेटा के अनुसार, 15 सितंबर से अब तक पंजाब में रोज केवल 6-7 पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जो दिखाता है कि वर्तमान पराली जलाना प्रदूषण का मुख्य कारण नहीं है। किसानों का कहना है कि वे पराली प्रबंधन के लिए पर्यावरण के अनुकूल और सस्ते विकल्पों पर विचार करने को तैयार हैं, लेकिन इससे उन पर, खासकर छोटे किसानों पर, अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ना चाहिए। किसानों को बेलर मशीनें से पराली प्रबंधन पर लगभग 1100-1200 रुपये प्रति एकड़ खर्च करना पड़ता है, और फिर जैव-ऊर्जा संयंत्र/उद्योग उसे समय पर उठाते भी नहीं हैं। किसानों ने कहा है कि यदि सरकार उन्हें वैकल्पिक तरीके अपनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करे, तो वे पराली नहीं जलाएंगे। इसके अलावा, किसानों ने फसल अवशेष मशीनें (सीआरएम) उपलब्ध कराने में देरी की भी शिकायत की है, जबकि पंजाब सरकार ने इस साल लगभग 2.5 लाख मशीनें उपलब्ध कराने का दावा किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि तापमान में गिरावट और दिवाली पर पटाखों का असर दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति को और गंभीर बना सकता है, जबकि अभी से एक्यूआई लगातार बढ़ रहा है। यह स्थिति लोगों के लिए सांस लेने में दिक्कत पैदा कर रही है।

महागठबंधन में एक और दल हुआ शामिल, तीन सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में विपक्षी दलों के महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री हो गई है। पान समाज (तांती, ततवा जाति) की राजनीति करने वाले आईपी गुप्ता ने दावा किया है कि उनकी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को महागठबंधन में 3 सीटें मिल गई हैं। आईपी गुप्ता ने गुरुवार रात को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बन गई है। हम घर वाले नहीं बल्कि गोतिया बने हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार तांती, तत्वा, पान समाज की अपनी पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी। इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के चीफ आईपी गुप्ता बीते कई दिनों से महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे।

बिहार वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात भी हुई थी। इसके बाद पिछले सप्ताह उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। आईपी गुप्ता खुद सहरसा सीट से अपनी पार्टी के कलम छाप चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि 3-4 सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को राजद और कांग्रेस के सिंबल पर लड़ने पर सहमति बनी है। हालांकि, महागठबंधन के प्रमुख दल राजद या कांग्रेस की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अखिल भारतीय पान महासंघ के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। इसी साल अप्रैल महीने में उन्होंने पटना के गांधी मैदान में पान समाज की बड़ी रैली करके सबका ध्यान खींचा था। बिहार में हुए जाति आधारित सर्वे के आंकड़ों के अनुसार तांती-ततवा जाति के लोगों की आबादी लगभग 2 प्रतिशत है। ऐसे में कम मार्जिन से हार-जीत वाली सीटों पर पान समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं। बताया जा रहा है कि लालू-तेजस्वी की आरजेडी ने अपने कोटे की सहरसा सीट आईपी गुप्ता को लड़ने के लिए दी है। 2020 में जेडीयू की मौजूदा सांसद लवली आनंद ने सहरसा से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के आलोक रंजन झा से हार गई थीं। एनडीए में भाजपा ने 2025 में फिर से मौजूदा विधायक को ही टिकट दिया है। बता दें कि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, सीपीआई-माले, सीपीएम, सीपीआई और मुकेश सहनी की वीआईपी को मिलाकर 6 पार्टियां पहले से हैं। आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के आने से कुल 7 दल हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं बन पाई और 25 सीटों पर अलग से अपने प्रत्याशी उतार दिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो के भी बिहार महागठबंधन में सीटें मिलने पर अभी सस्पेंस है।

नक्सली आत्मसमर्पण: सीएम नायडू पर हमले की साजिशकर्ता बम बहादुर राव भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो से तीन दिनों में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में 405 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। बीते कुछ समय में केंद्र के एक्शन और अपील का असर अब नक्सल हिंसा प्रभावित इलाकों में साफ दिख रहा है। गुरुवार को छत्तीसगढ़ में सीएम विष्णुदेव साय के सामने 170 नक्सलियों ने सरेंडर किया। खास बात है कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों में खास बम बहादुर नक्सली भी शामिल है। इस नक्सली की पहचान बम बनाने वाले एक्सपर्ट के रूप में रही है। यह व्यक्ति है टी वासुदेव राव उर्फ रूपेश।

माओवादियों के बम बनाने वाले के रूप में मशहूर 59 वर्षीय वासुदेव राव उर्फ रूपेश के बारे में पता चला है कि वे आखिरी बार अबूझमाड़ इलाके से अपनी गतिविधियां चला रहे थे। उनके साथ, आत्मसमर्पण करने वाले विद्रोहियों में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेजेडसी) की माड़ संभाग प्रभारी रनिता भी शामिल थीं।

बताया जाता है कि तेलंगाना के मुलुगु निवासी रूपेश ने 2 दिसंबर 2000 को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर हमले की साजिश रची थी। ऐसा माना जाता है कि वे 1999 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन गृह मंत्री ए. माधव रेड्डी और युवा आईपीएस अधिकारी उमेश चंद्र की हत्या में भी शामिल था। वासुदेव राव ने आईटीआई से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद 1991 में पीपल्स वॉर ग्रुप में शामिल हुआ। इसके बाद राव को 1999 में हैदराबाद एक्शन टीम का प्रमुख नियुक्त किया गया। साल 2010 में राव को सीपीआई (माओवाद) की सेंट्रल कमिटी में शामिल किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस सूत्रों ने बताया कि रूपेश को प्रतिबंधित सीपीआई(माओवादी) की केंद्रीय समिति में प्रमोट किया गया है, लेकिन खुफिया सूत्रों के अनुसार, उन्होंने अभी तक यह पद ग्रहण नहीं किया है। एक खुफिया सूत्र ने बताया कि वह केंद्रीय समिति की किसी भी बैठक में शामिल होने से पहले ही सरेंडर करने का फैसला किया।

इन बड़े हमलों का मास्टरमाइंड

2007: पूर्व मुख्यमंत्री एन. जनार्दन रेड्डी की हत्या के प्रयासों से जुड़ा

2019: गढ़चिरौली में हुए आईईडी विस्फोट में संदिग्ध, जिसमें 15 महाराष्ट्र पुलिसकर्मी मारे गए

ट्रंप का बढ़ेगा टेंशन: भारत की आकाश मिसाइलों का मुरीद हुआ ब्राजील का यह देश, जल्द होगी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ जंग के मैदान में भारत के मिसाइल डिफेंस सिस्टम्स की ताकत पूरी दुनिया ने देखी। इस दौरान भारत के स्वदेशी डिफेंस सिस्टम आकाश की भूमिका भी बेहद अहम रही थी। यही वजह है कि दुनिया के कई देश आकाश मिसाइलों के मुरीद हो गए हैं और इसे खरीदने की दिलचस्पी दिखाई है। इस कड़ी में अब ब्रिक्स के साथी ब्राजील का नाम भी जुड़ गया है।

बता दें कि 'आकाश' मिसाइल सिस्टम को डीआरडीओ ने तैयार किया है। इसका मकसद फाइटर एयरक्राफ्ट, क्रूज मिसाइल, ड्रोन और हेलीकॉप्टर जैसे हवाई खतरों से जरूरी ठिकानों और संसाधनों की सुरक्षा करना है। यह पूरी तरह मोबाइल सिस्टम है यानि इस कहीं भी ले जाया जा सकता है। वहीं यह एक साथ कई टारगेट पर हमला कर सकता है। जानकारी के मुताबिक भारत जल्द ही ब्राजील को आकाश मिसाइलों को ब्राजील भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए दोनों देशों के बीच जल्द ही एक बड़ी डिफेंस एक्सपोर्ट डील की तैयारियां भी चल रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ब्राजील के उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री के बीच हुई बातचीत के दौरान ब्राजील ने इसे खरीदने में खास दिलचस्पी दिखाई है और दोनों देशों ने बातचीत जारी रखने का फैसला किया है। इससे समझौते की संभावना और बढ़ गई है।

इस सौदे से ब्रिक्स के दोनों साझेदार देशों के रणनीतिक रिश्ते और मजबूत होने की उम्मीद है। वहीं यह सौदा भारत की डिफेंस में आत्मनिर्भरता के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। यह सिर्फ एक व्यावसायिक समझौता नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी भी होगी। इससे दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूती मिलेगी और भारत की पहचान एक भरोसेमंद वैश्विक डिफेंस एक्सपोर्टर के रूप में और मजबूत होगी। भारतीय सेना के मुताबिक आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हवाई खतरों और ड्रोन हमलों को लगातार नाकाम किया। इस दौरान इसकी जैमिंग इम्यूनिटी और तेज प्रतिक्रिया की क्षमता सबसे अधिक मददगार साबित हुई। इस बैटल-टेस्टेड सिस्टम ने खुद को एक किफायती और भरोसेमंद विकल्प के रूप में साबित किया है, खासकर उन देशों के लिए जो अपनी एयर डिफेंस टेक्नोलॉजी को आधुनिक बना रहे हैं।

देश में बढ़ती 'डिजिटल अरेस्ट' की घटनाओं पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट...केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर बुजुर्गों से 1.05 करोड़ की ठगी की घटना पर चिंता जाहिर की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जता दी है। इतना ही नहीं 73 वर्षीय महिला द्वारा प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा है। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों सहित निर्दोष लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के लिए सुप्रीम कोर्ट, उच्च न्यायालय के आदेशों और न्यायाधीशों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है।

बता दें कि 'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाकर धमकी देकर गलत तरह से धन वसूली करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, "न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है।

पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, "हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेने के लिए भी इच्छुक हैं कि यह मामला एकमात्र मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ये खबरें आई हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में इसतरह के अपराध हुए हैं। इसलिए, हमारा मानना ??है कि न्यायिक दस्तावेजों की जालसाजी, निर्दोष लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से जबरन वसूली/लूट से जुड़े आपराधिक उपक्रम का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों और कार्रवाई की आवश्यकता है।"

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से सहायता मांगी और हरियाणा सरकार तथा अंबाला साइबर अपराध विभाग को बुजुर्ग दंपति के मामले में अब तक की गई जांच पर स्थिति रिपोर्ट देने का आदेश दिया। यह मामला शिकायतकर्ता महिला द्वारा अदालत के संज्ञान में लाया गया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि धोखेबाजों ने 3 से 16 सितंबर के बीच दंपति की गिरफ्तारी और निगरानी की बात करने वाला स्टाम्प और मुहर लगा एक जाली अदालती आदेश पेश किया और कई बैंक लेनदेन के माध्यम से एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की।